गुवाहाटी व जोरहाट से एक साथ प्रकाशित

सच से समझौता नहीं

प्रातः खबर

आरसीबी -10

www.pratahkhabar.com

RNI NO. ASSHIN/2005/15049 PRATAH KHABAR, Guwahati, Sunday, 19 July, 2026 वर्ष 23 अंक 79, गुवाहाटी, रविवार 19 जुलाई, 2026, आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष-5 मूल्य : दस रुपये पेज-12

अक्षय को ओएनजी-2 से दूर रखना चाहते थे परेश रावल-12

देश के पहले निजी कक्षीय रॉकेट विक्रम-1 ने श्रीहरिकोटा से भरी उड़ान

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश), 18 जुलाई (भा)। देश के पहले निजी कक्षीय रॉकेट विक्रम-1 का आज यहां अंतरिक्ष केंद्र से सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया गया। यह रॉकेट कई छोटे उपग्रहों या उपकरणों को अंतरिक्ष में पहुंचाएगा, जिन्हें नयी अंतरिक्ष तकनीकों के परीक्षण और प्रदर्शन के लिए तैयार किया गया है और साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक विशेष पोस्टकार्ट भी लेकर जा रहा है। मिशन आगमन नामक इस परीक्षण उड़ान का प्रक्षेपण देश के वाणिज्यिक अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है। इस मिशन का संचालन हैदराबाद स्थित निजी अंतरिक्ष कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस ने किया। बादलों से घिरे मौसम के बीच सात मंजिला इमारत जितना ऊंचा, चार चरणों वाला विक्रम-1 रॉकेट शनिवार दोपहर 12.05 बजे यहां स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के पहले प्रक्षेपण परिसर से रवाना हुआ। इससे पहले नेविगेशन प्रणाली से जुड़ी संभावित समस्या के कारण प्रक्षेपण को अस्थायी रूप से रोक (प्लान्ड होल्ड) दिया गया था, जिसके कारण प्रक्षेपण निर्धारित समय पूर्वाह्न 11.30 बजे के बजाय 35 मिनट की देरी से किया गया। करीब 16 मिनट से कुछ कम समय की प्रारंभिक उड़ान के बाद विक्रम-1 से घरेलू और विदेशी पेलोड को पृथ्वी की निचली कक्षा शेष पृष्ठ आठ पर

संभावनाओं का नया शिखर : हिमंत

गुवाहाटी, 18 जुलाई (ख.सं)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आज भारत के पहले निजी रूप से विकसित कक्षीय रॉकेट विक्रम-1 के सफल प्रक्षेपण को देश के अंतरिक्ष उद्योग और उद्यमिता की संभावनाओं के लिए एक नया शिखर बताया। रॉकेट विकसित करने वाली कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस की पूरी टीम को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि नये भारत के नवप्रवर्तकों, निवेशकों और उद्यमियों के लिए संभावनाएं अनंत हैं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि विक्रम-1 का शेष पृष्ठ आठ पर

मौजूदा वित्त वर्ष में 7 प्रक्षेपण करने का लक्ष्य : इसरो प्रमुख

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश), 18 जुलाई (भा)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने आज कहा कि चालू वित्त वर्ष में सात प्रक्षेपण करने का लक्ष्य है और अगला मिशन अगले दो महीनों के भीतर होगा। स्काईरूट एयरोस्पेस के विक्रम-1 रॉकेट के ऐतिहासिक पहले ऑर्बिटल प्रक्षेपण के बाद संवाददाता सम्मेलन में नारायणन ने बताया कि दो उपग्रह पहले ही पूरी तरह से तैयार हो चुके हैं, जबकि पांच से छह अन्य उपग्रह एकीकरण के आखिरी चरण में हैं। ऑर्बिटल रॉकेट को इस तरह डिजाइन किया जाता है कि वह उपग्रह की रफ्तार को इतना बढ़ा दे कि अंतरिक्ष में पहुंचने के बाद यह नीचे गिरने के बजाय पृथ्वी शेष पृष्ठ आठ पर

सुप्रभातम्

मेहनत वो सुनहरी जाबी है जो बंद भिवष्य के दरवाजे भी खोल देती है।

इलाज के लिए दिल्ली एम्स जाएंगे लालू प्रसाद

पटना, 18 जुलाई (भा)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद को इलाज के लिए आज दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ले जाया जाएगा। उनकी बड़ी बेटी और राजद सांसद मीसा भारती ने यह जानकारी दी। लालू प्रसाद को कल शाम रक्तचाप में उतार-चढ़ाव की शिकायत के बाद पटना स्थित इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आईजीआईएमएस) में भर्ती कराया गया था। मीसा भारती ने संवाददाताओं से कहा कि रक्तचाप में उतार-चढ़ाव के कारण उन्हें आईजीआईएमएस में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों ने उनकी विस्तृत जांच की और हालत स्थिर होने के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी। आगे के उपचार के लिए उन्हें शनिवार को दिल्ली-एम्स ले जाया जाएगा। उन्होंने बताया शेष पृष्ठ आठ पर

शेरमान बने प्रदेश टीएमसी के प्रभारी

गुवाहाटी, 18 जुलाई (ख.सं.)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के प्रदेश इकाई के नवनियुक्त प्रभारी एवं विधायक शेरमान अली अहमद के नेतृत्व में एक सांगठनिक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में पार्टी के के आगामी कार्यक्रमों और सांगठनिक आधार को मजबूत करने के उद्देश्य से विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गयी। सांगठनिक एकजुटता का परिचय देते हुए इस बैठक में पिछले विस चुनाव में पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ने वाले लगभग 90 प्रतिशत उम्मीदवार और पिछली राज्य समिति के लगभग सभी पदाधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में अहमद ने राज्य की यह अहम जिम्मेदारी सौंपने के लिए अपने शीर्ष नेतृत्व के प्रति दिल से आभार व्यक्त किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि वे सभी ममता बनर्जी के साथ हैं और उनके आदर्शों व नेतृत्व में असम में पार्टी को फिर से मजबूत करने के लिए पूरी तरह शेष पृष्ठ आठ पर

मेक्सिको-ग्वाटेमाला सीमा पर 7.3 तीव्रता का भूकंप

तापाचूला, 18 जुलाई (एपी)। मेक्सिको के दक्षिणी प्रशांत तट पर ग्वाटेमाला सीमा के पास 7.3 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किये गये। भूकंप के झटके मेक्सिको सिटी से अल सेल्वाडोर तक महसूस किये गये। हालांकि इन देशों में अब तक किसी बड़े नुकसान या जनहानि की सूचना नहीं मिली है। दक्षिणी मेक्सिको में दो लोगों के घायल होने की खबर है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) विभाग के अनुसार भूकंप का केंद्र चियापास के तटीय क्षेत्र में अक्विलेस सेरडान से लगभग 48 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में 15 किलोमीटर की गहराई पर था। मुख्य भूकंप से पहले समुद्र में इससे कम तीव्रता का एक झटका भी आया था। यूएसजीएस शेष पृष्ठ आठ पर

देश की सीमाओं को अभेद्य बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : शाह

सिलीगुड़ी, 18 जुलाई (एजें)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश की सभी सीमाओं को अभेद्य बनाने के प्रति प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट बॉर्डर की अवधारणा के साथ सीमाओं को पूरी तरह से सुरक्षित बनाने और सीमांत क्षेत्रों में घुसपैठ रोकने पर मोदी सरकार काम कर रही है। अपनी तीन दिवसीय यात्रा पर सिलीगुड़ी पहुंचे केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार सीमाएं सुरक्षित बनाने को चतुष्कोणीय सुरक्षा ग्रिड का निर्माण कर रही है। उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं पर तैनात सुरक्षा बलों के जवानों और उनके परिजनों का कल्याण केंद्र सरकार की पहली प्राथमिकता है। केंद्रीय गृह मंत्री ने शनिवार को उत्तरी बंगाल में संवेदनशील राष्ट्रीय सीमाओं की सुरक्षा व्यवस्था, सीमाओं को और सुदृढ़ करने वाली स्वदेशी और अत्याधुनिक तकनीक, तारबंदी एवं अन्य सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इसके साथ ही शाह ने 77 करोड़ रुपये की लागत वाली बीएसएफ की कई परियोजनाओं का ई-शिलान्यास भी किया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार शाह उत्तरी बंगाल के सिलीगुड़ी के बाहरी इलाके में फुलबारी बॉर्डर आउटपोस्ट के जुमागाछ इलाके में बीएसएफ की 18वीं बटालियन की सीमा चौकी पर पहुंचे। यहां उन्होंने अर्द्धसैनिक बलों के जवानों से बातचीत की, तारबंदी के पास बने वॉच टॉवर का दौरा किया और एक पौधा भी लगाया। केंद्रीय शेष पृष्ठ आठ पर

राजनाथ का पाक को दो टूक संदेश

आतंक को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करना भारत की नीति

नयी दिल्ली, 18 जुलाई (भा)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज कहा कि देश में ही रक्षा उपकरणों के उत्पादन में आये जबरदस्त उछाल के दम पर, भारत तेजी से एक भरोसेमंद वैश्विक सुरक्षा साझेदार के तौर पर उभर रहा है और हिंद महासागर से लेकर हिंद-प्रशांत तक अपनी रणनीतिक मौजूदगी बढ़ा रहा है। एक कार्यक्रम में पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए सिंह ने कहा कि नयी दिल्ली ने आतंकवाद पर अपना नजरिया पूरी दुनिया के सामने साफ तौर पर रखा है और साथ ही कहा कि आतंकवाद के प्रति कतई बर्दाश्त नहीं करने का नजरिया हमारे लिए सिर्फ एक बयान नहीं, बल्कि कार्रवाई की एक नीति है। उन्होंने कहा कि हम आतंकवाद के खिलाफ सिर्फ उसकी दहलीज पर ही नहीं, बल्कि उसके घर में घुसकर भी कार्रवाई करेंगे। पूरी दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान यह देखा था। रक्षा मंत्री ने स्वदेशी रक्षा निर्माण में भारत की सफलता का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत में बने रक्षा उत्पादों का निर्यात लगभग 100 देशों को किया जा रहा है और देश के रक्षा उत्पादन का कुल मूल्य सालाना लगभग 1.78 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि आज भारत न केवल अपने लिए रक्षा उपकरण बना रहा है, बल्कि दुनिया के लिए एक भरोसेमंद सुरक्षा साझेदार भी बन रहा है। हिंद महासागर से लेकर हिंद-प्रशांत तक, भारत की भूमिका लगातार मजबूत हो रही है। रक्षा मंत्री ने कहा कि देश 2029 तक 3 लाख करोड़ रुपये के रक्षा उत्पादन के लक्ष्य को हासिल करने के लिये अच्छी स्थिति में है। उन्होंने कहा कि अगर कोई देश हथियारों, गोला-बारूद, नौवहन प्रणाली, मिसाइलों, रडार और ड्रोन के लिए दूसरे देशों पर निर्भर शेष पृष्ठ आठ पर

शांति प्रयासों को पटरी से उतारना चाहते हैं निहित स्वार्थ वाले तत्व : खेमचंद

इंफाल, 18 जुलाई (भा)। मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह ने आज आरोप लगाया कि कुछ निहित स्वार्थ वाले तत्व जातीय हिंसा प्रभावित राज्य में शांति बहाल करने के सरकार के प्रयासों को पटरी से उतारने की कोशिश कर रहे हैं। थौबल जिले के लिलोंग विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मंडल स्तरीय राजनीतिक कार्यकर्ताओं के एक दिवसीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद उनकी पहली प्राथमिकता लगभग तीन वर्षों से जातीय संघर्ष झेल रहे मणिपुर के लोगों को फिर से एकजुट करना रही है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने असम की सीमा से लगे जिरीबाम जिले का दो बार दौरा किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस दौरान उन्होंने विभिन्न राहत शिविरों में रह रहे आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों (आईडीपी) से मुलाकात की और मेइती तथा हमार समुदाय के हिंसा पीड़ित परिवारों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि सड़क मार्ग से किये गये अपने दूसरे दौरे के दौरान उनकी मुलाकात कुकी, हमार, पाइते, मइती, मेइती मुस्लिम और रोंगमेई नगा समुदायों के लोगों से हुई। उन्होंने कहा कि जिले में अब ये सभी समुदाय शांतिपूर्वक साथ रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि बिष्णुपुर जिले के त्रोंगलाओबी में हाल में हुए बम विस्फोट के बाद शांति प्रक्रिया को झटका लगा, जिसमें दो बच्चों की मौत हो गयी थी। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि कुछ निहित स्वार्थी तत्व राज्य में शेष पृष्ठ आठ पर

ईरान ने तोड़ा अमेरिका के साथ संघर्षविराम समझौता, हमले जारी

दुबई, 18 जुलाई (एपी)। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर संघर्ष तेज होने के बीच अमेरिका और ईरान ने शनिवार को एक-दूसरे के बुनियादी ढांचे और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर हमले किये। वहीं एक ईरानी वार्ताकार ने कहा कि तेहरान ने अमेरिका के साथ हुए अंतरिम समझौते के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं को निलंबित कर दिया है, जिससे दोनों देशों के बीच जारी युद्ध के बीच बची-खुची नाजुक कूटनीतिक उम्मीदों को भी झटका लगा है। युद्ध समाप्त होने के फिलहाल कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं। यह संघर्ष अब तेजी से होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण को लेकर केंद्रित होता जा रहा है। यह रणनीतिक जलमार्ग कभी दुनिया के लगभग पांचवें हिस्से के कच्चे तेल के परिवहन का शेष पृष्ठ आठ पर

रूस के ड्रोन हमले में यूक्रेन में सात की मौत

मॉस्को, 18 जुलाई (एपी)। रूस में रात में यूक्रेन के ड्रोन हमलों में सात लोगों की मौत हो गयी और 51 अन्य घायल हो गये। रूसी अधिकारियों ने आज यह जानकारी दी। यूक्रेन की सेना रूस के भीतर ऊर्जा अवसंरचना और सैन्य ठिकानों पर लगातार हवाई हमले कर रही है। इन हमलों का उद्देश्य मॉस्को के युद्ध प्रयासों को कमजोर करना और रूस के लोगों को यूक्रेन पर क्रेमलिन के व्यापक आक्रमण के परिणामों का एहसास कराना है। यह युद्ध अब अपने पांचवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। रूसी अधिकारियों के अनुसार यूक्रेनी ड्रोन ने रात में रूस की प्रमुख ऑनलाइन रिटेल कंपनी वाइल्डबेरीज के दो बड़े गोदामों को निशाना बनाया। इनमें से एक यूक्रेन की सीमा से लगभग 360 किलोमीटर दूर तांबोव क्षेत्र के कोतोव्स्क कस्बे में और दूसरा मॉस्को से लगभग 50 किलोमीटर पूर्व स्थित इलेक्ट्रोस्टाल शहर में है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने आज टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा कि यूक्रेन के लंबी दूरी तक मार करने वाले हमलों में मॉस्को और तांबोव क्षेत्रों शेष पृष्ठ आठ पर

ईरान ने फिर किया कुवैत पर हमला

दुबई, 18 जुलाई (एपी)। कुवैत के जल एवं बिजली मंत्रालय ने आज बताया कि ईरान ने देश के एक जल विलवणीकरण और बिजली उत्पादन संयंत्र पर हमला किया, जिससे वहां आग लग गयी। पिछले दो दिनों में यह दूसरी बार है, जब ईरान ने खाड़ी देश कुवैत के जल विलवणीकरण से जुड़े बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया है। कुवैती अधिकारियों के अनुसार कल भी ईरान ने एक अन्य बिजली और जल विलवणीकरण संयंत्र पर हमला किया था, जिससे आग लग गयी और संयंत्र को नुकसान पहुंचा। सुरक्षा के मद्देनजर अधिकारियों शेष पृष्ठ आठ पर

ऑस्ट्रेलिया में पिच ब्लैक अभ्यास का हिस्सा बनेंगे वायुसेना के राफेल

नयी दिल्ली, 18 जुलाई (भा)। भारतीय वायु सेना के कई राफेल विमान ऑस्ट्रेलिया द्वारा 20 जुलाई से सात अगस्त तक आयोजित किये जाने वाले बड़े अंतर्राष्ट्रीय हवाई अभ्यास पिच ब्लैक का हिस्सा होंगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। वायुसेना ने कल कहा कि इस अभ्यास से अभियानगत तालमेल बेहतर होगा और बेहतरीन तौर-तरीकों के आदान-प्रदान में मदद मिलेगी। रॉयल ऑस्ट्रेलियन एयर फोर्स (आरएएएफ) की वेबसाइट के अनुसार पिच ब्लैक आरएएएफ का सबसे बड़ा अंतर्राष्ट्रीय अभ्यास है। यह तीन हफ्ते तक डार्विन में दुनिया के सबसे बड़े सैन्य प्रशिक्षण इलाकों में से एक में होता है और इसमें लड़ाई जैसे मुश्किल हालात शामिल होते हैं। इसमें कहा गया कि इस अभ्यास के साथ-साथ उत्तरी क्षेत्र के लोगों को एक बार फिर इसमें शामिल विमानों को हवा और जमीन पर देखने का मौका मिलेगा। साथ ही उन्हें ब्रुनेई, कनाडा, फिजी, फिनलैंड, फ्रांस, भारत, इंडोनेशिया, जापान, मलेशिया, न्यूजीलैंड, पापुआ न्यू गिनी, शेष पृष्ठ आठ पर

72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में आर्टिकल 370 बनी सर्वश्रेष्ठ फिल्म

जुईफुल सर्वश्रेष्ठ असमिया फिल्म

नयी दिल्ली, 18 जुलाई (एजें)। वर्ष 2024 के 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा कर दी गयी है। इस बार आर्टिकल 370 ने सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार जीतकर सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल की। फिल्म का निर्देशन आदित्य सुहास जंभाले ने किया है। अभिनय श्रेणी में कार्तिक आर्यन (चंदू चैंपियन) और ममूटी (ब्रमायुगम) को संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ अभिनेता चुना गया, जबकि यामी गौतम को आर्टिकल 370 में दमदार अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। निर्देशन श्रेणी में राजकुमार पेरियासामी को फिल्म अमरन के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का सम्मान मिला। वहीं रणदीप हुड्डा ने अपनी पहली निर्देशित फिल्म स्वातंत्र्य वीर सावरकर के लिए सर्वश्रेष्ठ नवोदित निर्देशक का पुरस्कार जीता। लोकप्रिय मनोरंजन श्रेणी में कल्कि 2898 एडी को सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म का पुरस्कार मिला। पुष्पा: द रूल पार्ट-2 को सर्वश्रेष्ठ मौलिक पटकथा और वेशभूषा डिज़ाइन, भूल भुलैया 3 को सर्वश्रेष्ठ साउंड डिज़ाइन, स्त्री 2 को सर्वश्रेष्ठ कोरियोग्राफी तथा महाराजा को सर्वश्रेष्ठ एक्शन निर्देशन का पुरस्कार मिला। सहायक शेष पृष्ठ आठ पर

वांगचुक अस्पताल में भूख हड़ताल पर दीपके

नयी दिल्ली, 18 जुलाई (एजें)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर 21 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक को आज सुबह पुलिस उठाकर सफदरजंग अस्पताल ले गयी। अस्पताल प्रशासन ने बुलेटिन जारी करके बताया कि वांगचुक को डिहाइड्रेशन हुआ है, लेकिन उन्होंने दवा लेने से इनकार कर दिया है। रिपोर्ट में बताया गया कि वांगचुक के शरीर पोटैशियम का लेवल घट गया है। यूरिन कीटोन बढ़कर 3+ हो गया। हालांकि वांगचुक के डॉक्टर नितिन दीघे ने कहा कि अस्पताल में गृह मंत्रालय का अधिकारी मौजूद होने के कारण हमारी टीम को वांगचुक से मिलने नहीं दिया गया। वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंग्मो का भी दावा है कि सोनम का पोटैशियम लेवल कम है। इसकी दवा जंतर-मंतर पर भी दी जा सकती थी, अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत नहीं थी। वांगचुक पेपर लीक मामले की जांच और शिक्षा शेष पृष्ठ आठ पर

गुफ्त-गू

कल से संसद का मानसूत्र, हंगामेदार होने के आसार

नयी दिल्ली, 18 जुलाई (भा)। संसद में सोमवार से शुरू होने जा रहे मानसून सत्र के हंगामेदार होने के आसार हैं, क्योंकि जहां एक ओर सरकार पूर्व सत्र में पारित न हो पाये परिसीमन संबंधित संविधान संशोधन विधेयक सहित कई महत्वपूर्ण विधेयक लाने की तैयारी कर रही है, वहीं विपक्ष परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक समेत विभिन्न मुद्दों पर सरकार को घेरने की रणनीति बना रहा है। परिसीमन संबंधित संविधान संशोधन विधेयक को हालांकि अभी तक विधायी एजेंडे में शामिल नहीं किया गया है। कुछ विपक्षी दलों में टूट के कारण बने नये राजनीतिक समीकरणों के बीच संसद का नया सत्र शुरू होने जा रहा है। यह सत्र कई बड़े और विवादित मुद्दों के साये में शुरू होगा। इन मुद्दों में सोमवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का संसद तक प्रस्तावित मार्च और अयोध्या में राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी को लेकर जारी विवाद शामिल है। इन दोनों मुद्दों का इस्तेमाल विपक्ष ने सरकार पर निशाना साधने के लिए किया है। सूत्रों के अनुसार सरकार के भी आक्रामक रुख अपनाने की संभावना है और मानसून सत्र के दौरान उसकी प्राथमिकता विधेयकों को पारित कराने की होगी। संसद भवन से लगभग दो से तीन किलोमीटर की दूरी पर जंतर-मंतर पर धरना दे रही सीजेपी ने शनिवार को अपना विरोध प्रदर्शन तेज कर दिया। प्रदर्शनकारी कथित नीट प्रश्नपत्र लीक को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। परिसीमन और महिला आरक्षण के मुद्दे पर टकराव की स्थिति इस सप्ताह तब बन गयी, जब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सर्वदलीय बैठक बुलाने के लिए पत्र लिखा। भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के रणनीतिकार महिला आरक्षण और निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन को लागू करने के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत हासिल करने के प्रयास में सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। वहीं, मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस इसके लिए एक आक्रामक रणनीति बनाने की योजना बना रही है। सूत्रों के अनुसार कांग्रेस को हालांकि भरोसा है कि इंडिया गठबंधन के दल इस विधेयक का विरोध जारी रखेंगे, लेकिन राकांपा (शप) और शिवसेना (उबाठा) समेत कई विपक्षी दल पहले ही संकेत दे चुके हैं कि यदि मसौदा कानून में राज्यों के लिए पर्याप्त सुरक्षा प्रावधान किये जाते हैं, तो वे सरकार के इस कदम के लिए तैयार हो सकते हैं। अप्रैल में हुए विशेष सत्र में खारिज हुए 131वें संविधान शेष पृष्ठ आठ पर

वांगचुक के अनशन को आसू का साथ

गुवाहाटी, 18 जुलाई (ख.सं.)। प्रख्यात शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के अहिंसक और लोकतांत्रिक आंदोलन को समर्थन देने के लिए अखिल असम छात्र संघ (आसू) कल पूरे असम में मोमबत्ती प्रज्ज्वलन कार्यक्रम आयोजित करेगी। संगठन के अध्यक्ष उत्पल शर्मा और महासचिव समीरन फुकन ने संयुक्त रूप से यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक जिला छात्र संघ के नेतृत्व में सभी जिला मुख्यालयों के सार्वजनिक स्थानों पर मोमबत्तियां जलाकर यह कार्यक्रम संपन्न किया जाएगा। संगठन ने कहा कि वैचारिक और शेष पृष्ठ आठ पर

पेज : 6 सोनम वांगचुक का आंदोलन कितना जायज

पेज : 8 एक ही परिवार के पांच सदस्य घर में मिले मृत

पेज : 9 आदित्य धर बनाएंगे वीर लाचित पर बड़ी फिल्म

प्रातः खबर
गुवाहाटी, रविवार, 19 जुलाई, 2026

पूर्वी कोलकाता में धमाका एक व्यक्ति हिरासत में

कोलकाता, 18 जुलाई (भा)। कोलकाता के पूर्वी बाहरी इलाके में हुए विस्फोट में एक इमारत आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गयी। पुलिस को संदेह है कि यह घटना देसी बम बनाने में इस्तेमाल होने वाले विस्फोटकों के कारण हुई। पुलिस ने बताया कि इस मामले में मुख्य संदिग्ध शमीम उर्फ सलीम को आज गिरफ्तार किया गया। वह उत्तर 24 परगना जिले के कमारहाटी इलाके का रहने वाला है और घटना के बाद से फरार था। उन्होंने बताया कि पूछताछ के लिए तीन अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया गया, जिनमें उस संपत्ति का मकान-मालिक भी शामिल है। कल शाम राजारहाट के दक्षिण नारायणपुर इलाके में हुए इस विस्फोट में कम से कम एक व्यक्ति घायल हो गया और इस घटना से इमारत के निवासियों और आसपास के लोगों में दहशत फैल गयी। शनिवार दोपहर एनआईए की एक टीम ने घटनास्थल का दौरा किया, धमाके वाली जगह का मुआयना किया और राजारहाट के घनी आबादी वाले सुपारीबागान इलाके के स्थानीय लोगों से बातचीत की। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसी ने घटना का स्वत: संज्ञान लेते हुए विस्फोट के बाद प्रारंभिक जांच की है और अपनी रिपोर्ट केंद्रीय गृह मंत्रालय को सौंपेगी, हालांकि मामले की जांच की जिम्मेदारी फिलहाल न्यू टाउन थाने के पास ही है। एक अधिकारी ने कहा कि रिपोर्ट के आधार पर गृह मंत्रालय यह फैसला करेगा कि मामले की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को सौंपी जाए या नहीं। पुलिस ने आज बताया कि पूछताछ के लिए एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है, जबकि मुख्य संदिग्ध मोहम्मद शमीम उर्फ सलीम फरार है। वह उत्तर 24 परगना जिले के कमरहटी का रहने वाला है। इससे पहले, पश्चिम बंगाल अग्निशमन सेवा, राज्य पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और बम निरोधक दस्ते के कर्मी आज प्रभावित इमारत में तलाशी और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मौके पर पहुंचे। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि हमने दो बम बरामद किये हैं, लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं है कि वे सक्रिय हैं या निष्क्रिय। निर्धारित प्रक्रिया के तहत उन्हें निष्क्रिय किया जाएगा। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल से कई देसी बमों के अवशेष और विस्फोटक बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री भी बरामद की गयी है। जिस इमारत में विस्फोट हुआ उसके मालिक जुल्फिकार अंसारी ने बताया कि सलीम नामक व्यक्ति ने हाल ही में एक स्थानीय बिचौलिए के माध्यम से उनसे इमारत में एक कमरा किराये पर लेने के लिए संपर्क किया था। इस इमारत में अन्य किरायेदार भी रहते हैं। अंसारी ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच अभी तक कोई लिखित किरायानामा नहीं हुआ था, लेकिन उन्होंने कमरे की सफाई के उद्देश्य से सलीम को वहां आने की अनुमति दी थी। अंसारी ने दावा किया कि किरायेदार को सोमवार से यहां रहने आना था। उसे स्थानीय बिचौलिए शहंशाह ने मेरे पास भेजा था, जो भाजपा से जुड़ा है। किरायानामा तैयार होने और पुलिस को उसके रहने की सूचना देने से पहले मैंने उसे मकान का पूरा कब्जा नहीं दिया। मैंने केवल कमरे की सफाई के लिए उसे वहां आने की अनुमति दी थी। इन औपचारिकताओं के पूरी होने से पहले ही विस्फोट हो गया। पुलिस ने फरार संदिग्ध के बारे में जानकारी जुटाने के लिए शहंशाह को हिरासत में लिया है। इमारत के भीतर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से पता चला कि शुक्रवार रात करीब आठ बजे एक स्थानीय युवक ने उस कमरे में सफेद रंग का जूट का बैग रखा था, जिसे किराये पर दिया जाना था। इसके कुछ ही मिनट बाद विस्फोट हो गया। युवक ने पुलिस को बताया कि यह बैग उसे सलीम नामक व्यक्ति ने दिया था। सलीम ने उसे कमरे की चाबी देते हुए कहा था कि बैग को उसके कमरे में रख दे और बताया था कि उसमें खाने-पीने का सामान है। युवक ने कहा कि मैंने बैग खोलकर नहीं देखा। मैंने उसे वहीं रख दिया, जहां उस व्यक्ति ने रखने के लिए कहा था। विस्फोट के समय मैं अपने एक दोस्त के साथ घर के बाहर बैठा था। धमाके में हम दोनों घायल हो गये। जब हम उस व्यक्ति को तलाशने गये, तो वह वहां से फरार हो चुका था।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शौर्य विजय यात्रा को दिखायी हरी झंडी

नयी दिल्ली, 18 जुलाई। कारगिल विजय दिवस 2026 के अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में नयी दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक से शौर्य विजय यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वन राइड, वन नेशन, वन सैल्यूट थीम पर आधारित यह 13 दिवसीय मोटरसाइकिल अभियान द्रास स्थित कारगिल युद्ध स्मारक तक पहुंचेगा। करीब 1,900 किलोमीटर लंबी इस यात्रा में 28 राइडर्स शामिल हैं, जिनमें सेवारत और सेवानिवृत्त सैनिकों के साथ शहीदों के परिजन भी शामिल हैं। यह यात्रा 26 जुलाई को कारगिल युद्ध स्मारक पर समाप्त होगी। अभियान के दौरान राइडर्स चंडीमंदिर, रेजांग ला और लेह युद्ध स्मारकों पर भी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे तथा वीर नारियों का सम्मान करेंगे। इस अवसर पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एनएस राजा सुब्रमणि, थल सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ, वरिष्ठ सैन्य अधिकारी, पूर्व सैनिक और एनसीसी कैडेट भी मौजूद रहे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कारगिल युद्ध के वीर जवानों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि कारगिल विजय भारत के साहस, संकल्प और मातृभूमि की रक्षा के अटूट जज्बे का प्रतीक है। उन्होंने कैप्टन विक्रम बत्रा, लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडेय, योगेंद्र सिंह यादव और संजय कुमार सहित परमवीर चक्र विजेताओं के योगदान को याद किया। जावा-येज्दी मोटरसाइकिल्स द्वारा 2021 में शुरू की गयी यह यात्रा भारतीय सैनिकों के शौर्य और बलिदान को नयी पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित की जाती है। इस वर्ष अभियान में जावा 350, जावा 42, जावा 42 एफजे, येज्दी एडवेंचर और स्क्रैम्बलर मोटरसाइकिलों का उपयोग किया जा रहा है।

पंचांग

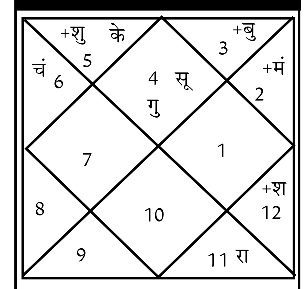

तिथि संवतः आषाढ़ शुक्ल पक्ष षष्ठी। विक्रम संवत 2083 शाके 1948, सूर्य दक्षिणायन, ऋतु वर्षा, नव सवंत्सर (रौद्र) तारीख 19 जुलाई रविवार।

सूर्योदयकालीन नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी सायंकाल 6.11 तक रहेगा तदुपरांत हस्त नक्षत्र रहेगा।

योग :- परिघ सायंकाल 7.21 तक रहेगा तदुपरांत शिव योग रहेगा।

करण :- कौलव अपराह्न 3.30 तक तदुपरांत तैतिल करण रहेगा।

ग्रह विचार : (प्रातः 4.39) सूर्य-कर्क, चंद्र-कन्या, मंगल-वृष, बुध-मिथुन, गुरु-कर्क, शुक्र-सिंह, शनि-मीन, राहु-कुंभ, केतु-सिंह राशि में स्थित है।

राहुकाल : सायंकाल 4.30 बजे से 6.00 बजे तक रहेगा।

सूर्योदय : 4.39 बजे सूर्यास्त 6.18 बजे।

ज्योतिर्विद विकास तिवाड़ी
गुवाहाटी मो.9529781915।

प्रधानमंत्री मोदी किसानों के मुद्दों को संबोधित करने में नाकाम रहे : आप

चंडीगढ़, 18 जुलाई (भा)। आम आदमी पार्टी (आप) ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आरोप लगाया कि पंजाब दौरे के दौरान वह राज्य के अहम मुद्दों का समाधान करने में नाकाम रहे और इसके बजाय राज्य सरकार पर बेबुनियाद आरोप लगाये। आप की पंजाब इकाई के मीडिया प्रभारी बलतेज पन्नू ने एक वीडियो बयान में कहा कि प्रधानमंत्री ने किसानों से जुड़े मुद्दों, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी दिये जाने और केंद्र द्वारा कथित तौर पर पंजाब के हिस्से की निधि रोके जाने के मुद्दे पर कोई जवाब नहीं दिया। पन्नू ने दावा किया कि पंजाब के लोगों को उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री किसान आंदोलन के दौरान किसानों की मौत, एमएसपी की कानूनी गारंटी दिये जाने से जुड़ी लंबित मांग और राज्य के हक की निधि को जारी करने जैसे मुद्दों पर जवाब देंगे, लेकिन वे इन मुद्दों पर चुप रहे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के डबल-इंजन सरकार वाले नारे पर निशाना साधते हुए पन्नू ने आरोप लगाया कि पंजाब पहले ही 2007 से 2017 के बीच भाजपा-शिरोमणि अकाली दल गठबंधन सरकार को देख चुका है और अब भी उसकी नीतियों का खामियाजा भुगत रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा-अकाली शासन के दौरान मादक पदार्थ की समस्या और गैंगस्टर संस्कृति में इजाफा हुआ था और पंजाब के लोग उस दौर को भूले नहीं हैं।

माकपा ने लगाया मुख्यमंत्री पर जनता को गुमराह करने का आरोप

तिरुवनंतपुरम, 18 जुलाई (भा)। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने आज आरोप लगाया कि केरल के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने यह दावा कर जनता को गुमराह किया कि टाटा समूह राज्य में 10,000 करोड़ रुपये के निवेश से एक जहाज निर्माण केंद्र स्थापित करेगा। पार्टी ने कहा कि इस तरह का बयान किसी मुख्यमंत्री को शोभा नहीं देता। माकपा ने आरोप लगाया कि सतीशन ने अब घोषणा की है कि टाटा समूह को जहाज निर्माण इकाई के लिए जमीन मुहैया कराई जाएगी, जबकि इस औद्योगिक समूह से जुड़े प्रवक्ताओं ने कथित तौर पर यह स्पष्ट कर दिया है कि ऐसी किसी परियोजना पर विचार नहीं किया जा रहा है। पार्टी के राज्य सचिवालय ने एक बयान में कहा कि पिछली वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार के कार्यकाल के दौरान, टाटा समूह की एक सहायक कंपनी और मालाबार सीमेंट्स के बीच लगभग 500 करोड़ रुपये के निवेश वाली एक प्रस्तावित नौका निर्माण इकाई के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये गये थे। बयान में यह भी कहा गया कि एलडीएफ सरकार के कार्यकाल के दौरान कोचीन शिपयार्ड में हुंदै के सहयोग से 3,700 करोड़ रुपये की जहाज निर्माण परियोजना का प्रस्ताव दिया गया था। पार्टी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री की झूठे दावे करने की आदत केरल के लिए शर्मिंदगी का कारण बन गयी है। माकपा का यह बयान केरल सरकार द्वारा दी गयी उस सफाई के एक दिन बाद आया है, जिसमें कहा गया था कि टाटा समूह द्वारा राज्य में जहाज निर्माण उद्यम स्थापित करने को लेकर सतीशन की हालिया टिप्पणी मिशन समुद्र पहल के तहत सरकार के दीर्घकालिक समुद्री विकास ष्टिकोण को दर्शाती है। बयान में स्पष्ट किया गया था कि इसका उद्देश्य यह बताना नहीं था कि कंपनी के साथ कोई विशिष्ट निवेश प्रस्ताव पहले ही अंतिम रूप ले चुका है। बुधवार को तिरुवनंतपुरम में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सतीशन ने कहा था कि टाटा समूह केरल में अपना पहला जहाज निर्माण उद्यम स्थापित करेगा और राज्य में जहाज रखरखाव सुविधाएं भी शुरू की जाएंगी।

बाहरी दिल्ली में चार अवैध आग्नेयास्त्रों के साथ गैंगस्टर गिरफ्तार

नयी दिल्ली, 18 जुलाई (भा)। दिल्ली पुलिस ने एक कथित गैंगस्टर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चार अवैध आग्नेयास्त्र और एक खंजर बरामद किया है। एक अधिकारी ने आज यह जानकारी दी। एक गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दुर्बल नाथ पार्क के पास मोनू उर्फ विनेश (35) को गिरफ्तार किया। तलाशी लेने पर उसके पास से तीन सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल, एक देसी कट्टा और एक खंजर बरामद हुआ। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पहले भी हत्या, आयुध अधिनियम और जुए के मामले दर्ज हैं। तिहाड़ जेल में बंद रहने के दौरान वह कुख्यात गोगी गैंग के सदस्यों के संपर्क में आया था और जेल से बाहर आने के बाद कथित तौर पर अपना खुद का एक नया गैंग बनाने की फिराक में था।

असम की तीन बेटियों का एनएसडी में दाखिला

गुवाहाटी, 18 जुलाई (ख.सं.)। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) दिल्ली के नये सत्र 2026-2029 के लिए असम की तीन होनहार बेटियों करिश्मा पुजारी, कौस्तभी सोनोवाल और हियास्मिता शर्मा ने बाजी मारी है, जिन्होंने 14 जुलाई 2026 को इस प्रतिष्ठित संस्थान में अपना दाखिला लिया। हर साल भारत और विदेशों से महज 33 प्रतिभावान छात्रों को ही इस नामी संस्थान में प्रवेश का मौका मिलता है, जिसमें इस बार असम की इन तीनों अभिनेत्रियों ने अपनी कला के दम पर जगह पक्की की है। इनमें से गोलाघाट जिले के देरगांव स्थित लठागांव की रहने वाली करिश्मा पुजारी, नृपेंद्र नाथ पुजारी और मंजू पुजारी की बेटी हैं। वहीं डिब्रुगढ़ जिले के नाहरकटिया के चाचनी (मठावनी) निवासी मनोज सोनोवाल और ननी सोनोवाल की बेटी कौस्तभी सोनोवाल ने भी एनएसडी में प्रवेश पाकर राज्य का नाम रोशन किया है। इनके साथ ही मूल रूप से नगांव जिले के कलियाबर के रहने वाले और वर्तमान में दिल्ली निवासी पराग शर्मा और रुदाली शर्मा की बेटी हियास्मिता शर्मा भी इस सत्र में एनएसडी में असम का प्रतिनिधित्व कर रही हैं।

खुद को डीसीपी बताकर लाखों की ठगी करने का आरोपी सहायक पुलिस उपनिरीक्षक गिरफ्तार

मुंबई, 18 जुलाई (भा)। मुंबई में खुद को पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) बताकर कई लोगों से लाखों रुपये ऐंठने के आरोप में रेलवे पुलिस के एक सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने आज यह जानकारी दी। अपराध शाखा के अधिकारी ने बताया कि आरोपी एएसआई मोहम्मद गौस इब्राहिम खतीब करीब एक दशक से डीसीपी डॉ. राज खतीब नाम से काम कर रहा था। अधिकारी ने कहा कि खुद को मुंबई पुलिस का वरिष्ठ अधिकारी बताकर वह फर्जी पहचान पत्रों का इस्तेमाल करता था, अपनी छवि मजबूत बनाने के लिए एक सहायक रखता था और संभावित पीड़ितों का भरोसा जीतने के लिए बड़े लोगों से संपर्क बनाये रखता था। वह कर्ज दिलाने, बकाया भुगतान की वसूली में मदद करने और पुलिस विभाग में नौकरी दिलाने का वादा करता था। अधिकारी ने बताया कि वह सोशल मीडिया पर भी सक्रिय रहता था और प्रमुख लोगों के साथ मुलाकात करते हुए अपने वीडियो और तस्वीरें पोस्ट करता था। एक शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि खतीब ने 1.6 करोड़ रुपये के कार लोन की व्यवस्था करने के लिए उससे 10 लाख रुपये प्रोसेसिंग फीस के रूप में लिए थे। अधिकारी ने कहा कि जब कर्ज नहीं मिला, तो शिकायतकर्ता मुंबई पुलिस मुख्यालय पहुंचा।

केरल हाईकोर्ट ने 14 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता को 28 सप्ताह का गर्भ समाप्त कराने की दी अनुमति

कोच्चि, 18 जुलाई (भा)। केरल उच्च न्यायालय ने 14 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता की मदद करते हुए उसे 28 सप्ताह के गर्भ को चिकित्सकीय रूप से समाप्त कराने की अनुमति दे दी है। न्यायमूर्ति हरिशंकर वी मेनन ने कहा कि हालांकि मेडिकल बोर्ड ने अपनी राय में बताया था कि यदि गर्भ की अवधि लगभग 34 सप्ताह के करीब होती है तो भ्रूण से जुड़ी जटिलताओं की संभावना कम हो सकती है, लेकिन दुष्कर्म पीड़िता के मामले में गर्भावस्था से होने वाली मानसिक पीड़ा और आघात को भी ध्यान में रखना जरूरी है। मेडिकल बोर्ड ने अदालत को बताया था कि गर्भ की अवधि लगभग 28 सप्ताह होने के कारण बच्चे का अनुमानित वजन करीब 1 किलोग्राम हो सकता है और उसके जीवित रहने की संभावना लगभग 80 प्रतिशत है। बोर्ड ने यह भी कहा था कि प्रसव के बाद बच्चे को समय से पहले जन्म से जुड़ी कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, जिनमें आंखों की बीमारी, आंतों से जुड़ी गंभीर समस्या, मस्तिष्क में रक्तस्राव, सांस लेने में परेशानी जैसी जटिलताएं शामिल हैं। मेडिकल बोर्ड ने कहा था कि ये समस्याएं तब कम होती हैं, जब गर्भ की अवधि करीब 34 सप्ताह हो जाती है। बोर्ड ने रक्त संबंध (एक ही गोत्र का होने) के कारण कुछ अतिरिक्त जटिलताओं की आशंका भी जतायी थी। हालांकि, उच्च न्यायालय ने कहा कि पीड़िता की उम्र 14 वर्ष है और वह इस गर्भावस्था को जारी नहीं रखना चाहती है, इसलिए गर्भ समाप्त करने की याचिका को मंजूरी दी जानी चाहिए। अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि पीड़िता और उसके पिता द्वारा प्रक्रिया के लिए सहमति का लिखित आश्वासन दिये जाने के बाद तुरंत गर्भ समाप्त करने की व्यवस्था की जाए। अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि यदि चिकित्सकीय प्रक्रिया के बाद बच्चा जीवित रहता है, तो राज्य सरकार उसे आवश्यक नवजात शिशु देखभाल उपलब्ध कराए। यदि पीड़िता बच्चे को अपने साथ नहीं रखना चाहती है, तो उसे किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार किसी बाल देखभाल संस्था या मान्यता प्राप्त गोद लेने वाली एजेंसी को सौंपा जा सकता है। अदालत ने कहा कि यदि प्रक्रिया के दौरान शिशु की मृत्यु हो जाती है, तो सरकार यह सुनिश्चित करे कि भ्रूण के ऊतक और रक्त के नमूने सुरक्षित रखे जाएं, ताकि आवश्यक चिकित्सकीय जांच, जिसमें डीएनए फिंगरप्रिंटिंग और मैपिंग शामिल है, की जा सके क्योंकि यौन उत्पीड़न के संबंध में प्राथमिकी दर्ज है। ये निर्देश पीड़िता के पिता द्वारा दायर याचिका पर जारी किये गये।

नीट-2026 में अजमल सुपर 40 का ऐतिहासिक प्रदर्शन

गुवाहाटी, 18 जुलाई (ख.सं.)। नीट-2026 की परीक्षा में अजमल फाउंडेशन के तहत संचालित अजमल सुपर 40 ने एक बार फिर अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। इस बार 750 से अधिक छात्रों ने नीट परीक्षा उत्तीर्ण कर राज्य और पूरे पूर्वोत्तर का नाम रोशन किया है। इस वर्ष के परिणामों में गोलाघाट के अभिरुहन प्रियम ने 720 में से 660 अंक हासिल कर अजमल सुपर 40 में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। विशेष बात यह है कि अभिरुहन ने अजमल सुपर 40 में पूरी तरह से मुफ्त शिक्षा प्राप्त की थी। उनके अलावा आर्यन हुसैन ने 657, मुजतबा ए मामून ने 653, जावेद अख्तर ने 652, सुजेन कुमार रॉय ने 637, साहिल तनवीर ने 636, आरिफ हुसैन ने 628 और जैनुर अली ने 626 अंक पाकर शानदार प्रदर्शन किया है। नतीजों की घोषणा के तुरंत बाद आज होजाई के बरपुखुरी स्थित नाजिर अजमल कॉलेज ऑफ एजुकेशन के परिसर में सफल छात्रों को पारंपरिक फूलाम गामोछा, जापी और शराई देकर सम्मानित किया गया। इस समारोह में अभिभावकों, शिक्षकों और अजमल फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने केक काटकर इस बड़ी कामयाबी का जश्न मनाया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उलीउल्लाह अजमल उपस्थित रहे। गौरतलब है कि गरीब और होनहार छात्रों के डॉक्टर और इंजीनियर बनने के सपने को साकार करने के उद्देश्य से अजमल फाउंडेशन अपने अजमल सुपर 40 कार्यक्रम के जरिये पूरी तरह से मुफ्त कोचिंग, आवास, भोजन और अन्य जरूरी सुविधाएं प्रदान करता आ रहा है। इस ऐतिहासिक सफलता पर अजमल ग्रुप ऑफ कंपनीज के प्रमुख अमीर उद्दीन अजमल, अजमल फाउंडेशन के ट्रस्टी मौलाना बदरुद्दीन अजमल और मुख्य ट्रस्टी सिराजुद्दीन अजमल सहित पूरे अजमल परिवार ने सफल छात्रों, शिक्षकों और अजमल सुपर 40 से जुड़े सभी लोगों को हार्दिक बधाई दी है। अजमल फाउंडेशन के निदेशक डॉ. खसरुल इस्लाम ने इस सफलता का श्रेय शिक्षकों के समर्पण और छात्रों की कड़ी मेहनत को दिया और उम्मीद जतायी कि भविष्य में भी उत्कृष्टता का यह सिलसिला जारी रहेगा। वहीं, अजमल सुपर 40 के प्रोजेक्ट हेड अब्दुल कादिर ने कहा कि वे आने वाले समय में भी इस सफलता की लय को बनाये रखने के लिए पूरी निष्ठा के साथ काम करते रहेंगे।

वेनेजुएला में भूकंप के कारण मारे गये लोगों की संख्या 5,000 के पार पहुंची

कराकस, 18 जुलाई (एपी)। वेनेजुएला में पिछले महीने आये दो जोरदार भूकंपों में मारे गये लोगों की संख्या बढ़कर 5,069 हो गयी है। स्थानीय अधिकारियों ने कल देर रात यह जानकारी दी। वेनेजुएला की राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज की अंतरिम सरकार ने एक बयान में बताया कि घायलों की संख्या पिछले 11 दिन से 16,740 पर बनी हुई है। बचाव एवं राहत कार्यों के दौरान और शव मिलने से मृतकों की संख्या बढ़ी है। अधिकारियों ने बताया कि मृतक संख्या बढ़कर 5,069 हो गयी है। कैरेबियाई सागर के पास स्थित तटीय राज्य ला गुआइरा में सबसे अधिक नुकसान हुआ है। कल तक भूकंप के बाद 1,331 झटके दर्ज किये जा चुके थे।

मांडविया ने किया बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के गीत व शुभंकर का अनावरण

नयी दिल्ली, 18 जुलाई (ख.सं.)। खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने अगले महीने इंदिरा गांधी स्टेडियम पर होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के आधिकारिक शुभंकर पीको का आज अनावरण किया। इस मौके पर भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) के अध्यक्ष और असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्व शर्मा भी मौजूद थे। मांडविया ने 17 से 23 अगस्त तक होने वाली विश्व चैंपियनशिप का गीत भी लांच किया। इस गीत में भारत की पूरी 16 सदस्यीय टीम नजर आएगी, जिसमें दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू, लक्ष्य सेन, सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी शामिल हैं। मांडविया ने इस मौके पर कहा कि भारत में खेल संस्कृति का विकास हो रहा है और भारत खेलों का देश बनने की ओर अग्रसर है। हमारा लक्ष्य स्पष्ट है और रोडमैप भी तैयार है। हम 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी कर रहे हैं और 2036 ओलंपिक की मेजबानी के इच्छुक हैं। उन्होंने कहा कि इसके पहले देश को खेलों के बेहतरीन मेजबान के तौर पर स्थापित करने के लिए यहां बड़े अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित किये जा रहे हैं। पिछले दो साल में भारत में 36 अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित हुए और इस साल की अगली छमाही में हम नौ अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों की मेजबानी करने जा रहे हैं। मांडविया ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों की मेजबानी से हमारे खिलाड़ियों को अपने देश में खेलने का मौका तो मिलता ही है, साथ ही विश्व स्तरीय आयोजनों के मेजबान के तौर पर भारत की क्षमता का भी दुनिया को पता चलता है। भारत में 17 साल बाद हो रही बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप इस दिशा में बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य भारत को 2036 में दुनिया के दस खेल देशों और 2047 में आजादी की सौवीं वर्षगांठ पर शीर्ष पांच खेल देशों में शामिल करना है। सरकार की ओर से पूरी तैयारी है और रोडमैप के हिसाब से काम चल रहा है। भारत के राष्ट्रीय पक्षी मोर से प्रेरित पीको की स्कर्ट शटलकॉक के जैसी बनायी गयी है। विश्व चैंपियनशिप के 30वें संस्करण में 50 से अधिक देशों के 400 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे। भारत की चुनौती की अगुवाई पांच बार की विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता सिंधू करेंगी, जो छठी बार पोडियम पर रहने पर चैंपियनशिप की सबसे कामयाब खिलाड़ी बन सकती है। विश्व चैंपियनशिप के पूर्व पदक विजेता लक्ष्य सेन और पुरूष युगल सात्विक साइराज और चिराग भारत की चुनौती की अगुवाई करेंगे। टीम में आयुष शेट्टी, उन्नति हुड्डा, गायत्री गोपीचंद और त्रिसा जॉली जैसे प्रतिभाशाली युवा भी हैं। शर्मा ने कहा कि 17 साल बाद भारत में बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप की वापसी भारतीय बैडमिंटन के लिये बड़ा कदम है। हमारे पास विश्व स्तरीय चैंपियनशिप की मेजबानी के साथ भारत के बैडमिंटन के सुनहरे सफर का जश्न मनाने और नयी पीढ़ी को खेल से जोड़ने का भी मौका है। उन्होंने कहा कि पीको और आधिकारिक गीत इस सफर का पहला कदम है और मुझे यकीन है कि हमारे देश में बैडमिंटन पर यह चैंपियनशिप अमिट छाप छोड़ेगी। भारतीय खेल प्राधिकरण के महानिदेशक हरि रंजन राव, भारत के मुख्य बैडमिंटन कोच पुलेला गोपीचंद और बैडमिंटन जगत के आला अधिकारी इस मौके पर मौजूद थे।

बाहरी दिल्ली में चोरी के 76 वाहन बरामद, 11 वाहन चोर पकड़े गये

नयी दिल्ली, 18 जुलाई (भा)। दिल्ली पुलिस ने बाहरी जिले में वाहन चोरी के खिलाफ 72 घंटे का एक विशेष अभियान चलाकर चोरी के 76 वाहन बरामद किये हैं। इस मामले में तीन किशोरों सहित 11 कथित वाहन चोरों को पकड़ा है। एक अधिकारी ने आज यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि जिले भर में ऑपरेशन चक्र के तहत संगठित वाहन चोर गिरोहों पर नकेल कसने के लिए यह गोपनीय जानकारी पर आधारित एक अभियान चलाया गया। इसके तहत आपसी तालमेल के साथ छापे मारे गये, तकनीकी निगरानी की मदद ली गयी, लावारिस छोड़े गये वाहनों की जांच की गयी, पार्किंग क्षेत्रों की तलाशी ली गयी और पुलिस गश्त को और तेज किया गया। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, इस अभियान के माध्यम से वाहन चोरी के 76 मामलों को सुलझाया गया है, जिसमें 75 दोपहिया वाहन और एक चारपहिया वाहन बरामद हुआ है। पुलिस के मुताबिक, बरामद किये गये वाहनों में से 23 वाहन पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से जब्त किये हैं, जबकि 42 चोरी के वाहन आवासीय कॉलोनियों और सोसायटियों में लावारिस हालत में मिले। पुलिस ने बताया कि 11 अन्य चोरी के वाहन पार्किंग क्षेत्रों से बरामद किये गये हैं। पुलिस ने बताया कि पकड़े गये आरोपियों की पहचान रोहित, करण, सनप्रीत सिंह, जपजेस्त सिंह उर्फ जपी, शिवा उर्फ सिब्बू, अभिषेक, नईम और जीशान के रूप में हुई है, जबकि इनके साथ तीन किशोर भी शामिल हैं।

स्वत्वाधिकारी प्रातः खबर मीडिया प्राइवेट लिमिटेड, खबर बिल्डिंग, दूसरा तल्ला, साइकिल फैक्ट्री, कालापहाड़, गुवाहाटी- 781016 के लिए **श्याम सुंदर लाटा** द्वारा प्रकाशित तथा उनके लिए पीजी इंडिया लिमिटेड, मिनी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 (असम) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
E-mail : pratahkhabar5@gmail.com, pratah_khabar@yahoo.com, **दूरभाष+फैक्स :** 0361-2492131, **मो. :** 091270-70355, **जोरहाट कार्यालय :** 0376-2370042, **फैक्स :** 0376-2370043, **E-mail :** pkhabarjrt@gmail.com
एडिटर इन चीफ : चंद्रप्रकाश शर्मा
**प्रकाशन से उत्पन्न सभी विवाद गुवाहाटी न्यायालय के अधीन।*
संपादक : परमेश्वर सिंह

नमस्कार गुवाहाटी

मंगलवाणी

जिसका मन अपने वश में है, उसके लिए सब कुछ संभव है।

- श्री कृष्ण

प्रातः खबर

रविवार, 19 जुलाई, 2026

मौसम

अधिकतम 36

न्यूनतम 27

Ph. : 2548109, 2730431

L. GOPAL JEWELLERS

9-11-14, Kuber A.C. Market Guwahati - 781001

शुद्ध चांदी के बर्तनों एवं शुद्ध चांदी की सिल्ली व चांदी के सिक्कों का एकमात्र विश्वसनीय प्रतिष्ठान

22/22 KDM Gold Jewellery, Hallmark Gold Jewellery Branded Diamond Jewellery.

0361-2601385, 9678211156

D. M. Jeweller's

(As You Like We are)

7/8 (L) Akram's Business Fancy Bazar, Guwahati-1

शुद्ध सील चांदी के बर्तन एवं असली सिक्कों का प्रतिष्ठित स्थान

We also deal in 22/22 KDM hallmark Jewelleries

प्रतिमा बरुवा पांडे कला-कृष्टि प्रतिष्ठान का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मिला

गुवाहाटी, 18 जुलाई (ख.सं.)। महानगर की जानी-मानी सामाजिक और सांस्कृतिक संस्था प्रतिमा बरुआ पांडे कला-कृष्टि प्रतिष्ठान के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से शिष्टाचार मुलाकात की। संस्था के अध्यक्ष अजीत बर्मन और महासचिव अजीत ठाकुरिया के नेतृत्व में पहुंचे छह सदस्यीय इस दल ने मुख्यमंत्री को असमिया संस्कृति के प्रतीक फुलाम गामोछा और जापी भेंट कर उनका अभिनंदन किया। मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री के सामने संस्था से जुड़ी कुछ बेहद महत्वपूर्ण मांगें और समस्याएं रखीं। दल ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि प्रतिष्ठान द्वारा वर्तमान में उपयोग किये जा रहे कार्यालय की भूमि का स्थायी रूप से आवंटन किया जाए और वहां एक अत्याधुनिक कार्यालय भवन का निर्माण कराया जाए। इसके साथ ही संस्था ने कार्यालय से सटे खेल के मैदान को भी प्रतिष्ठान के नाम आवंटित करने की मांग की। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि यह मैदान स्थानीय गतिविधियों का एक प्रमुख केंद्र बन चुका है, जहां संस्था के नेतृत्व में स्थानीय लोगों के सहयोग से हर साल दुर्गा पूजा, बच्चों व छात्रों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम और रंगाली बिहू जैसे महत्वपूर्ण उत्सव बेहद धूमधाम से मनाये जाते हैं। मुख्यमंत्री ने संस्था की इन सभी मांगों और समस्याओं को बेहद गंभीरता से सुना और उनके उचित समाधान का पूरा आश्वासन दिया मुख्यमंत्री के इस बेहद सकारात्मक और सहयोगात्मक रुख पर प्रतिमा बरुआ पांडे कला-कृष्टि प्रतिष्ठान के प्रतिनिधिमंडल ने उनके प्रति आभार व्यक्त करते हुए इस कदम का दिल से स्वागत किया है।

आरएसएस कभी सूर्यास्त नहीं देखता यह हमेशा सूर्योदय के साथ है : सिन्हा

गुवाहाटी, 18 जुलाई (ख.सं.)। महानगर के पल्टन बाजार स्थित केशव धाम के शंकरदेव सभागार में पूर्वोत्तर भारत अध्ययन समूह की पहल पर और वैचारिक प्रबोधन कार्यशाला के सिलसिले में एक व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य विषय *परम पूजनीय डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार, संघ कार्य की सदी व्यापी प्रेरणा* था। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राज्यसभा के पूर्व सांसद, प्रखर विचारक और आरएसएस पुस्तकें अंडरस्टेंडिग व डॉ. केबी हेडगेवार के लेखक प्रोफेसर राकेश सिन्हा उपस्थित रहे। उत्तर असम प्रांत के प्रचार प्रमुख किशोर शिवम द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में सिन्हा ने डॉ. हेडगेवार के जीवन और कार्यों के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर गहराई से प्रकाश डाला। उन्होंने रेखांकित किया कि कैसे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संस्थापक डॉ. हेडगेवार की अनूठी सांगठनिक शैली ने पिछले दशकों में संघ को सामाजिक परिदृश्य में एक अद्वितीय और प्रासंगिक रूप दिया है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. हेडगेवार व्यक्तिवाद के सख्त खिलाफ थे। संघ में कभी भी दो श्रेणियों या वर्गों की मौजूदगी नहीं होती क्योंकि यह संगठन केवल और केवल व्यक्तिगत समानता पर बल देता है। उन्होंने डॉ. हेडगेवार को एक व्यावहारिक व्यक्ति बताते हुए कहा कि उनका हर सांगठनिक प्रयोग पूरी तरह से मानव कल्याण के लिए समर्पित था। समाज की स्थिति पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि जब तक हिंदू समाज की मनोवैज्ञानिक धारणा में बदलाव नहीं आएगा और जब तक समाज जाति, भाषा व गुटों में बंटा रहेगा, तब तक एक शक्तिशाली और सुसंगठित समाज का निर्माण संभव नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जाति या भाषाई विभाजन के जरिये समाज का एकीकरण कभी नहीं हो सकता और यदि किसी अन्य धार्मिक आक्रामकता के दबाव में समाज एकजुट होने की कोशिश करता है तो ऐसी एकता कभी स्थायी नहीं हो सकती। समाज को मजबूत बनाने के लिए जाति, छुआछूत और भाषाई मतभेदों से ऊपर उठकर एकजुट होना होगा और हर नागरिक को हम सब भारत माता की संतान हैं के मूल विचार के साथ आगे बढ़ना होगा। अपने व्याख्यान के दौरान सिन्हा ने एक बेहद प्रभावी बात कही कि आरएसएस कभी सूर्यास्त नहीं देखता बल्कि संघ हमेशा सूर्योदय के साथ ही विद्यमान रहता है। इसके साथ ही संघ कभी वृद्धावस्था को प्राप्त नहीं होता, यह हमेशा चिर-तरुण यानी युवा बना रहता है। उन्होंने सत्ता और संगठन के रिश्ते को स्पष्ट करते हुए एक और बड़ा बयान दिया कि शासक और संघ हमेशा अलग-अलग हैं, संघ का विचार कभी भी शासकों के निर्देश या श्रुतलेख से नहीं चलता है। सैकड़ों गणमान्य हस्तियों की उपस्थिति वाले इस गंभीर व्याख्यान कार्यक्रम के समापन पर गौहाटी विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर कल्पना बोरा ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया।

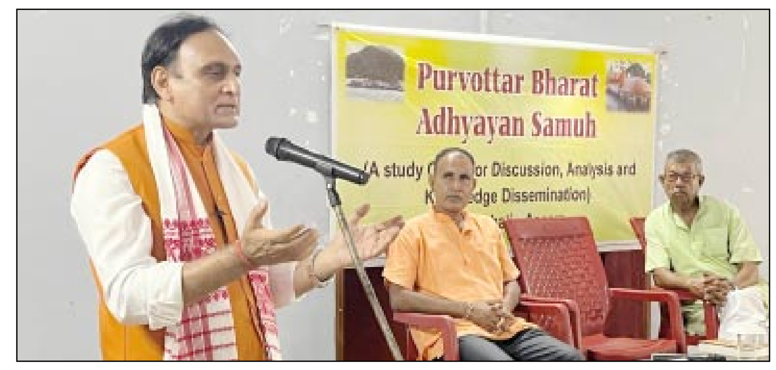

भारी मात्रा में प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त

गुवाहाटी, 18 जुलाई (ख.सं.)। महानगर को स्वच्छ, हरित और प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए प्रशासन ने एक बड़ी कार्रवाई की है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) की संयुक्त टीम ने महानगर के कई इलाकों में छापेमारी की। पर्यावरण नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए चलायी गयी इस मुहिम के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों से लगभग 1 क्विंटल प्रतिबंधित सिंगल-यूज प्लास्टिक जब्त किया गया। इसी अभियान के तहत जीएमसी ने बीती रात एक और बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया, जिसमें कुमारपाड़ा के केआरसी रोड से सिंगल-यूज प्लास्टिक के 209 बैग और जालुकबाड़ी इलाके से 88 बैग जब्त किये।

लघु कथाओं के संग्रहित पुस्तक का विमोचन

गुवाहाटी, 18 जुलाई (ख.सं.)। गुवाहाटी चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल (जीएमसीएच) के प्लास्टिक सर्जरी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. भूपेन डेका द्वारा रचित लघु कथाओं का एक नया संग्रह हुराई दिओं सरगोर तोरा आज गुवाहाटी प्रेस क्लब में विमोचित किया गया। इस विमोचन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध कहानीकार व साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता साहित्यकार देबब्रत दास और विशिष्ट लेखक, शिक्षाविद तथा कॉटन विश्वविद्यालय के असमिया विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. महेश्वर कलिता उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में मौजूद साहित्य प्रेमियों की उपस्थिति के बीच इन गणमान्य अतिथियों ने इस पुस्तक का आधिकारिक लोकार्पण किया। जयंत शर्मा के संचालन में आयोजित इस सभा में डेका की बहुमुखी प्रतिभा की सराहना की गयी, जिनकी यह छठी पुस्तक है। इससे पहले भी उन्होंने आमार साहित्य संस्कृतित चराई-चिरिकटिर कथा जैसी बेहद ज्ञानवर्द्धक और विचारोत्तेजक पुस्तक की रचना की है।

कौशल विकास एवं स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

गुवाहाटी, 18 जुलाई (ख.सं.)। लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग ने असम सरकार के असम कौशल विकास मिशन के सहयोग से क्लब की अध्यक्ष अनीता लोहिया, सचिव अर्चना अग्रवाल और कोषाध्यक्ष रेनू अग्रवाल के नेतृत्व में सक्षम कार्यक्रम के अंतर्गत बोंदा में स्थायी परियोजना हाथ की कढ़ाई कार्यशाला का उद्घाटन किया एवं सिलाई में प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को मुख्य अतिथि सूरज बागला एवं मनोज भजनका के हाथों से प्रमाण-पत्र वितरित किया गया। इसके अलावा बोंदा के स्थानीय लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवा परियोजना के अंतर्गत नेत्र जांच व मधुमेह जांच शिविर भी लगाया गया। इस अवसर पर पायल चड्ढा, सीमा सोनी, नीलम जालान, मधु बंका, स्वाति सुराणा, रीना गंगवाल के अलावा अन्य सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम संयोजिका कीर्ति अग्रवाल ने किया ।

बेटे ने मां-बाप को धारदार हथियार से किया घायल

गुवाहाटी, 18 जुलाई (ख.सं.)। महानगर के मालीगांव स्थित आदिंगिरी हिल्स इलाके में एक युवक द्वारा अपने माता-पिता पर कथित रूप से धारदार हथियार से हमला किये जाने का मामला सामने आया है। घटना में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गये। जानकारी के अनुसार युवक ने अपने घर में पिता और मां पर हमला किया। शोर सुनकर आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे और दोनों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। घायलों की पहचान जगदीश सिंह और उषा सिंह के रूप में हुई है। दोनों का मालीगांव स्थित संजीवनी अस्पताल में इलाज चल रहा है। उनकी हालत गंभीर बतायी जा रही है। आरोपी की पहचान शुभम सिंह के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों का दावा है कि वह नशे का आदी है। हालांकि पुलिस ने अब तक इस संबंध में आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। घटना की सूचना मिलते ही जालुकबाड़ी पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हमले के कारणों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

सड़क हादसे में अभिनेत्री चेतना दास के नाती की मौत

गुवाहाटी, 18 जुलाई (ख.सं.)। असम की वरिष्ठ अभिनेत्री चेतना दास के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उनके 19 वर्षीय नाती देवनारायण नाथ की महानगर में एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गयी। यह दर्दनाक हादसा कल रात गुवाहाटी क्लब के निकट स्थित फ्लाईओवर पर हुआ, जहां दुर्घटना में देवनारायण नाथ की जान चली गयी। अचानक हुई मौत से परिवार के साथ-साथ असम के सांस्कृतिक और रंगमंच जगत में शोक की लहर दौड़ गयी है। देवनारायण नाथ, चेतना दास की बड़ी बेटी अनिंदिता दास के इकलौते पुत्र थे। वह प्रतिष्ठित रंगमंच संस्था सीगल से सक्रिय रूप से जुड़े हुए थे और उसके विभिन्न नाट्य प्रस्तुतियों में नियमित रूप से अभिनय करते थे। उनकी असामयिक मृत्यु से रंगकर्मियों और कला प्रेमियों ने एक उभरते हुए युवा कलाकार को खो दिया है। उनके निधन पर असम के रंगमंच और सांस्कृतिक जगत से जुड़े अनेक कलाकारों, सहयोगियों और शुभचिंतकों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। सभी ने इसे कला जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। देवनारायण नाथ का अंतिम संस्कार आज दोपहर लगभग 3 बजे नवग्रह श्मशान घाट में किया गया, जहां परिवार, मित्रों और बड़ी संख्या में रंगकर्मियों ने उन्हें अंतिम विदाई दी।

वशिष्ठ से चोरी की वारदात में शामिल तीन गिरफ्तार

गुवाहाटी, 18 जुलाई (ख.सं.)। वशिष्ठ पुलिस ने शहर में चोरी की कई वारदातों में कथित रूप से शामिल एक गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार इनकी गिरफ्तारी वशिष्ठ इलाके में हुई दो चर्चित चोरी की घटनाओं के सिलसिले में की गयी है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने बेहारबाड़ी स्थित एजी कॉलोनी और भेटापाड़ा के बनीपथ इलाके में दो अलग-अलग मकानों के दरवाजे तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। दोनों घटनाओं में आरोपियों ने घरों से करीब 4.5 लाख रुपये नकद, एक टेलीविजन, एक लैपटॉप, एक पानी का पंप और एलपीजी सिलेंडर समेत अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया था। वशिष्ठ थाने में दर्ज शिकायतों के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने तीन आरोपियों की पहचान मनोज बरुवा, मृदुल बसुमातारी और निखिल डेका के रूप में की। पुलिस अभियान के दौरान आरोपियों के कब्जे से 75 हजार रुपये नकद, एक टेलीविजन, एक लैपटॉप, एक ई-रिक्शा तथा चोरी की वारदात में इस्तेमाल किये जाने वाले कुछ औजार बरामद किये गये।

स्मृतिर पटत सुधाकंठ-2026 का आयोजन

गुवाहाटी, 18 जुलाई (ख.सं.)। महानगर के उजान बाजार स्थित कुमार भास्कर नाट्य मंदिर में नीलाचल शैक्षिक कल्याण समिति (न्यूज) द्वारा नूमलीगढ़ रिफाइनरी के सहयोग से डॉ. भूपेन हजारिका के जन्म शताब्दी वर्ष के समापन समारोह स्मृतिर पटत सुधाकंठ-2026 का सफल आयोजन किया गया। इस मुख्य समारोह से पहले 7 से 15 जुलाई तक छात्रों के लिए नृत्य, चित्रकला और शिल्प कला के 16वें ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का संचालन भी किया गया था। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन, सामूहिक प्रार्थना और कलाकृतियों की प्रदर्शनी के उद्घाटन के साथ हुई। सांस्कृतिक कार्यकर्ता और निबंधकार गोपाल जालान ने मुख्य मंच का उद्घाटन किया, जिन्हें फूलाम गामोछा और प्रशिक्षण शिविर के छात्रों द्वारा बनायी गयी एक शिल्प कला कृति भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नीलाचल जातीय विद्यालय के शिक्षकों और शिविर के छात्र-छात्राओं ने डॉ. भूपेन हजारिका और अंबिकागिरी रायचौधरी के गीतों पर मंत्रमुग्ध करने वाले सामूहिक गीत और नृत्य प्रस्तुत किये। समारोह में असम के संगीत जगत में विशेष योगदान के लिए वरिष्ठ गायिका मृदुला दास और डॉ. मौसुमी सहरिया को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही आठवीं अखिल असम ऑनलाइन अंबिकागिरी रायचौधरी गीत प्रतियोगिता के विजेताओं, शिविर के प्रशिक्षकों और वाद्ययंत्र संगतकारों को भी पुरस्कृत व सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और असम साहित्य सभा के पूर्व अध्यक्ष सूर्य हजारिका ने डॉ. भूपेन हजारिका के जीवन पर प्रकाश डाला। अंत में शिविर के सभी प्रतिभावान छात्रों को भागीदारी प्रमाण-पत्र बांटे गये और सामूहिक रूप से असम के राज्य गीत के गान के साथ इसका समापन हुआ।

सेलिब्रेटिंग आवर लेगेसी इंस्पायरिंग द फ्यूचर थीम के साथ मना टीबीए का स्थापना दिवस

गुवाहाटी, 18 जुलाई (ख.सं.)। टैक्स बार एसोसिएशन (टीबीए) ने कल सेलिब्रेटिंग आवर लेगेसी इंस्पायरिंग द फ्यूचर थीम के साथ अपना 49वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया। इस अवसर पर एसोसिएशन के सदस्यों, वरिष्ठ सदस्यों, पूर्व अध्यक्षों तथा अन्य विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति रही। यह आयोजन कर-जगत की सेवा में एसोसिएशन के लगभग पांच दशकों के समर्पित योगदान का प्रतीक बना। एसोसिएशन के अध्यक्ष सीए पंकज खंडेलिया ने स्वागत भाषण देते हुए एसोसिएशन की 49 वर्षों की गौरवशाली यात्रा का स्मरण किया तथा संस्थापक सदस्यों, पूर्व अध्यक्षों एवं सभी सदस्यों के योगदान को श्रद्धापूर्वक नमन किया, जिनके सामूहिक प्रयासों से एसोसिएशन आज क्षेत्र के अग्रणी व्यावसायिक संगठनों में अपना विशिष्ट स्थान बना चुकी है। उन्होंने कहा कि स्वर्ण जयंती वर्ष में प्रवेश करते हुए एसोसिएशन व्यावसायिक उत्कृष्टता, नैतिक मूल्यों, सतज्ञानार्जन तथा समाज सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और अधिक सुदृढ़ बनाये रखेगी। कार्यक्रम का कुशल संचालन सीएस नारायण शर्मा ने किया। समारोह में दो प्रेरणादायी सत्र आयोजित किये गये। प्रथम सत्र में इस्कॉन, गुवाहाटी के सुदर्शन गौरचंद्र दास ने सीक्रेट ऑफ सक्सेस विषय पर सारगर्भित व्याख्यान देते हुए व्यावसायिक एवं व्यक्तिगत जीवन में मूल्यों, अनुशासन तथा आंतरिक संतुलन के महत्व पर प्रकाश डाला। द्वितीय सत्र में सीए अमित कुमार अग्रवाल ने ट्रांसफॉर्म योर प्रेशर इंटू पैशन विषय पर अपने विचार रखते हुए बताया कि किस प्रकार व्यावसायिक चुनौतियों को विकास के अवसरों में परिवर्तित किया जा सकता है तथा कार्य एवं व्यक्तिगत जीवन के बीच संतुलन स्थापित किया जा सकता है। एसोसिएशन द्वारा स्थापना दिवस का स्मृति-चिह्न भी जारी किया गया।

दो दिवसीय भारत अंतर्राष्ट्रीय नृत्य महोत्सव 2026 का शुभारंभ

गुवाहाटी, 18 जुलाई (ख.सं.)। भुवनेश्वर की संस्कृतिकी और गुवाहाटी की दर्पण डांस अकादमी के संयुक्त तत्त्वावधान में आमबाड़ी स्थित असम राज्य संग्रहालय के कनकलाल बरुवा सभागार में दो दिवसीय भारत अंतर्राष्ट्रीय नृत्य महोत्सव 2026 का शुभारंभ हुआ। यह महोत्सव 18 और 19 जुलाई को दोपहर तीन बजे से आयोजित किया जा रहा है। दर्पण डांस अकादमी की निदेशक तथा ओडिसी व सत्रीया नृत्य की प्रख्यात कलाकार डॉ. अंजनामयी सैकिया की देखरेख में आयोजित इस महोत्सव में देश के विभिन्न हिस्सों से आये कलाकारों ने एकल, युगल और सामूहिक रूप से सत्रीया, ओडिसी, भरतनाट्यम, कथक और मणिपुरी जैसे शास्त्रीय नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी, जिसने दर्शकों की खूब वाहवाही बटोरी। इस महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार विजेता कथक नृत्य कलाकार गुरु बिपुल दास उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथियों में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित व सत्रीया नृत्यांगना गुरु अनीता शर्मा, मणिपुरी नृत्य कलाकार गुरु एल करुणा देवी और संगीत नाटक अकादमी के सत्रीया केंद्र की निदेशक डॉ. प्रतिभा शर्मा शामिल हुईं। इनके अलावा कथक नृत्य कलाकार गुरु विजय श्रीवास्तव, उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार विजेता व सत्रीया नृत्यांगना डॉ. मीरानंदा बरठाकुर, भरतनाट्यम कलाकार गुरु उपासना महंत गोगोई और ओडिसी नृत्यांगना अंकिता कुलाभी सहित कई नामचीन कलाकारों ने अतिथि और फ्यूचर फेस अवार्ड 2025 के निर्णायक मंडल के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर कलाकारों के नृत्य की गुणवत्ता के आधार पर वेदिका रॉय, शांत्रीया देवी, कौशिकी वशिष्ठ, उपलक्ष्या शिवम, शुभ विभास विश्वास, रिद्धि दास, प्रीतिका नाथ, कृतिका चौधरी, मान्यता शर्मा, रूपचंदा शर्मा और प्राप्ति भट्टाचार्य जैसी होनहार प्रतिभाओं को फ्यूचर फेस अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि वरिष्ठ पत्रकार एवं नृत्य समीक्षक श्याम हरि चक्र की परिकल्पना से भुवनेश्वर में इस प्रतिष्ठित महोत्सव की शुरुआत हुई थी, जो अब नयी दिल्ली, कोलकाता, मुंबई, मणिपुर, बेंगलुरू और जलपाईगुड़ी सहित देश के विभिन्न हिस्सों में आयोजित किया जा रहा है। असम की दर्पण डांस अकादमी के प्रयासों से साल 2019 से इस महोत्सव का आयोजन (वर्ष 2020-2021 को छोड़कर) हर साल गुवाहाटी में सफलतापूर्वक किया जा रहा है। इस नृत्य महोत्सव को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य नयी पीढ़ी के प्रतिभावान व उभरते हुए शास्त्रीय तथा लोक कलाकारों को अपनी कला का प्रदर्शन करने के लिए एक राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंच प्रदान करना है।

प्रातः खबर
रविवार, 19 जुलाई 2026

सिलचर पहुंचीं सुष्मिता देब का गर्मजोशी से हुआ स्वागत, कहा

बंगाल के साथ असम की भी बनेंगी आवाज

सिलचर, 18 जुलाई (ख.सं)। सुष्मिता देब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने और पश्चिम बंगाल से राज्यसभा सदस्य चुने जाने के बाद पहली बार अपने गृह नगर सिलचर पहुंचीं। आज सुबह शहर पहुंचने पर भाजपा के जिला कार्यालय में उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिला और राज्य स्तर के पार्टी के कई नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे। स्वागत समारोह में बोलते हुए सुष्मिता देव ने भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस छोड़ते समय उनकी कोई व्यक्तिगत शर्तें या अपेक्षाएं नहीं थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन पर विश्वास दिखाया है और उन्हें राज्यसभा सदस्य बनने का अवसर दिया है, जो उनके लिए अत्यंत गर्व और सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि वे पार्टी द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारियों और भरोसे को निभाने के लिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से काम करेंगे। अपनी भावी योजनाओं के बारे में बताते हुए सुष्मिता देव ने कहा कि उनकी जिम्मेदारियां केवल पश्चिम बंगाल तक सीमित नहीं रहेंगी। वे असम, विशेषकर बराक घाटी के विकास में भी सक्रिय रूप से काम करेंगी, लोगों के हितों की रक्षा करेंगी और जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर ध्यान देंगी। उन्होंने बराक के लोगों के साथ खड़े रहने की अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराया। पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी का भरोसा और आम जनता का भरोसा ही उनके भविष्य के कार्यों की मुख्य शक्ति है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि वे राज्यसभा सांसद के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वाह जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए करेंगे। मंत्री कोशिक राय शिलचर विधायक डा राजदीप राय पूर्व विधायक दीपायन चक्रवर्ती सहित कई भाजपा नेता उपस्थित थे। गर्मजोशी से सुष्मिता देव का स्वागत किया।

बरभाग में नशे के खिलाफ एसएसपी को सौंपा ज्ञापन

नलबाड़ी, 18 जुलाई (ख.सं)। नलबाड़ी जिले के बरभाग राजस्व सर्कल के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर पैर पसार चुके अवैध शराब के ठिकानों और नयी पीढ़ी को तबाही की ओर धकेलने वाले ड्रग्स के बेरोकटोक चलन को रोकने की मांग की गई है। क्षेत्र में शराब और ड्रग्स मुक्त माहौल बनाने के लिए कड़े कदम उठाने के उद्देश्य से आज बरभाग आंचलिक छात्र संघ ने नलबाड़ी जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवेकानंद दास को एक ज्ञापन सौंपा। गौरतलब है कि वर्तमान में बरभाग के विभिन्न हिस्सों में अवैध शराब के ठिकानों के साथ-साथ ड्रग्स के बढ़ते कारोबार ने जागरूक नागरिकों के बीच गहरी चिंता पैदा कर दी है। इसके कारण सामाजिक माहौल बिगड़ने की आशंका को देखते हुए बरभाग क्षेत्रीय छात्र संघ ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से उचित कार्रवाई करने की मांग की है।ज्ञापन सौंपने के दौरान अखिल नलबाड़ी जिला छात्र संघ के खेल संपादक व बरभाग क्षेत्रीय छात्र संघ के सलाहकार मुन्ना अहमद, जिला छात्र संघ के शिक्षा संपादक धीराज कलिता, बरभाग क्षेत्रीय छात्र संघ के कार्यकारी महासचिव अभिजीत तालुकदार, शिक्षा संपादक अनुपम तालुकदार और संगठनात्मक संपादक कौशिक मेधी उपस्थित थे।

भीषण सड़क हादसा, ट्रक से टकराई बलेनो कार

रंगिया, 18 जुलाई (ख.सं)। रंगिया के सेप्ती इलाके में एक भीषण सड़क हादसा हो गया। नलबाड़ी की ओर जा रही एक बलेनो कार सामने चल रहे ट्रक के पिछले हिस्से से तेज रफ्तार में जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बलेनो कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी। हादसे में कमलपुर निवासी गिरीश चंद्र कलिता और उनके पुत्र कुलराज कलिता कार में सवार थे। सौभाग्यवश दोनों की जान बच गई और उन्हें केवल मामूली चोटें आयी। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंचे तथा तत्परता से दोनों घायलों को कार से बाहर निकालकर उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। दुर्घटना के बाद इलाके में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हादसे के कारण सड़क पर लंबा जाम लग गया। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर यातायात को सामान्य कराने के साथ ही दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है।

सैकड़ों महिलाओं ने राष्ट्रीय राजमार्ग-129 किया जाम

लमडिंग, 18 जुलाई (ख.सं)। नुमलीगढ़ स्थित दैग्रोंग क्षेत्र में कल उस समय तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गयी, जब 100 से अधिक महिलाओं ने राष्ट्रीय राजमार्ग-129 पर चक्का जाम कर जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपी वर्षा बराक की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करते हुए प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि क्षेत्र में बिजली चोरी रोकने का प्रयास करने वाले एक व्यक्ति के साथ मारपीट की गई। उनका कहना है कि घटना के बावजूद दोषियों के विरुद्ध अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गयी, जिससे स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। आंदोलनकारी महिलाओं ने नुमलीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) निधि के कथित दुरुपयोग और बंदरबांट का भी आरोप लगाया। उनका कहना है कि जनकल्याण और विकास कार्यों के लिए निर्धारित सीएसआर राशि का पारदर्शी ढंग से उपयोग नहीं किया गया तथा इसकी निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। विरोध-प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने राष्ट्रीय राजमार्ग-129 के दोनों ओर बैठकर मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध कर दिया। इसके चलते राजमार्ग पर सैकड़ों वाहन फंस गए। यात्री बसें, मालवाहक ट्रक, निजी वाहन तथा अन्य परिवहन साधनों की लंबी कतारें लग गयी, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बोकाखाट के उप-मंडलीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से वार्ता कर हालात को सामान्य करने का प्रयास किया। प्रशासन की ओर से आश्वासन दिया गया कि उनकी शिकायतों की विधिसम्मत जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। हालांकि प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक कथित आरोपी की गिरफ्तारी और सीएसआर निधि से जुड़े आरोपों की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित नहीं की जाती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। राजमार्ग जाम के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग-129 पर लंबे समय तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गयी।

करियर काउंसलिंग व व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का आयोजन

कोकराझाड़, 18 जुलाई (ख.सं)। बोड़ोलैंड स्टूडेंट्स यूनियन, फकीराग्राम ब्लॉक कमेटी के तत्वावधान में आज क्षेत्र के छात्र-छात्राओं के भविष्य को दिशा देने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम संगठन की ओर से आयोजित समर कोचिंग कैंप का हिस्सा है। इस कार्यशाला में फकीरग्राम कॉलेज के सहायक प्रोफेसर डॉ. हसमत अली ने बतौर संसाधन व्यक्ति भाग लिया। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को सही करियर चुनने, आत्मविश्वास बढ़ाने और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए प्रेरित करना है।

सिलचर में पद्मश्री दिवंगत कवींद्र पुरकायस्थ की स्मृति में सभा आयोजित

सिलचर, 18 जुलाई (ख.सं)। सिलचर में प्रख्यात शिक्षाविद, सामाजिक कार्यकर्ता और जननेता कबींद्र पुरकायस्थ की स्मृति में पद्मश्री गौरव उद्‌जाजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्किट हाउस रोड स्थित एक समारोह हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में राजनीतिक, शैक्षिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जगत की प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस कार्यक्रम में राज्य मंत्री कौशिक रॉय, सांसद परिमल शुक्लवैद्य, विधायक डॉ. राजदीप रॉय, अमिय कांति दास, किशोर नाथ, पूर्व विधायक दीपायन चक्रवर्ती, राज्यसभा सांसद कणाद पुरकायस्थ और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत नृत्यांगना सिमरन सहर की गणेश वंदना से हुई। अपने भाषण में कणाद पुरकायस्थ ने कहा कि पद्मश्री यह सम्मान न केवल उनके परिवार के लिए है, बल्कि कबींद्र के लिए भी है। वे सभी जो पुरकायस्थ के आदर्शों में विश्वास रखते हैं और उनसे प्रेरित हैं लोगों के प्रति सम्मान। पिता के प्रति समर्पण, मानवता। वह क्षमा को याद करते हुए कहते हैं, कल्याणकारी कार्यों में लगना ही उनके जीवन का मुख्य उद्देश्य था। उद्देश्य। वह कबीर के शब्दों का हवाला देते हुए कहते हैं, श्लोक यह आपकी पहचान नहीं है, यह आपकी पद-संबंधी पहचान है। इस कार्यक्रम में जीवन, कार्य और सामाजिक सेवा योगदान से निर्मित एक परियोजना वृत्तचित्र फिल्म का प्रदर्शन किया गया।

रास भावना कमेटियों को जिला आयुक्त ने दी वितीय सहायता

सिलचर, 18 जुलाई (ख.सं)। कछार के जिला आयुक्त राहुल कुमार गुप्ता ने रास भावना कमेटियों के प्रेसिडेंट/सेक्रेटरी में से हर एक को 25,000 रुपये की फाइनेंशियल मदद डिमांड ड्राफ्ट के रूप में बांटी। यह मदद कछार की रिच कल्चरल हेरिटेज, खासकर रास भावना की ट्रेडिशनल आर्ट को बचाने और बढ़ावा देने के लिए दी गयी। डिस्ट्रीब्यूशन सेरेमनी एडिशनल डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर (कल्चरल अफेयर्स), कछार, जागृति कलवार, डिस्ट्रिक्ट कल्चरल डेवलपमेंट ऑफिसर, कछार, स्नेहांगशु शेखर रॉय और दूसरे अधिकारियों की मौजूदगी में हुई। सभी कमेटियों ने जिले के कल्चरल डेवलपमेंट के लिए काम करने में अपना उत्साह दिखाया और गहरी दिलचस्पी दिखायी।

असम कृषि विश्वविद्यालय की पहल

किसानों के बीच रोपण सामग्री का वितरण

कोकराझाड़, 18 जुलाई (ख.सं)। असम कृषि विश्वविद्यालय के तत्वावधान में गोसाईगांव उपखंड के तेलीपाड़ा स्थित क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र में कल आयोजित एक कार्यक्रम में सौ से अधिक किसानों के बीच उन्नत बीज एवं विभिन्न रोपण सामग्रियों का वितरण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि पद्धतियों से जोड़ना तथा कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि विज्ञान केंद्र के फसल विज्ञान विषय विशेषज्ञ शांतनु कौशिक बोरा ने की। असम कृषि विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. मनोरंजन नेओग ने स्वागत भाषण में किसानों को वैज्ञानिक खेती अपनाने, आधुनिक तकनीकों का उपयोग करने तथा अधिक उत्पादन के माध्यम से आय बढ़ाने के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिए। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कोकराझाड़ के जिला आयुक्त पंकज चक्रवर्ती ने कहा कि भारत का समग्र विकास कृषि क्षेत्र की प्रगति पर काफी हद तक निर्भर करता है। उन्होंने बताया कि सरकार कृषि क्षेत्र के विकास के लिए अनेक योजनाएं लागू कर रही है तथा आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग को बढ़ावा देकर उत्पादन क्षमता में वृद्धि के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने किसानों से सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने, उत्पादन बढ़ाने और सरकारी सुविधाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए अपने भूमि संबंधी दस्तावेजों को अद्यतन रखने का आग्रह किया। कार्यक्रम में बीटीसी कृषि विभाग के निदेशक बीबी नर्जारी, विधायक शोभाराम बसुमतारी तथा विधायक अशराफुल इस्लाम शेख ने भी किसानों को संबोधित करते हुए कृषि के आधुनिकीकरण और सरकारी योजनाओं का लाभ लेने पर जोर दिया। कृषि विज्ञान केंद्र के पशुपालन विषय विशेषज्ञ डॉ. मुजाहारुल इस्लाम ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. कामेश्वर दास, अनुसंधान केंद्र एवं कृषि विज्ञान केंद्र के कई अधिकारी तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में किसानों के बीच उन्नत बीज एवं विभिन्न रोपण सामग्रियों का वितरण किया गया।

लमडिंग में बढ़ी चोरी की घटनाएं, लोगों में दहशत

लमडिंग, 18 जुलाई (ख.सं)। रेलवे नगर के रूप में विख्यात लमडिंग इन दिनों लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं से गहरी चिंता और असुरक्षा के माहौल से गुजर रहा है। नगर के विभिन्न इलाकों में लगातार सामने आ रही चोरी की वारदातों ने आम नागरिकों की सुरक्षा पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिये हैं। अनेक मामलों में अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो पाने से लोगों के बीच पुलिस की कार्यप्रणाली और कानून-व्यवस्था को लेकर असंतोष भी बढ़ता जा रहा है। नगर के मध्य स्थित मास्टर कॉलोनी में हुई एक बड़ी चोरी की घटना ने एक बार फिर इस गंभीर समस्या को उजागर कर दिया है। इस घटना ने न केवल एक परिवार को आर्थिक रूप से भारी नुकसान पहुंचाया है, बल्कि पूरे क्षेत्र में भय और असुरक्षा की भावना को और गहरा कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मास्टर कॉलोनी निवासी बिशु बसाक के घर में उस समय अज्ञात चोरों ने धावा बोला, जब परिवार का कोई सदस्य घर पर मौजूद नहीं था। सुनसान घर का फायदा उठाकर बदमाश अंदर घुस गये और सोने के आभूषण, नकदी तथा अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गये। परिवार के घर लौटने पर चोरी का पता चला, जिसके बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गयी। घटना के बाद पीड़ित परिवार गहरे सदमे में है। वर्षों की मेहनत से संजोई गयी जमा-पूंजी और आभूषणों के चोरी हो जाने से परिवार के सदस्य फूट-फूटकर रो पड़े। परिजनों की व्यथा देखकर आस-पास के लोग भी भावुक हो गये।

सिलचर में नागरिक केंद्रित सेवा पर कार्यशाला आयोजित

सिलचर, 18 जुलाई (ख.सं)। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) प्रकोष्ठ द्वारा प्रेमेंद्र मोहन गोस्वामी सम्मेलन कक्ष में सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से नागरिक-केंद्रित सेवाएं विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें बराक घाटी के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति प्रोफेसर अशोक कुमार सेन ने किया। उन्होंने असम लोक सेवा अधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2024 के कार्यान्वयन में सूचना सुरक्षा और डिजिटल संरक्षण के महत्व पर जोर दिया। अपने स्वागत भाषण में, एनएसएस सेल समन्वयक प्रोफेसर एम. गंगाभूषण ने अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया और कहा कि बराक घाटी के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में एआरटीपी (संशोधित) के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए काम कर रहे हैं। डॉ. प्रदोश किरण नाथ ने असम सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत आने वाली एआईटीईसी और सीएसडी सोसाइटी को इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस संयुक्त पहल से बराक घाटी में नागरिक सेवाओं को अधिक प्रभावी और सुलभ बनाने में मदद मिलेगी। एआईटीईसी के मुख्य संसाधन व्यक्ति डॉ. हेमंत रावा ने एआरटीपीएस (संशोधन) अधिनियम, 2024 के महत्वपूर्ण प्रावधानों और नियमों की विस्तारपूर्वक व्याख्या की। कार्यक्रम के अंत में, एआईटीईसी और सीएसडी सोसाइटी के लक्ष्मीनंदन गोस्वामी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया और प्रतिभागियों से कार्यशाला में प्राप्त ज्ञान को अपने-अपने शिक्षण संस्थानों और व्यापक समाज में फैलाने का आग्रह किया। इस दिन, एमबीए विभाग की कंप्यूटर लैब में सेवा सेतु पोर्टल के उपयोग पर व्यावहारिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें नागरिक पहचान पत्र बनाना, सरकारी सेवाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन करना आदि शामिल हैं।

नीट परीक्षा में रंगिया की प्रतिभाओं ने बढ़ाया क्षेत्र का गौरव

रंगिया, 18 जुलाई (ख.सं)। अखिल भारतीय नीट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रंगिया की प्रतिभाओं ने एक बार फिर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। रंगिया तीनीआली निवासी तथा रंगिया महाविद्यालय के प्राध्यापक अमित शर्मा और अरिमत्ता विद्यापीठ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की शिक्षिका रेखा शर्मा की पुत्री आकांक्षा शर्मा ने 540 अंक प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। वहीं सीतारा निवासी बिपुल कलिता और बर्णाली कलिता की पुत्री प्रिया कलिता ने 530 अंक प्राप्त कर परिवार एवं क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। इधर बाईहाटा के सुदीप्त शेखर मजूमदार के पुत्र ने 556 अंक प्राप्त कर शानदार सफलता अर्जित की है। उनकी इस उपलब्धि से परिजनों और शुभचिंतकों में खुशी की लहर है। नीट जैसी देश की सबसे कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करना आसान नहीं होता। इन विद्यार्थियों की मेहनत, लगन और समर्पण ने यह साबित कर दिया है कि कठिन परिश्रम का फल अवश्य मिलता है।

बोकाखात में 1,500 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों का किया गया सम्मान

लमडिंग, 18 जुलाई (ख.सं)। बोकाखाट में शैक्षणिक उत्कृष्टता का भव्य उत्सव देखने को मिला, जहां बोकाखाट उप-मंडलीय मुक्त मंच पर आयोजित एक विशाल सार्वजनिक समारोह में विधानसभा क्षेत्र के 1,500 से अधिक सफल विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। बोकाखाट के विधायक एवं कैबिनेट मंत्री अतुल बोरा की पहल पर आयोजित इस समारोह में वरिष्ठ मंत्रियों, प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षा विभाग के वरिष्ठ पदाधिकारियों, शिक्षाविदों तथा विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर वर्ष 2026 की हाईस्कूल लीविंग सर्टिफिकेट एवं उच्चतर माध्यमिक परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का अभिनंदन किया। यह समारोह क्षेत्र के सबसे बड़े छात्र सम्मान कार्यक्रमों में से एक बन गया, जहां असम सरकार के तीन कैबिनेट मंत्री एक ही मंच पर उपस्थित रहे। यह आयोजन राज्य सरकार की उस प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है, जिसके तहत मेधावी विद्यार्थियों की उपलब्धियों को सम्मानित कर नई पीढ़ी को उत्कृष्टता की ओर प्रेरित किया जा रहा है। कार्यक्रम का नेतृत्व असम के कृषि मंत्री एवं बोकाखाट के विधायक अतुल बोरा ने किया। उन्होंने सभी सफल विद्यार्थियों को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों पर बधाई देते हुए उन्हें शिक्षा के प्रति निरंतर समर्पित रहने तथा समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। सभा को संबोधित करते हुए अतुल बोरा ने कहा कि विद्यार्थी ही असम के भविष्य के निर्माता हैं। उन्होंने कहा कि मेधावी छात्रों का सम्मान केवल पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे राज्य के हजारों युवा छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनता है। उन्होंने शिक्षा को सामाजिक प्रगति, सशक्त समाज और सतत विकास की सबसे मजबूत नींव बताया। इस सम्मान समारोह में वर्ष 2026 की एवं उच्चतर माध्यमिक परीक्षाओं में सफल बोकाखाट विधानसभा क्षेत्र के लगभग 1,500 विद्यार्थियों को प्रशस्ति-पत्र एवं सम्मान-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी गई। समारोह में काजीरंगा लोकसभा क्षेत्र के सांसद कामाख्या प्रसाद तासा भी उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में समर्पण और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने मंत्री अतुल बोरा की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं को बड़े लक्ष्य निर्धारित करने और अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करते हैं। उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त एवं सचिव नारायण कोंवर ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने शिक्षा क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए असम सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सरकार बेहतर शैक्षणिक अवसंरचना, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था, डिजिटल शिक्षा सुविधाओं तथा छात्र-केंद्रित कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। नवनियुक्त निपको के निदेशक अनिमेष सैकिया भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए अनुशासन, नवाचार और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा और प्रतिस्पर्धी करियर की चुनौतियों का सामना करने के लिए आत्मविश्वास और निरंतर परिश्रम अत्यंत आवश्यक है। गोलाघाट की आयुक्त पूवाली गोहाई तथा बोकाखाट की सह-जिला आयुक्त सुजाता गोगोई ने भी कार्यक्रम में भाग लेकर सफल विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें ईमानदारी, समर्पण, कड़ी मेहनत और अनुशासन के मूल्यों को अपनाते हुए निरंतर उत्कृष्टता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में बोकाखाट तथा आसपास के विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों के प्राचार्य भी उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के सामूहिक प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इन्हीं के सहयोग और समर्पण के कारण इतने उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम संभव हो सके हैं। बोकाखाट उप-मंडलीय मुक्त मंच पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों और स्थानीय नागरिकों से खचाखच भरा रहा। पूरे परिसर में उत्सव, गर्व और उल्लास का वातावरण देखने को मिला। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों तथा प्रेरणादायी संबोधनों ने समारोह की गरिमा को और बढ़ाया तथा इसे विद्यार्थियों के लिए एक अविस्मरणीय अवसर बना दिया। कार्यक्रम का समापन इस सामूहिक संदेश के साथ हुआ कि विद्यार्थी ज्ञानार्जन की अपनी यात्रा निरंतर जारी रखें, अनुशासन, धैर्य और परिश्रम के मूल्यों को जीवन में आत्मसात करें तथा असम और राष्ट्र के विकास में सार्थक योगदान दें। यह भव्य सम्मान समारोह बोकाखाट की शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने और युवा प्रतिभाओं का सम्मान करने की प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आया।

अरुणाचल प्रदेश की खांडू कैबिनेट ने 7,834 करोड़ के पैकेज और बड़े सुधारों को दी मंजूरी

ईटानगर, 18 जुलाई (एजें)। मुख्यमंत्री पेमा खांडू की अध्यक्षता में अरुणाचल प्रदेश कैबिनेट ने शुक्रवार को 7,834 करोड़ रुपए के विकास कार्यों के लिए पैकेज को मंजूरी दी।इसके साथ ही गवर्नेंस, शिक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर और रोजगार से जुड़े सुधारों को भी मंजूरी दी गई, जिनका मकसद राज्य में लोगों के जीवन को आसान बनाना, बिजनेस को आसान बनाना और पब्लिक सर्विस डिलीवरी में सुधार करना है।मुख्यमंत्री कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 2026-29 के लिए मुख्यमंत्री की चार प्रमुख योजनाओं (फ्लैगशिप स्कीम) के लिए निवेश को मंजूरी दी गई।जिला मुख्यालयों, सब-डिविजनल मुख्यालयों और कैपिटल कॉम्प्लेक्स में कनेक्टिविटी बेहतर करने के लिए 'मुख्यमंत्री की व्यापक राज्य सड़क विकास योजना' (सीएमसीएसआरडीपी) के दूसरे चरण के लिए 2,334 करोड़ रुपए की राशि मंजूर की गई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे पहले चरण के तहत रुके हुए प्रोजेक्ट्स को मार्च 2027 तक पूरा करें।कैबिनेट ने सीएमसीएसआरआरडीपी के लिए 2,000 करोड़ रुपए मंजूर किए, ताकि उन बस्तियों को हर मौसम में कनेक्टिविटी मिल सके जो प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के दायरे में नहीं आती हैं।'मुख्यमंत्री की व्यापक राज्य बिजली विकास कार्यक्रम' (सीएमसीएसपीडीपी) के तहत बिजली इंफ्रास्ट्रक्चर को आधुनिक बनाने और मार्च 2029 तक एग्रीगेट टेक्निकल एंड कमर्शियल (एटीएंडसी) नुकसान को घटाकर 18 प्रतिशत करने के लिए 2,000 करोड़ रुपए मंजूर किए गए।'मिशन शिक्षित अरुणाचल' (2026-29) के दूसरे चरण के लिए 1,500 करोड़ रुपए मंजूर किए गए, ताकि स्कूल इंफ्रास्ट्रक्चर की कमियों को दूर किया जा सके, टीचर ट्रेनिंग को मजबूत किया जा सके, डिजिटल मॉनिटरिंग बढ़ाई जा सके और सीखने के नतीजों (लर्निंग आउटकम्स) में सुधार किया जा सके।कुल 7,834 करोड़ रुपए के निवेश का मकसद अहम इंफ्रास्ट्रक्चर और शिक्षा से जुड़ी कमियों को दूर करने के लिए केंद्र और राज्य की योजनाओं को एक साथ लाना है। यह हाल के वर्षों में पेमा खांडू सरकार के सबसे बड़े पैकेजों में से एक है।कैबिनेट ने सरकारी कर्मचारियों की भर्ती से लेकर रिटायरमेंट तक के पूरे लाइफसाइकिल को डिजिटाइज करने के लिए एआई-पावर्ड ई-एचआरएमएस 2.0 (मानव संपदा) प्लेटफ़ॉर्म लॉन्च किया और सभी विभागों को इसे तेजी से अपनाने का निर्देश दिया।कैबिनेट ने नोटिफाइड सैनिक स्कूलों और राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कॉलेज, देहरादून में पढ़ने वाले छात्रों की मदद के लिए मुख्यमंत्री फ्रंटियर सैनिक स्कूल स्कॉलरशिप स्कीम को मंजूरी दी।इसने अरुणाचल के युवाओं को मिलिट्री संस्थानों में एडमिशन की तैयारी करने और आर्म्ड फोर्सेज में करियर बनाने में मदद करने के लिए इंडियन आर्मी के नेतृत्व वाले मेंटरशिप प्रोग्राम को भी मंजूरी दी।एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने के लिए कैबिनेट ने एआरयूएन एमएसएमई मिशन को मंजूरी दी, जिसका मकसद हर साल 500 माइक्रो, स्मॉल और मीडियम एंटरप्राइज (एमएसएमई) को फिर से शुरू करना और अपग्रेड करना है। साथ ही मार्केट तक पहुंच, एक्सपोर्ट और क्षमता निर्माण में मदद करना है।कैबिनेट से अरुणाचल ह्यूमन कैपिटल एंड इकोनॉमिक ट्रांसफॉर्मेशन विजन 2036 को भी मंजूरी दी गई, जिसका लक्ष्य 1 लाख युवाओं को स्किल ट्रेनिंग देना, 10,000 एंटरप्रेन्योर बनाना, 10,000 अप्रेंटिसशिप और विदेशी प्लेसमेंट की सुविधा देना, 100 इंडस्ट्री पार्टनरशिप बनाना और सभी 10 इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (आईटीआई) को मॉडर्न स्किल हब में बदलना है।रोजगार से जुड़े एक अहम फैसले में कैबिनेट ने अरुणाचल प्रदेश के रिटायर्ड अग्निवीरों के लिए पुलिस, आर्म्ड पुलिस बटालियन, फायर सर्विस, फॉरेस्ट डिपार्टमेंट, जेल और दूसरी यूनिफॉर्म वाली सेवाओं में कॉन्स्टेबल और उसके बराबर के पदों पर 20 प्रतिशत आरक्षण को मंजूरी दी।कैबिनेट ने खेती और उससे जुड़े सेक्टर को मजबूत करने के लिए अरुणाचल प्रदेश एपिकल्चर एंड हनी पॉलिसी, 2026 को मंजूरी दी, जिसका मकसद वैज्ञानिक और कमर्शियल रूप से फायदेमंद मधुमक्खी पालन के जरिए राज्य को नॉर्थ-ईस्ट में शहद का प्रमुख उत्पादक बनाना है।ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (कारोबार में आसानी) को बेहतर बनाने के उपायों में खास कानूनी लाइसेंस वाले व्यवसायों को अलग से ट्रेड लाइसेंस लेने से छूट देना और 56 तरह के व्यवसायों के लिए रेगुलेटरी डुप्लीकेशन (नियमों की दोहरी प्रक्रिया) को खत्म करना शामिल है।कैबिनेट ने सीएम केयर्स (मुख्यमंत्री का मजबूत, समान और स्वस्थ राज्य के लिए व्यापक एक्शन), मिशन सुरक्षा (नशीले पदार्थों, पदार्थों से होने वाले नुक्सान और लत के खिलाफ राज्य का एकीकृत रिस्पॉन्स) और आयुष्मान आरोग्य शिविर-इंटेंसिफाइड 30 दिन के इंटीग्रेटेड हेल्थ कैंप के तहत हेल्थकेयर पहलों को भी मंजूरी दी।अधिकारियों ने कहा कि सीएम केयर्स योजनाओं के तालमेल के जरिए हेल्थकेयर, सामाजिक सुरक्षा और नागरिकों की भलाई को मजबूत करेगा, जबकि मिशन सुरक्षा नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ रोकथाम, इलाज, रिहैबिलिटेशन और कानून लागू करने की प्रक्रियाओं को एक साथ लाएगा।कैबिनेट ने प्रधानमंत्री के टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए 'आयुष्मान आरोग्य शिविर' को मंजूरी दी है। यह 30 दिनों का राज्यव्यापी अभियान है जिसका मकसद स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच को बेहतर बनाना है। इसमें टीबी को खत्म करने पर खास जोर दिया जाएगा, जिसके लिए बड़े पैमाने पर जांच, शुरुआती पहचान और इलाज पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

पुलिस, न्यायपालिका के बीच तालमेल जरूरी : राज्यपाल भल्ला

इंफाल, 18 जुलाई (भा)। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने शनिवार को कहा कि नए आपराधिक कानूनों की सफलता पुलिस, अभियोजन पक्ष, न्यायपालिका और जेल प्रशासन के आपसी तालमेल से काम करने पर निर्भर है। नए आपराधिक कानूनों से उनका मतलब भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) के लागू होने से था। उन्होंने आपराधिक न्याय प्रशासन पर आयोजित दो दिवसीय सेमिनार के उद्घाटन समारोह में कहा कि नया कानूनी ढांचा औपनिवेशिक दौर के कानूनों से आधुनिक और नागरिक-केंद्रित न्याय व्यवस्था की ओर एक ऐतिहासिक बदलाव है। भल्ला ने यह भी कहा कि इन सुधारों की सफलता पुलिस, अभियोजन पक्ष, न्यायपालिका और जेल प्रशासन के समन्वय से काम करने पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि इन संस्थानों को मजबूत करना मणिपुर में जनता का विश्वास बढ़ाने, शांति बनाए रखने और विकास को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी है। राज्यपाल ने कहा, ''आपराधिक न्याय व्यवस्था किसी लोकतांत्रिक समाज की नींव होती है। यह नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करती है, सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखती है और संवैधानिक संस्थानों में लोगों का विश्वास मजबूत बनाती है।

सोनम वांगचुक की तस्वीर बना रहे दो युवक हिरासत में

गुवाहाटी, 18 जुलाई (भा)। गुवाहाटी में सार्वजनिक दीवार पर सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की तस्वीर बनाकर कथित रूप से सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप में दो युवकों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि दो दिन पहले शहर के बसिष्ठ फ्लाईओवर के एक खंभे पर भी वांगचुक की तस्वीर बनाई गई थी। उस मामले में भी पुलिस अज्ञात लोगों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। पुलिस अधिकारी के अनुसार शुक्रवार रात गश्त के दौरान हमारी टीम ने ज्योति-बिष्णु अंतरराष्ट्रीय सभागार जाने वाले मार्ग पर दो युवकों को एक सार्वजनिक दीवार को खराब करते हुए देखा।

एनआईए ने छह नगा व्यक्तियों की हत्या के मामले में दो और को किया गिरफ्तार

इंफाल, 18 जुलाई (भा)। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के नेतृत्व में सुरक्षा बलों की एक टीम ने मणिपुर के कांगपोकपी जिले में नगा समुदाय के छह सदस्यों की हत्या के मामले में शनिवार को दो और लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान के अनुसार, छह नगा लोगों के अपहरण और हत्या की जांच के दौरान एनआईए, मणिपुर पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने इन दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान लुंगौलाल वैफेई और लुनमिनथांग सितलहौ उर्फ जैक के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि इस मामले से जुड़े अन्य लोगों को गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं। हथियारबंद लोगों ने 13 मई को कांगपोकपी जिले के लेइलोन वैफेई से छह नगा लोगों का अपहरण कर लिया था। 10 जून को उनके शव लेइलोन वैफेई गांव के पास से बरामद किए गए थे। इसके बाद नगा और मैतेई समुदाय के लोगों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया था। शव मिलने के बाद नगा संगठनों ने कांगपोकपी जिले की ओर जाने वाले सभी रास्तों पर आर्थिक नाकेबंदी कर दी थी। इससे कुकी-जो बहुल जिले में जरूरी सामानों की कीमतें बढ़ गई थीं। इससे पहले 10 जुलाई को एनआईए, पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने छह नगा लोगों की हत्या के मामले में संलिप्तता के आरोप में लेइलोन वैफेई के रहने वाले पति-पत्नी को भी गिरफ्तार किया था।

नगालैंड आईईडी विस्फोट : आरोपियों की जानकारी देने वाले को इनाम की घोषणा

कोहिमा, 18 जुलाई (भा)। नगालैंड पुलिस ने 13 जुलाई को चुमौकेदिमा जिले में हुए आईईडी विस्फोट के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान और गिरफ्तारी में मदद करने वाली विश्वसनीय सूचना देने वाले व्यक्ति को 50,000 रुपये नकद इनाम देने की घोषणा की है। इस विस्फोट में असम राइफल्स के एक जवान की मौत हो गई थी, जबकि पांच अन्य लोग घायल हो गए थे। घायलों में चार सुरक्षा कर्मी और एक नागरिक हैं। यह घटना नागालैंड के चुमौकेदिमा जिले में चुमौकेदिमा (ए) गांव-शोखुवी सड़क के पास हुई थी। दीमापुर पुलिस आयुक्त की ओर से जारी सार्वजनिक सूचना में पुलिस आयुक्त आओतुला टी. इमचेन ने कहा कि दीमापुर पुलिस आयुक्तालय इस मामले की गहन जांच कर रहा है, ताकि इस 'जघन्य आतंकवादी कृत्य की साजिश रचने, उसे अंजाम देने, मदद करने या किसी भी रूप में सहयोग करने वाले सभी लोगों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जा सके। यह इनाम ऐसी भरोसेमंद जानकारी के लिए दिया जाएगा जिससे अपराधियों या उनके साथियों की पहचान या गिरफ़्तारी हो सके; अपराध की साजिश रचने, धन देने वाले, पनाह देने, लाने-ले जाने या अपराध में मदद करने वाले लोगों की पहचान हो सके। इनमें मामले से जुड़े विस्फोटक, विस्फोटक के पुर्ज़े, हथियार, संचार उपकरण, गाड़ियां या कोई अन्य सबूत वाली चीज़ें बरामद करना; और अपराधियों से जुड़े किसी ठिकाने, आदि का पता लगाना शामिल है। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि वे इस मामले से जुड़ी कोई भी जानकारी साझा करें, चाहे वह कितनी भी छोटी या महत्वहीन क्यों न लगे। दीमापुर पुलिस आयुक्तालय ने आश्वासन दिया है कि सूचना देने वालों की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और कानून के अनुसार उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। पुलिस ने यह भी कहा कि गुमनाम जानकारी भी स्वीकार की जाएगी। पुलिस के अनुसार, ईनाम तभी दिया जाएगा जब जांच के बाद यह पुष्टि हो जाए कि दी गई सूचना से मामले का खुलासा करने, सबूत बरामद करने या आरोपियों की गिरफ्तारी में महत्वपूर्ण मदद मिली है। इसके लिए सक्षम अधिकारी की मंजूरी आवश्यक होगी। पुलिस ने नागरिकों से सतर्क रहने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सुरक्षा एजेंसियों का सहयोग करने की अपील की है।

सर्विस रायफल से चली गोली, वनकर्मी घायल

गुवाहाटी, 18 जुलाई (एजें)। असम के ओरांग राष्ट्रीय उद्यान में ड्यूटी के दौरान एक वनकर्मी अपनी सर्विस राइफल से निकली गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल वनकर्मी की पहचान बिपिन डेका के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शनिवार तड़के वह वन विभाग के वाहन से उतर रहे थे, तभी उनके हाथ में मौजूद सर्विस राइफल से अचानक गोली चल गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद अन्य कर्मचारियों ने उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां से बेहतर इलाज के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच) रेफर किया गया। उनकी हालत गंभीर होने के कारण उन्हें अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है।

मणिपुर में तीन तस्कर और उग्रवादी गिरफ्तार

इम्फाल, 17 जुलाई (एजें)। मणिपुर पुलिस और सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को राज्य के विभिन्न हिस्सों में चलाए गए अभियान के दौरान नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के एक घोषित अपराधी, दो कथित मादक पदार्थ तस्करों, एक गांजा तस्कर तथा प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन सोरेपा के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया। पुलिस ने एनसीबी की दिल्ली जोनल इकाई के अतिरिक्त निदेशक के अनुरोध पर थौबल जिले के मोइजिंग वांगमताबा चिंग्या लेइकाई निवासी मोहम्मद आमिर खान उर्फ रहमान को गिरफ्तार किया। वह एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज एक एनसीबी मामले में घोषित अपराधी था। एक अन्य अभियान में पुलिस ने थौबल जिले के लिलोंग लेइहाओखोंग लेइनुंग होटल मानिंग निवासी मो. जाकिर हुसैन (44) उर्फ टोम्बा को उसके घर से गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से कोडीन युक्त कफ सिरप, पी-निएट्रा-10 (संभावित एन-10) टैबलेट तथा ट्रोस्पास प्लस कैप्सूल बरामद किए गए। जिरीबाम जिले के लामखाई बाजार क्षेत्र से कोंजेंगबाम कुल्ला सिंह (47) को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से लगभग 56.8 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। इसी दौरान सुरक्षा बलों ने थौबल जिले के थौबल हाओखा क्षेत्र से प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन सोरेपा के सक्रिय सदस्य युमनाम नरेश सिंह उर्फ काकपा (26) को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि सभी मामलों में आगे की कानूनी कार्रवाई और जांच जारी है।

विक्रम-1 सफल प्रक्षेपण, नए युग की शुरुआत : पेमा खांडू

इटानगर, 18 जुलाई (भा)। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने शनिवार को भारत में निजी क्षेत्र द्वारा विकसित पहले 'ऑर्बिटल रॉकेट 'विक्रम-1 के सफल प्रक्षेपण की सराहना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि देश के अंतरिक्ष क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है और यह भारतीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा उद्यमिता की बढ़ती ताकत को दर्शाती है। खांडू ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि इस ऐतिहासिक मिशन के साथ भारत सफल निजी कक्षीय प्रक्षेपण क्षमता हासिल करने वाला दुनिया का तीसरा देश बन गया है। मुख्यमंत्री ने 'एक्स पर लिखा, ''देश के पहले निजी तौर पर विकसित कक्षीय रॉकेट विक्रम-1, प्रायोगिक उड़ान-1 ने सफलतापूर्वक कक्षा में पहुंचकर अपने पेलोड को 450 किलोमीटर की कक्षा में स्थापित किया है। उन्होंने इस मिशन को देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए एक निर्णायक क्षण बताते हुए कहा कि यह उपलब्धि उन्नत प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में भारत की तेजी से बढ़ती क्षमताओं को प्रदर्शित करती है। खांडू ने कहा, ''यह भारतीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी और उद्यमिता के लिए गर्व का क्षण है। भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र का भविष्य वास्तव में उड़ान भर चुका है। हैदराबाद स्थित निजी अंतरिक्ष स्टार्टअप कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित विक्रम-1 रॉकेट ने अपने पहले कक्षीय मिशन 'मिशन आगमन के तहत श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से उड़ान भरी और कई पेलोड को पृथ्वी की 450 किलोमीटर की निचली कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया। यह भारत का पहला सफल निजी तौर पर विकसित कक्षीय प्रक्षेपण है। इस मिशन को भारत के वाणिज्यिक अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। यह सफलता उन अंतरिक्ष क्षेत्र के सुधारों के कारण संभव हुई है, जिनके तहत निजी कंपनियों के लिए इस क्षेत्र को खोला गया। इस सफल प्रक्षेपण से वैश्विक वाणिज्यिक प्रक्षेपण बाजार में भारत की स्थिति मजबूत होने और देश के निजी अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र के विकास को गति मिलने की उम्मीद है। हाल के वर्षों में नीतिगत सुधारों के बाद भारत का निजी अंतरिक्ष क्षेत्र तेजी से विस्तारित हुआ है।

ट्रक की चपेट में आने से मौत

गुवाहाटी, 18 जुलाई (एजें)। राजधानी के आजरा इलाके में शनिवार को एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया। अपनी वृद्ध मां का शव कंधे पर लेकर श्मशान जा रहे एक व्यक्ति की राष्ट्रीय राजमार्ग पार करने के दौरान ट्रक की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक की पहचान पराग दास के रूप में हुई है। बताया गया है कि पराग दास अपनी दिवंगत मां के शव को कंधे पर लेकर अंतिम संस्कार के लिए श्मशान जा रहे थे। इसी दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग पार करते समय तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में पराग दास की मौके पर ही मौत हो गई। इस हृदयविदारक घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

नीट-2026 : फिजिक्सवाला के छात्रों का शानदार प्रदर्शन, कईयों ने हासिल किया टॉप रैंक

गुवाहाटी, 18 जुलाई । शिक्षा कंपनी फिजिक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने नीट यूजी 2026 में अपने छात्रों के शानदार प्रदर्शन का जश्न मनाया। संस्थान के कई छात्रों ने ऑल इंडिया रैंक (एआईआर) में शीर्ष स्थान हासिल कर सफलता का परचम लहराया। पीडब्ल्यू के छात्र रविकांत दिवाकर (एआईआर 55), शिवांश आनंद (एआईआर 152), दिव्यांश जायसवाल (एआईआर 173) और साक्षी कुमारी (एआईआर 192) ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। संस्थान के अनुसार, यह सफलता ऑनलाइन और टेक-इनेबल्ड पीडब्ल्यू विद्यापीठ केंद्रों के माध्यम से उपलब्ध कराए गए शिक्षण मॉडल का परिणाम है। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में गुवाहाटी में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जहां आयांग पेगू (एआईआर 2180) और इमरान हुसैन चौधरी (एआईआर 3999) सहित कई सफल छात्रों को सम्मानित किया गया। छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय नियमित टेस्ट, डेली प्रैक्टिस पेपर, वीडियो सॉल्यूशन, डाउट क्लियरिंग और शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया। फिजिक्सवाला के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अलख पांडे ने सफल छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि कड़ी मेहनत और अनुशासन ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने उन छात्रों का भी हौसला बढ़ाया, जो इस बार अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सके। फिजिक्सवाला के नीट कोचिंग मॉडल में डेली प्रैक्टिस प्रश्न, मॉक टेस्ट, 24ह7 डाउट समाधान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित व्यक्तिगत रिवीजन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। गौरतलब है कि नीट यूजी 2026 में करीब 20 लाख छात्रों ने परीक्षा दी थी, जिनमें से 11.21 लाख अभ्यर्थी मेडिकल और संबद्ध स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सफल घोषित किए गए।

आपसू से अपनी मांग को वापस लेने की आपियो से की अपील

इटानगर, 18 जुलाई (एजें)। अरुणाचल प्रदेश यूथ ऑर्गनाइज़ेशन (आपयो) ने ऑल अरुणाचल प्रदेश स्टूडेंट्स यूनियन (आपसू) से अपील की है कि वे नॉर्थ ईस्टर्न रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (नेरिस्ट) के डायरेक्टर के मामले में दखल न दें और डायरेक्टर प्रो. नरेंद्र नाथ एस को उनके पद से हटाने के लिए दिया गया अपना ज्ञापन वापस ले लें। यह ज्ञापन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को सौंपा गया था, जिसमें डायरेक्टर को हटाने और सबसे वरिष्ठ प्रोफेसर को डायरेक्टर-इन-चार्ज के तौर पर नियुक्त करने की मांग की गई थी। आज अरुणाचल प्रेस क्लब में मीडिया से बात करते हुए आपयो के अध्यक्ष किपा कानम ने कहा कि जब नेरिस्ट के स्टूडेंट्स यूनियन को मौजूदा डायरेक्टर से कोई समस्या नहीं है, बल्कि वे उनके योगदान और कम समय में नेरिस्ट के फैकल्टी और स्टूडेंट्स के भले के लिए किए गए कामों की वजह से उनका समर्थन कर रहे हैं, तो फिर आपसू और ऑल निशी स्टूडेंट्स यूनियन डायरेक्टर प्रो. नरेंद्रनाथ एस को उनके पद से क्यों हटाना चाहते हैं? उनकी मंशा क्या है? स्टूडेंट्स यूनियन को स्टूडेंट्स कम्युनिटी के भले के बारे में सोचना चाहिए। नेरिस्ट के छात्रा का साथ देने के बजाय, आपसू और अनसू राजनीति में शामिल हो रहे हैं और उनके काम भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने और भ्रष्ट अधिकारियों को बचाने की कोशिश जैसे लग रही हैं। उन्होंने अनसू के महासचिब को चेतावनी भी दी कि वे अनसू के प्लेटफॉर्म का गलत इस्तेमाल न करें और अगर वे ऐसा करना बंद नहीं करते हैं, तो उनके खिलाफ शिकायत दर्ज करानी पड़ सकती है। नेरिस्ट के अंदर चल रही हालिया राजनीति का ज़िक्र करते हुए, कानम ने आरोप लगाया कि 29 मई को नेरिस्ट के रजिस्ट्रार माई कुरु कैम्डर और असिस्टेंट रजिस्ट्रार बोगे कामडुक को कथित अनियमितताओं और भर्ती नियमों 2022 में हेरफेर के मामले में दोनों को पद से हटाया गया है। इसलिए आपसू और अनसू को नेरिस्ट की राजनीति में नहीं पड़ना चाहिए और स्टूडेंट्स कम्युनिटी के भले के बारे में सोचना चाहिए। जैसा कि हम जानते हैं कि नेरिस्ट नॉर्थ-ईस्ट राज्यों के सभी स्टूडेंट्स के लिए बहुत महत्वपूर्ण संस्थान है और हमें ऐसे संस्थानों की रक्षा करनी चाहिए।

साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन की सेवाएं अतिरिक्त आठ फेरों के लिए बढ़ी

गुवाहाटी, 18 जुलाई (ख.सं)। चल रहे यात्रा सीजन के दौरान यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करने तथा अतिरिक्त भीड़ को कम करने के उद्देश्य से ट्रेन संख्या 04127/04128 (कानपुर-सेंट्रल-गुवाहाटी कानपुर-सेंट्रल) साप्ताहिक स्पेशल की सेवाओं का विस्तार किया गया है। यह अतिरिक्त सेवाएं अपने मौजूदा समय-सारणी, मार्ग एवं ठहराव के अनुसार संचालित होंगी, जिससे असम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश राज्यों के विभिन्न स्टेशनों से यात्रा करने वाले यात्रियों को काफी सुविधा होगी। तदनुसार, ट्रेन संख्या 04127 (कानपुर सेंट्रलगुवाहाटी) साप्ताहिक स्पेशल की अतिरिक्त सेवा 16 जुलाई से शुरू की गयी है। यह ट्रेन 3 सितंबर, 2026 तक कानपुर सेंट्रल से प्रत्येक गुरुवार को 08:00 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 04128 (गुवाहाटी-कानपुर-सेंट्रल) साप्ताहिक स्पेशल की अतिरिक्त सेवा 17 जुलाई से शुरू की गयी है। यह ट्रेन 4 सितंबर, 2026 तक गुवाहाटी से प्रत्येक शुक्रवार को 22:00 बजे प्रस्थान करेगी। दोनों ट्रेनों की सेवाएं अपने प्रारंभिक स्टेशनों से अतिरिक्त 08 फेरों के लिए चलेगी। इन अतिरिक्त फेरों के परिचालन से विशेष रूप से गुवाहाटी आने-जाने वाले यात्रियों को व्यस्त यात्रा अवधि के दौरान काफी राहत मिलने की उम्मीद है। यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा प्रारंभ करने से पहले एनटीईएस अथवा रेलवे के अन्य आधिकारिक सूचना माध्यमों से ट्रेन की विस्तृत समय-सारणी, मार्ग एवं ठहराव की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे यात्रियों की बढ़ती यात्रा आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर अतिरिक्त रेल सेवाएं उपलब्ध कराकर उनकी यात्रा को अधिक सुविधाजनक बनाने को निरंतर प्रतिबद्ध है।

सोनम वांगचुक का आंदोलन कितना जायज

अजय बोकिल

जैसी कि संभावना थी, वही हुआ। दिल्ली के जंतर-मंतर पर 20 दिनों से आमरण अनशन पर बैठे सामाजिक एवं पर्यावरण कार्यकर्ता (एक्टिविस्ट), सोनम वांगचुक को शनिवार तड़के पुलिस जबरन उठा ले गयी और उनकी बिगड़ती हालत के मद्देनजर सफदरजंग अस्पताल में भर्ती करा दिया। पुलिस ने वहां जुटे प्रदर्शनकारियों को भी चलता किया।

हालांकि सोनम की जगह कॉकरोच जनता पार्टी के संयोजक अभिजीत दिपके अब अनशन पर बैठ गये हैं, लेकिन फिलहाल इस आंदोलन के भविष्य पर प्रश्न चिन्ह लग गया है और सोनम वांगचुक द्वारा 20 जुलाई का प्रस्तावित मार्च भी खटाई में पड़ गया है।

लद्दाख के मूल निवासी सोनम की सरकार से यूं तो कई मांगें हैं, लेकिन मुख्य रूप से वो नीट परीक्षा में घोटाले के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफा और प्रतियोगी परीक्षा प्रणाली में सुधार प्रमुख हैं। सोनम के ताजा आंदोलन के औचित्य, टाइमिंग, उसके सामाजिक राजनीतिक असर और सरकार के रवैये को लेकर मोटे तौर पर दो अलग-अलग राय हैं।

पहले वर्ग का मानना है कि सरकार को निष्ठुरता और बेरुखी दिखाने के बजाये सोनम की मांगों पर संवेदनशीलता से विचार और संवाद करना चाहिए। क्योंकि सोनम जो कर रहे हैं, वो विरोध का गांधीवादी तरीका है और लोकतंत्र में इसका समुचित सम्मान होना चाहिए।

दूसरे वर्ग का मानना है कि सोनम की मांगें ऐसी नहीं हैं कि जिसकी खातिर वो अपनी जान की बाजी लगा दें। उनकी मांग मुख्य तौर पर व्यवस्था सुधार से जुड़ी हैं, उसे मनवाने और सरकार पर समुचित दबाव बनाने के लिए अनशन की जगह सड़कों पर संगठित आंदोलन ज्यादा कारगर होता।

वैसे भी वर्तमान सरकार ऐसे आंदोलनों के दबाव में नहीं आती। लिहाजा आमरण अनशन से निजी शोहरत और सहानुभूति तो मिल सकती है, जमीनी लाभ नैतिक समर्थन से ज्यादा कुछ नहीं मिलता। व्यावहारिक दृष्टि से भी सोनम के आंदोलन के पीछे कई राजनीतिक और सामाजिक पेंच हैं।

कुछ सियासी पार्टियों ने सोनम का अब तक जबानी समर्थन किया है, तो कांग्रेस जैसी सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी शुरू से ही इसे संदेह की नजर से देखते हुए आंदोलन से दूरी बनाये हुए है। और तो और जिन युवाओं की खातिर सोनम आमरण अनशन कर रहे हैं, उनकी रुचि भी इस आंदोलन में ज्यादा नहीं दिखती। यानी परीक्षाओं में गड़बड़ी को लेकर उनके मन में भी रोष तो है, लेकिन वह इतना भी नहीं है कि वो अपनी वर्च्युअल दुनिया छोड़कर वास्तविक दुनिया में कफन बांध कर उतर आएं।

सोनम के साथ मैदानी तौर पर वो सीजेपी है, जिसका खुद का वजूद भी वर्च्युअल ही ज्यादा है। जबकि तमाम एआई और डिजिटल प्रगति के बावजूद हकीकत में जन आंदोलन सड़कों पर ही करने पड़ते हैं। उसमें भी निरंतरता चाहिए न कि जेन जी तरह एक टेम्परेरी इवेंट का क्रेज।

वैसे भी आंदोलनों के मामले से निपटने का मोदी सरकार का तरीका पूर्ववर्ती सरकारों की तुलना में काफी भिन्न है, जिस पर बहस की गुंजाइश हमेशा रही है। मसलन सरकार ने अगर किसी आंदोलन को ढील दी हो या अचानक अपने कदम पीछे खींच लिए हो, तो जो आगे होता है, वह राजनीतिक लाभ-हानि के तहत ही होता है। और इतनी सफाई और बेरहमी से होता है कि उन आंदोलनो का अपेक्षित चुनावी लाभ विपक्षी पार्टियों को नहीं मिल पाता।

बावजूद तमाम नैतिक समर्थन, सहानुभूति और संवेदनशीलता के आग्रह के, सोनम वांगचुक का आंदोलन भी उसी दिशा में जाता दिख रहा है। इसके पहले दिल्ली हाईकोर्ट और डॉक्टरों ने भी भूख हड़ताल पर बैठे सोनम की गिरती सेहत को लेकर गहरी चिंता जताते हुए उनका ध्यान रखने की हिदायत दी थी। शनिवार सुबह हुई पुलिस कार्रवाई में भी इसी को आधार बनाया गया।

पुलिस कर्मी सादे कपड़ों में पहुंचे और सोनम को उठा ले गये। हालांकि सीजेपी नेता अभिजीत दिपके ने पुलिस पर आंदोलनकारियों पर लाठी चार्ज करने का आरोप लगाया। इस कार्रवाई के एक दिन पहले ही दिल्ली के पुलिस कमिश्नर को भी बदल दिया गया था। गौरतलब है कि जंतर मंतर पर इस आंदोलन की शुरुआत अभिजीत दिपके ने की थी और सोनम वांगचुक इसमें 28 जून को शामिल हुए थे।

कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित सोनम वांगचुक के आंदोलन में शामिल होने के बाद इसे अंतर्राष्ट्रीय मीडिया में भी सुर्खी मिलने लगी। अमेरिका के न्यूयॉर्क टाइम्स ने लिखा है कि लाखों भारतीय छात्रों के लिए न्याय की मांग कर रहे युवाओं के आंदोलन को वांगचुक की भूख हड़ताल से नयी गति मिली है।

इसी अखबार को दिये इंटरव्यू में सोनम ने कहा कि सीजेपी का आंदोलन उस संघर्ष से जुड़ा हुआ है, जिसे मैंने अपनी युवावस्था में शुरू किया था। यह भी उल्लेखनीय है कि आमरण अनशन के दौरान सोनम का वजन साढ़े 9 किलो तक कम हो गया है। लिहाजा कई नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओंऔर कलाकारों ने सोनम से अनशन समाप्त करने की अपील भी की।

जहां तक सोनम के वर्तमान आंदोलन की बात है तो उसको लेकर कई सवाल हैं। पहला तो यह कि सोनम केंद्रीय शिक्षा मंत्री से जो इस्तीफा मांग रहे हैं, वह राजनीतिक मांग है। सो सरकार शायद ही माने। उनकी प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक बंद करने और व्यवस्थाओं को पुख्ता बनाने की मांग जायज है, लेकिन जिस नीट यूजी के संदर्भ में वो ये मांग कर रहे हैं, उसकी तो पुनर्परीक्षा भी हो गयी तथा रिजल्ट भी घोषित हो गया।

रीएजाम में व्यवस्थाएं पुख्ता रहीं और नतीजों को सभी ने स्वीकार किया। साथ ही सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में ऑन लाइन मार्किंग को लेकर हुआ विवाद भी हल हो गया है। ऐसे में दूसरी मांग का महत्व केवल सैद्धांतिक ही रह जाता है।

इसी तरह देश में भ्रष्टाचार, महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याएं जैसे स्थायी मुद्दे हैं, लेकिन उनको लेकर भी कोई बड़ा आंदोलन (किसान आंदोलन छोड़ दें) तो अन्ना आंदोलन के बाद बीते डेढ़ दशक में खड़ा नहीं हो सका है।

दूसरे, पेपर लीक मामले के भुक्त भोगी युवा भी अगर सोनम के आंदोलन से ज्यादा नहीं जुड़ रहे तो इस आंदोलन के औचित्य पर उन्हें पुनर्विचार करना चाहिए। वैसे भी आज के जमाने में किसी भी मुद्दे पर युवाओं को सड़कों तक खींच लाना शिव धनुष उठाने जैसी चुनौती है। क्योंकि युवाओं की समस्याएं भले ही जायज और पुरानी हो, लेकिन विचार और एप्रोच की दृष्टि बहुत एकाकी और आत्मकेंद्रित है।

सत्ता और व्यवस्था परिवर्तन जैसे बड़े उद्देश्यों के लिए व्यापक आंदोलन की खातिर समुचित भीड़ जुटाना अब टेढ़ी खीर है, खासकर उस पीढ़ी से जो आपसी संवाद, प्रेम और नफरत भी व्हाट्सएप मैसेजों और सोशल मीडिया के जरिये करती हो। विपक्षी पार्टियों ने भी सोनम के आंदोलन को जबानी समर्थन इस सावधानी के साथ दिया कि कहीं इसका श्रेय सोनम अकेले न ले जाएं। बहुत से बुद्धिजीवियों में सोनम के आंदोलन को लेकर कुछ ज्यादा ही संवेदना थी।

एक पत्रकार ने इस मुद्दे पर आम लोगों की निर्लिप्तता पर क्षुब्ध होकर लिखा कि आज की पीढ़ी को सोनम रघुवंशी चाहिए, सोनम वांगचुक नहीं। यह अपने आप में प्रतीकात्मक बात थी। अलबत्ता सोनम के समर्थन में कुछ मशहूर हस्तियों की सोशल मीडिया पोस्ट देखने को मिलीं, जिससे कुछ खास बनना बिगड़ना नहीं था।

शायद सरकार को भी इस आंदोलन की गहराई का पूरा अंदाजा था, इसलिए उसने शुरू में उसे अनदेखा किया और पानी सिर से गुजरते ही सोनम को अस्पताल पहुंचा दिया। अब आगे इस आंदोलन को फिर से जिंदा करना आसान नहीं है। संभव है कि सरकार की नजर में आंदोलनजीवी सोनम फिर कोई नया मुद्दा लेकर फिर अनशन पर बैठ जाएं। इसी संदर्भ में एक अहम बात अभिनेता आमिर खान का स्पष्टीकरण है।

आमिर ने सोनम के आंदोलन का समर्थन तो किया, साथ में यह भी कहा कि उनकी हिट फिल्म थ्री इडियट्स का चर्चित पात्र रैंचो (फुनसुख वांगडू) सोनम वांगचुक से प्रेरित नहीं था। अभी तक यही माना जाता रहा है कि उस चरित्र के पीछे प्रेरणा सोनम वांगचुक थे। आमिर ने यह सफाई अभी क्यों दी, यह भी बड़ा सवाल है।

वैसे सोनम पहले भी आमरण अनशन करते रहे हैं। इस मामले में उनकी तुलना महाराष्ट्र के मनोज जरांगे से की जा सकती है, जो हर दो-चार महीने में मराठा आरक्षण को लेकर आमरण अनशन शुरू कर देते हैं, लेकिन राजनीति के दुष्चक्र को अभी तक नहीं भेद पाये हैं। पिछले साल भी सोनम केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और राज्य में छठी अनुसूची लागू करने की मांग को लेकर गांधीवादी तरीके 15 दिनों तक क्रमिक अनशन पर बैठे थे। लेकिन बाद में आंदोलन के हिंसक होने से सोनम को अपना अनशन समाप्त करना पड़ा था। सरकार ने इस हिंसा के लिए वांगचुक को ही जिम्मेदार माना था।

दरअसल साठ वर्षीय सोनम वांगचुक को एक नवाचारी, पर्यावरणवादी और शिक्षा विद के रूप में जाना जाता है। उनके पिता भी जम्मू-कश्मीर राज्य में मंत्री रहे हैं। वो पेशे से इंजीनियर हैं और जनआंदोलन में अग्रणी रहे हैं। लेकिन जब से वो राजनीतिक आंदोलन में शामिल हुए हैं, सरकार के निशाने पर हैं। हालांकि वो हिम्मत हारने वालों में से नहीं है। देखने की बात यह है कि सोनम अब आगे क्या करते हैं और सरकार उनके साथ क्या सलूक करती है?

राकांपा के राजनीतिक भविष्य को लेकर अटकलें

शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) का राजनीतिक भविष्य तब चर्चा में आ गया, जब राकांपा के दोनों गुटों के वरिष्ठ नेताओं ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस के साथ अलग-अलग बैठकें कीं, जिससे संभावित राजनीतिक पुनर्गठन की नयी अटकलें तेज हो गयी हैं। सूत्रों के अनुसार, शरद पवार अगले परिसीमन अभ्यास को संचालित करने के लिए, नरेंद्र मोदी सरकार के विवादास्पद विधेयक का समर्थन करने के लिए तैयार हैं।

यदि पुष्टि हो जाती है, तो यह कदम विपक्ष के संयुक्त रुख से एक अलग राह होगा। इस बीच, राकांपा (शरद पवार) सांसद सुप्रिया सुले ने अटकलों की पुष्टि करने से इनकार कर दिया लेकिन संकेत दिया कि विधेयक पर गुट का रुख इसके अंतिम रूप और स्वरूप पर निर्भर करेगा। सरकार 20 जुलाई से शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र के दौरान संविधान (131वां संशोधन) विधेयक पेश करने की उम्मीद कर रही है।

कांग्रेस विधेयकों का विरोध करेगी : कांग्रेस संसदीय रणनीति समूह ने पार्टी की रणनीति पर चर्चा करने के लिए सीपीपी अध्यक्ष सोनिया गांधी के साथ एक रणनीतिक बैठक की और पार्टी मानसून सत्र के दौरान संसद में राम मंदिर दान चोरी, इथेनॉल-मिश्रित ईंधन, प्रश्न पत्र लीक, बढ़ती तेल कीमतें और भारत-अमरीका व्यापार सौदे जैसे मुद्दों को उठाएगी। पार्टी ने यह भी घोषणा की कि वह परिसीमन और मंत्रियों व मुख्यमंत्रियों को हटाने पर प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयकों, साथ ही सत्र के दौरान पेश किये जाने वाले कई अन्य कानूनों का कड़ा विरोध करेगी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और अन्य वरिष्ठ सांसदों ने कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में भाग लिया। बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व उन दलों के साथ समन्वय कर रहा है, जिन्होंने 17 अप्रैल को लोकसभा में संविधान (130वां संशोधन) विधेयक को हराने के लिए, एक साथ मतदान किया था। इंडिया गुट 20 जुलाई को एक संयुक्त रणनीति बैठक आयोजित करने वाला है, जबकि सरकार ने 19 जुलाई को सर्वदलीय बैठक बुलायी है।

ममता को झटके पर झटका : तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में बढ़ते दलबदल के बीच, पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने पार्टी छोड़ने की योजना बना रहे नेताओं से कहा कि वे 21 जुलाई की शहीद दिवस रैली से पहले ऐसा कर लें, प्रस्थान से संगठन किसी भी तरह से कमजोर नहीं होगा। दूसरी ओर, जानी-मानी अभिनेत्री कोयल मल्लिक ने राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया, जिससे तृणमूल कांग्रेस की संसदीय ताकत को एक और झटका लगा। इसके तुरंत बाद, कोयल ने दिल्ली में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से उनके आवास पर मुलाकात की, जिससे उनके अगले कदम को लेकर अटकलें तेज हो गईं। यह मोड़ तब आया है, जब ममता के विश्वसनीय सहयोगी और वरिष्ठ तृणमूल विधायक मदन मित्रा, ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले विद्रोही तृणमूल खेमे में शामिल हो गये। इस बीच, ममता बनर्जी ने स्पष्ट कर दिया है कि वह अपनी राजनीतिक पारी समाप्त करने से कोसों दूर हैं, कोरबो, लोरबो, बचबो (मैं लड़ूंगी और जीवित रहूंगी)।

कांग्रेस ने भी की प्रधान के इस्तीफे की मांग : सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए, कांग्रेस ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की है। कांग्रेस सांसद और वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने शुक्रवार को वांगचुक से मुलाकात की और असंवेदनशील केंद्र सरकार पर लोकतांत्रिक विरोध की भाषा को न समझने का आरोप लगाया। पिछले तीन हफ्तों में, आप, सपा, शिवसेना (यूबीटी), टीएमसी, भाकपा, भाकपा (माले)-लिबरेशन और राजद सहित कई दलों ने आंदोलन का समर्थन किया है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और समाजवादी पार्टी की नेता डिंपल यादव ने विरोध स्थल पर वांगचुक और अन्य प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की।

पंजाब में चन्नी खेमे की मांगें बरकरार : पंजाब कांग्रेस में गंभीर और मजबूत गुटीय कलह के बीच, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पंजाब के पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी से मुलाकात नहीं की। जबकि कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने चन्नी, सुखजिंदर रंधावा, राणा गुरजीत सिंह, विजय इंदर सिंगला और परगट सिंह से अलग-अलग मुलाकात की। हालांकि, राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पंजाब के प्रभारी कांग्रेस महासचिव भूपेश बघेल इस चिंता में हैं कि दबाव में पंजाब कांग्रेस प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को बदलने से गलत संदेश जाएगा। नेतृत्व यह भी समझ रहा है कि राज्य इकाई के भीतर मौजूदा जातीय संतुलन को ध्यान में रखा जाए, जिसमें वड़िंग जाट सिख समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं और चन्नी एक प्रमुख दलित चेहरा हैं। इस बीच, चन्नी और रंधावा ने बगावत का झंडा बुलंद कर दिया है और इन संकेतों के बावजूद कि पार्टी नेतृत्व राज्य इकाई प्रमुख में बदलाव पर विचार नहीं कर रहा है, चन्नी खेमे ने अपनी मांगें जारी रखीं, जिससे पंजाब कांग्रेस के भीतर व्यापक दरार को लेकर अटकलें तेज हो गईं।

-राहिल नोरा चोपड़ा

परिसीमन बिल मानसून सत्र में बहेगा या तैरेगा

विजय विद्रोही

संसद का मॉनसून सत्र 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। यह 13 अगस्त तक चलेगा। कुल 25 दिन, शनिवार, रविवार हटा दिये जाएं तो 19 दिन संसद बैठेगी। 3 दिन प्राइवेट मैंबर बिल के होंगे तो कुल मिलाकर 16 दिन ही असली काम हो पाएगा। इन 16 दिनों में मोदी सरकार आधा दर्जन बिल पास कराने की कोशिश करेगी। उधर विपक्ष जोर देगा कि आधा दर्जन मुद्दों पर बहस हो। यानी हंगामा होना तय है। इस बीच लोकसभा में तस्वीर बदली-बदली नजर आएगी।

द्रमुक के 22 सांसद कांग्रेस से दूरी बनाकर बैठे दिखाई देंगे। टीएमसी के 20 सांसद सत्ता पक्ष के साथ नजर आएंगे। उद्धव ठाकरे के 6 सांसद भी एकनाथ शिंदे की शिवसेना के साथ होंगे। टीएमसी के चूंकि अब 8 सांसद ही बचे हैं, लिहाजा उन्हें पीछे के बैंचों पर जाना पड़ सकता है। सवाल उठता है कि क्या कम होती संख्या के कारण विपक्ष की आवाज में वह आक्रामकता नहीं दिखेगी, जो पिछले बजट सत्र में दिखायी दी? क्या इसका असर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर भी पड़ेगा? पिछले 12 सालों में शायद यह पहला मौका होगा, जब विपक्ष के पास मुद्दों की कोई कमी नहीं रहेगी। राम मंदिर चढ़ावा चोरी, नीट आदि पेपर लीक और उससे जुड़े शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग, वन मंत्री भूपेंद्र यादव के निजी स्टाफ को हटाया जाना, कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी का खाद सबसिडी कांड, बढ़ती महंगाई, खाड़ी युद्ध से जुड़ी विदेश नीति, चीन और बंगलादेश के बीच बढ़ती नजदीकियां, ट्रम्प प्रशासन से होने वाली संभावित व्यापार डील आदि-आदि। उधर सत्ता पक्ष ने विपक्ष में सेंधमारी कर उस एकता को तोड़ने की कोशिशें तेज कर दी हैं, जिसकी वजह से पिछली बार परिसीमन बिल तीन-चौथाई बहुमत न होने के कारण गिर गया था।

इस बार राज्य सभा में तो दो-तिहाई बहुमत का लगभग जुगाड़ हो गया है। वहां भाजपा को 161 सांसद चाहिए। मोदी सरकार के पास 155 हैं; इनमें बंगाल से 3 सांसद शामिल हैं, जो 24 जुलाई को निवरोध विजेता घोषित कर दिये जाएंगे। अगर गैर एनडीए, गैर इंडिया फ्रंट के कुछ सांसद साथ आ जाते हैं या वोटिंग से नदारद हो जाते हैं तो परिसीमन बिल पास हो सकता है। लेकिन लोकसभा में यह आंकड़ा 320 के आसपास झूल रहा है, जबकि दो-तिहाई बहुमत के लिए 360 की जरूरत पड़ेगी। सब कुछ द्रमुक के 22 सांसदों के रुख पर निर्भर करता है। मनाने-समझाने की कोशिश चल रही है।

भले ही सुप्रिया सुले खंडन कर चुकी हों लेकिन उनकी पार्टी के 8 सांसदों के समर्थन की उम्मीद मोदी सरकार ने छोड़ी नहीं है। इतना तय है कि इस बार पूरा होमवर्क करने के बाद ही मोदी सरकार परिसीमन बिल को संशोधित रूप से पेश करेगी। संशोधन यह होगा कि इस बार सरकार बिल में लिख कर देगी कि सभी राज्यों की लोकसभा सीटों में 50 फीसदी का इजाफा होगा। परिसीमन में 170 लोकसभा सीटों का स्वरूप नये सिरे से तय किये जाने की बात की जा रही है। 69 वर्तमान लोकसभा सीटों के 2 और 111 सीटों के 3 टुकड़े कर दिये जाएंगे। विभाजन इस तरह होगा, जिससे विपक्ष का वोट बैंक 2 या 3 सीटों में विभाजित हो जाए। कुल सीटें 850 के आसपास करना और उनमें से एक-तिहाई महिलाओं के खाते में डालना 2029 की चुनावी गणित को बदलने की पूरी क्षमता रखता है। अगर परिसीमन बिल पास हो जाता है तो उसका सीधा असर अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों पर पड़ना तय है।

मानसून सत्र में एक अन्य विवादित बिल पेश होना है, जिस पर व्यापक हंगामा होना भी तय है। बिल कहता है कि अगर प्रधानमंत्री, उनके मंत्री, मुख्यमंत्री, उनके मंत्रियों पर गंभीर आपराधिक मामला दर्ज होता है और गिरफ्तारी के 30 दिन तक भी अगर जमानत नहीं मिलती है तो आरोपी अपने पद पर से अपने आप ही हटा हुआ माना जाएगा। संसद की संयुक्त समिति ने अपनी रिपोर्ट दे दी है। इसमें कुछ संशोधन किये गये हैं। अब सिर्फ उन्हीं मामलों को गंभीर माना जाएगा, जिनमें आरोप सिद्ध होने पर 5 साल या उससे ज्यादा की सजा हो। इसके अलावा अगर 30 दिन बाद पद से हटे व्यक्ति को मान लीजिए कि 35 या 40 दिन बाद जमानत मिल जाती है तो वह अपने पद पर फिर से बहाल किया जा सकता है? यह देखना दिलचस्प होगा कि संशोधन पर विपक्ष का सुर क्या रहता है। विपक्ष मनीष सिसोदिया, अरविंद केजरीवाल और हेमंत सोरेन का उदाहरण दे रहा है, जिन्हें जमानत मिलने में महीनों लग गये।

एक देश एक चुनाव का बिल भी क्या सरकार मानसून सत्र में रखने को उत्सुक है? एक देश एक चुनाव पर संसद की संयुक्त समिति की अंतिम रिपोर्ट 10 अगस्त को सदन में रखी जाएगी। उसके बाद सिर्फ 3 दिन ही बचेंगे। लिहाजा बिल रखा भी जाए और उस पर बहस भी हो जाए, ऐसा संभव नहीं लगता। वैसे भी इस बिल को पास कराने के लिए संविधान की कुछ धाराओं में परिवर्तन करना पड़ेगा, जिसके लिए फिर वही दो-तिहाई बहुमत की जरूरत पड़ेगी। अब यह भी जरूरी नहीं कि परिसीमन बिल पर सरकार का समर्थन करने वाले कुछ दल या संभावित दल एक देश एक चुनाव बिल पर भी समर्थन करें। लिहाजा लगता है कि सरकार इस बिल को संसद में सिर्फ पेश कर अगले शीतकालीन सत्र के लिए छोड़ देगी। कुल मिलाकर इस बार मानसून सत्र में विपक्ष की एकता कसौटी पर परखी जानी है। विपक्ष में टूट-फूट जरूर हुई है लेकिन अगर वह डटा रहा तो लोकसभा में सरकार को दो-तिहाई बहुमत के लाले पड़ सकते हैं। तय है कि बीच का रास्ता सरकार को ही निकालना होगा।

क्या युवाओं पर केंद्रित हो रही है कांग्रेस की नयी राजनीति?

जयसिंह रावत

लोक सभा में प्रतिपक्ष के नेता और कांग्रेस की उम्मीद राहुल गांधी की देहरादून में 17 जुलाई को आयोजित छात्रों की गूंज कार्यक्रम केवल एक राजनीतिक सभा नहीं थी। यह कांग्रेस की बदलती राजनीतिक प्राथमिकताओं और भविष्य की चुनावी रणनीति का ऐसा संकेत भी थी, जिसे केवल उत्तराखंड के संदर्भ में नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के व्यापक परिप्रेक्ष्य में भी पढ़े जाने की आवश्यकता है।

राजस्थान के कोटा से प्रारंभ हुए इस अभियान का दूसरा बड़ा पड़ाव उत्तराखंड बना। यह चयन संयोग नहीं माना जा सकता।

पिछले कुछ वर्षों में उत्तराखंड भर्ती परीक्षाओं में कथित पेपर लीक, चयन प्रक्रियाओं पर सवाल, बढ़ती बेरोजगारी और युवाओं में गहराते असंतोष के कारण राष्ट्रीय चर्चा का विषय रहा है। कांग्रेस ने इन्हीं परिस्थितियों को राजनीतिक विमर्श के केंद्र में लाने का प्रयास किया।

कार्यक्रम का सबसे उल्लेखनीय पक्ष यह रहा कि राहुल गांधी ने अपने पूरे संबोधन को लगभग पूरी तरह पेपर लीक, रोजगार, शिक्षा व्यवस्था और युवाओं के भविष्य तक सीमित रखा।

उन्होंने राज्य सरकार या केंद्र सरकार पर राजनीतिक हमलों के लिए उपलब्ध अनेक अन्य विवादित मुद्दों-महंगाई, अंकिता भंडारी हत्याकांड, बदरीनाथ धाम में दान राशि चोरी, दो कार्यकाल की एंटी-इंकम्बेंसी अथवा सामाजिक-राजनीतिक विवादों को लगभग पूरी तरह अनदेखा किया। यह चयन स्वयं में राजनीतिक संदेश देता है।

दरअसल, भाजपा और राज्य सरकार ने भी राहुल गांधी के संभावित राजनीतिक हमलों का पूर्वानुमान लगाया हुआ था। उत्तराखंड सैनिक परंपरा वाला राज्य है। बड़ी संख्या में युवा सेना में भर्ती होते रहे हैं। माना जा रहा था कि राहुल गांधी अग्निवीर योजना को प्रमुख मुद्दा बनाएंगे।

यही कारण था कि उनके कार्यक्रम से कुछ घंटे पहले राज्य सरकार ने अग्निवीरों के सम्मान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया तथा राज्य स्तर पर अग्निवीर प्रकोष्ठ के गठन की घोषणा भी कर दी। राजनीतिक दृष्टि से यह एक प्रकार की पूर्व तैयारी थी।

किंतु राहुल गांधी ने इस विषय को छूने के बजाय अपना पूरा फोकस युवाओं की शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता और रोजगार पर केंद्रित रखा। इससे यह संकेत मिलता है कि कांग्रेस फिलहाल उन मुद्दों को प्राथमिकता देना चाहती है, जिन पर उसे व्यापक सामाजिक सहमति और राजनीतिक स्वीकार्यता मिलने की संभावना दिखायी देती है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि राहुल गांधी पिछले कुछ वर्षों में अपनी राजनीति का स्वरूप लगातार बदलते दिखाई देते हैं। भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान उन्होंने आर्थिक असमानता, सामाजिक न्याय और संविधान की रक्षा जैसे विषयों को केंद्र में रखा था। अब छात्रों की गूंज अभियान में युवाओं और शिक्षा को प्रमुख स्थान दिया गया है।

कोटा में उन्होंने वर्तमान शिक्षा व्यवस्था को 'रिजेक्शन सिस्टम' बताते हुए कहा था कि व्यवस्था छात्रों को अवसर देने के बजाय उन्हें बाहर करने का माध्यम बन गयी है। देहरादून में भी उनके भाषण का मूल स्वर यही रहा कि शिक्षा और रोजगार के बीच बढ़ती खाई युवाओं के भीतर गहरा असंतोष पैदा कर रही है।

उत्तराखंड का चयन भी राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्य में पिछले कुछ वर्षों के दौरान अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, विभिन्न भर्ती परीक्षाओं और अन्य चयन प्रक्रियाओं में कथित अनियमितताओं ने हजारों युवाओं को प्रभावित किया। राज्य सरकार ने नकल विरोधी कानून लागू किया, अनेक गिरफ्तारियां हुईं और जांच एजेंसियों ने कार्रवाई भी की।

सरकार का दावा है कि उसने भर्ती प्रणाली को पहले की अपेक्षा अधिक पारदर्शी बनाया है। दूसरी ओर विपक्ष का आरोप है कि केवल कठोर कानून बना देना पर्याप्त नहीं है; युवाओं का विश्वास तभी लौटेगा जब समयबद्ध, निष्पक्ष और नियमित भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित होगी। यहीं वह राजनीतिक रिक्ति है, जिसमें कांग्रेस अपनी संभावनाएं तलाश रही है।

राजनीतिक दृष्टि से देखें तो राहुल गांधी का यह कार्यक्रम पारंपरिक विपक्षी राजनीति से कुछ अलग दिखाई देता है। सामान्यतः विपक्ष सरकार को घेरने के लिए उपलब्ध हर मुद्दे का उपयोग करता है। लेकिन देहरादून में राहुल गांधी ने अपेक्षाकृत संयमित रणनीति अपनाई।

उन्होंने आरोपों की सूची प्रस्तुत करने के बजाय एक ही विषययुवाओं के भविष्यपर लगातार बल दिया। इससे यह आभास मिलता है कि कांग्रेस फिलहाल अपने राजनीतिक संदेश को बिखरने देने के बजाय सीमित लेकिन प्रभावी मुद्दों पर केंद्रित रखना चाहती है।

इसके पीछे एक महत्वपूर्ण चुनावी गणित भी दिखायी देता है। भारत विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में है। पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं की संख्या लगातार बढ़ रही है।

बेरोजगारी, प्रतियोगी परीक्षाओं में देरी, पेपर लीक, निजी शिक्षा की बढ़ती लागत और सरकारी नौकरियों के सीमित अवसर लगभग हर राज्य के युवाओं की साझा चिंता बन चुके हैं। जातीय और क्षेत्रीय मुद्दों से परे यह ऐसा प्रश्न है, जो देशव्यापी राजनीतिक विमर्श का आधार बन सकता है। संभवतः इसी कारण कांग्रेस इस विषय को राष्ट्रीय अभियान का स्वरूप देने का प्रयास कर रही है।

हालांकि यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि केवल राजनीतिक विमर्श से युवाओं की समस्याओं का समाधान नहीं होगा। यदि विपक्ष इन मुद्दों को लगातार उठाता है तो सरकारों पर सुधार का दबाव बढ़ेगा, लेकिन अंततः सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता कितनी बढ़ती है, रिक्त पद कितनी शीघ्रता से भरे जाते हैं और रोजगार सृजन की गति कितनी तेज होती है।

उत्तराखंड सहित अनेक राज्यों में शिक्षित बेरोजगारों की बढ़ती संख्या सरकारों के सामने वास्तविक चुनौती बनी हुई है।

भाजपा की ओर से भी यह समझा जा रहा है कि युवाओं का यह वर्ग आगामी चुनावों में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। इसलिए केंद्र और राज्य सरकारें कौशल विकास, स्टार्टअप, स्वरोजगार, डिजिटल अर्थव्यवस्था और सैन्य सेवाओं से जुड़े अवसरों को लगातार सामने रख रही हैं।

अग्निवीर योजना के समर्थन में राज्य सरकार की सक्रियता भी इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा मानी जा सकती है। अर्थात दोनों प्रमुख दल अब युवाओं को अपने राजनीतिक विमर्श के केंद्र में रखने लगे हैं, भले ही उनके समाधान और प्राथमिकताएं अलग-अलग हों।

देहरादून का कार्यक्रम एक और संकेत देता है। भारतीय राजनीति लंबे समय तक पहचान आधारित मुद्दोंजाति, धर्म, क्षेत्र और व्यक्तित्वके इर्द-गिर्द घूमती रही है। लेकिन अब रोजगार, शिक्षा, परीक्षा व्यवस्था और अवसरों की समानता जैसे विषय भी समानांतर रूप से राजनीतिक एजेंडा बनते दिखायी दे रहे हैं। यह परिवर्तन धीमा अवश्य है, परंतु महत्वपूर्ण है।

यदि राजनीतिक दल इन प्रश्नों को केवल चुनावी नारों तक सीमित रखने के बजाय ठोस नीतिगत बहस का हिस्सा बनाते हैं तो भारतीय लोकतंत्र की गुणवत्ता भी बेहतर होगी।

अंततः देहरादून का छात्रों की गूंज कार्यक्रम केवल राहुल गांधी की एक सभा भर नहीं था। यह कांग्रेस की बदलती राजनीतिक प्राथमिकताओं की झलक भी था। पार्टी ने संकेत दिया है कि वह युवाओं के बीच अपनी राजनीतिक जमीन शिक्षा, रोजगार और अवसरों के सवालों पर तैयार करना चाहती है। यह रणनीति कितनी सफल होगी, इसका उत्तर भविष्य देगा।

किंतु इतना स्पष्ट है कि आने वाले वर्षों में भारतीय राजनीति का सबसे महत्वपूर्ण चुनावी प्रश्न केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि युवाओं का भविष्य, रोजगार की गुणवत्ता और शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता भी होगा। यदि ऐसा होता है तो यह भारतीय लोकतंत्र के विमर्श में एक महत्वपूर्ण बदलाव माना जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

ड्यूटी से लौट रही नर्स की सड़क हादसे में मौत

गोरखपुर, एजेंसी। बेलीपार थाना क्षेत्र के भौवापार निवासी 22 वर्षीय नर्स प्रेरणा गौड़ की बृहस्पतिवार रात सड़क हादसे में मौत हो गई। गोरखपुर के एक निजी अस्पताल से ड्यूटी कर घर लौटते समय अमरूद मंडी के पास अज्ञात वाहन ने उनकी स्कूटी में पीछे से टक्कर मार दी। घायलावस्था में उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। पराग गौड़ की बेटी प्रेरणा बृहस्पतिवार रात करीब आठ बजे अस्पताल से ड्यूटी कर घर लौट रही थी तभी यह घटना हुई। घटना के बाद चालक वाहन लेकर भाग गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया गया लेकिन बचाया नहीं जा सका। प्रेरणा पांच भाई-बहनों में सबसे बड़ी थी। उनके पिता पराग गौड़ बंगलूरू में पेंट-पॉलिश का काम करते हैं। वह इन दिनों घर आए हुए हैं। प्रेरणा पिछले तीन वर्षों से एक निजी अस्पताल में नर्स के रूप में कार्यरत थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है।

जयंती पर कैलाश प्रकाश को दी श्रद्धांजलि

मेरठ, एजेंसी। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग में शुक्रवार को विश्वविद्यालय के संस्थापक स्वर्गीय कैलाश प्रकाश की जयंती मनाई गई। इसमें उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान शिक्षा, समाज, चिकित्सा सहित अन्य क्षेत्रों में उनके योगदान को याद किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इतिहास विभागाध्यक्ष प्रो. कृष्णकांत शर्मा ने की। उन्होंने कहा कि कैलाश प्रकाश ने अपना संपूर्ण जीवन समाज और शिक्षा के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की स्थापना में भी स्व. कैलाश प्रकाश का योगदान अमूल्य है। उनके दूरदर्शी नेतृत्व और अथक प्रयासों के कारण मेरठ को उच्च शिक्षा का प्रमुख केंद्र बनने का गौरव प्राप्त हुआ। आराधना ने कैलाश प्रकाश के जीवन को युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताया। प्रो. एवी कौर ने कहा कि ऐसे महान व्यक्तित्वों के आदर्श समाज को नई दिशा प्रदान करते हैं। वहीं प्रो. विघ्नेश कुमार ने कहा कि कैलाश प्रकाश ने शिक्षा, सामाजिक विकास और खेलों के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देकर मेरठ सहित पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश को नई पहचान दिलाई। उनका जीवन त्याग, सेवा और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है।

मुस्तफिजुल के भागे साथी की तलाश में जुटी एसटीएफ

गोरखपुर, एजेंसी। एक लाख रुपये के इनामी बदमाश मुस्तफिजुल रहमान उर्फ बाबू के पुलिस मुठभेड़ में मारे जाने के बाद अब एसटीएफ की जांच उसके भागे साथी की तलाश पर केंद्रित हो गई है। रामनगर-कड़जहां फोरलेन पर हुई मुठभेड़ के दौरान अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले बदमाश की पहचान और तलाश के लिए एसटीएफ तकनीकी साक्ष्यों का सहारा ले रही है। एसटीएफ की टीमें सीसीटीवी कैमरा फुटेज, सर्विलांस और मोबाइल नेटवर्क की मदद से भागे बदमाश तक पहुंचने की कोशिश कर रही हैं। जांच एजेंसियां यह भी पता लगाने में जुटी है कि मुस्तफिजुल अपने साथी के साथ गोरखपुर किस मकसद से आया था और उसके निशाने पर कौन था। एसटीएफ सूत्रों के मुताबिक, जांच में आजमगढ़ के एक नेता की हत्या की साजिश का एंगल भी सामने आया है। इसी इनपुट के आधार पर टीम ने बदमाशों की घेराबंदी की थी। मुठभेड़ में मुस्तफिजुल रहमान मारा गया जबकि उसका साथी मौका पाकर भाग गया। 13 जुलाई की रात करीब 11 बजे रामनगर-कड़जहां फोरलेन पर हुई मुठभेड़ के दौरान मुस्तफिजुल का साथी अंधेरे का फायदा उठाकर खेतों की ओर भाग निकला था।

नशा मुक्त युवा ही विकसित भारत की सशक्त नींव

गोरखपुर, एजेंसी। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के निर्देशों के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'विकसित भारत यूथ कनेक्ट कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। 'नशा मुक्त युवा-विकसित भारत' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता एवं यूथ आइकन प्रियांशु भारद्वाज ने कहा कि नशा मुक्त युवा ही विकसित भारत की सशक्त नींव है। प्रियांशु भारद्वाज ने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब देश का युवा नशामुक्त, स्वस्थ, शिक्षित एवं जागरूक होगा। नशा युवाओं की प्रतिभा, आत्मविश्वास और भविष्य को कमजोर करता है। उन्होंने युवाओं से डिजिटल साक्षरता, सामाजिक सेवा, नवाचार तथा राष्ट्रहित के कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय के नशामुक्ति अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. दिलीप मिश्रा ने कहा कि कहा कि युवाओं को नशे से दूर रहना चाहिए। डॉ. अशोक कुमार वर्मा व इंजीनियर उदयभान यादव ने कहा कि प्रतिस्पर्धा और मानसिक दबाव के कारण अनेक युवा गलत आदतों की ओर आकर्षित हो जाते हैं। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. धनंजय पांडेय, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अमित उपाध्याय, अनिल कुमार पटेल, डॉ. रवि निषाद, साध्वी नंदन पांडेय, विकास कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

बिहार के किशनगंज की तस्वीर : कुर्सी बनी एंबुलेंस

किशनगंज में बीमार बुजुर्ग महिला को लेकर डेढ़ किमी पैदल चले ग्रामीण

किशनगंज, एजेंसी। बिहार में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर कई बड़े फैसले लिए गए हैं। 2026-27 के लिए राज्य का स्वास्थ्य बजट 21,270 करोड़ है। लेकिन राज्य से आए दिन लापरवाही की पोल खुल रही है। बिहार के किशनगंज जिले से स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली और प्रशासनिक संवेदनहीनता की एक बेहद दर्दनाक तस्वीर सामने आई है।

बिहार के किशनगंज के टेढ़ागाछ प्रखंड अंतर्गत चिल्हनियां पंचायत के कास्त खर्रा गांव में बदहाल सड़क ग्रामीणों के लिए बड़ी मुसीबत बन गई है। दरअसल, लगातार हुई बारिश के बाद गांव की कच्ची सड़क पूरी तरह जलमग्न और कीचड़ में तब्दील हो गई। इस वजह से स्थानीय लोगों को मुख्य सड़क तक पहुंचने का रास्ता पूरी तरफ ठप हो गया।

बदहाल सड़क और कुर्सी पर मरीज: सड़क खराब होने के कारण गांव की एक बीमार वृद्ध महिला अलेतून निशा को अस्पताल पहुंचाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। घुटनों तक कीचड़ होने की वजह से कोई भी वाहन गांव तक नहीं पहुंच सका। इस विकट परिस्थिति ने क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं की वास्तविक और दयनीय हकीकत को पूरी तरह उजागर कर दिया है।

बीमार बुजुर्ग को डेढ़ किमी तक लेकर पैदल चले ग्रामीण: सड़क बंद होने पर स्थानीय ग्रामीण तौसीफ आलम और तबरेज आलम ने मानवता की अनूठी मिसाल पेश की। उन्होंने बीमार वृद्धा को एक कुर्सी पर बैठाया और बल्लों के सहारे सावधानीपूर्वक कीचड़ भरे रास्ते से मुख्य सड़क तक पहुंचाया। वहां से टेंपो द्वारा उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र टेढ़ागाछ में भर्ती कराया गया।

इलाके में कब पहुंचेगा एंबुलेंस: ग्रामीणों के अनुसार कास्त खर्रा गांव में वर्षों से पक्की सड़क और जल निकासी के लिए नाले के निर्माण की मांग की जा रही है। इस संबंध में कई बार संबंधित विभागों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों को लिखित आवेदन भी सौंपे गए। इसके बावजूद अब तक इस समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं निकल सका है।

कच्ची से पक्की सड़क की उम्मीद कब होगी पूरी : हर साल बारिश के मौसम में इस मुख्य रास्ते पर जलभराव होने से मरीजों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ती है। इसके अलावा स्कूली बच्चों की पढ़ाई भी बुरी तरह प्रभावित होती है। रास्ता खराब होने के कारण बच्चे समय पर अपने विद्यालय भी नहीं पहुंच पाते हैं।

कब सुनेगा प्रशासन: ग्रामीणों का कहना है कि वे सरकार को सभी प्रकार के करों का भुगतान करते हैं, फिर भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। उन्होंने स्थानीय विधायक, सांसद, त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों और जिला पदाधिकारी नवीन कुमार से शीघ्र पक्की सड़क निर्माण की मांग की है। देर होने पर भविष्य में किसी मरीज की जान जा सकती है।

सिस्टम का इलाज कब होगा : यह पूरी घटना ग्रामीण क्षेत्रों की आधारभूत संरचना की बदहाली और विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े करती है। आजादी के दशकों बाद भी धरातल पर इस तरह के दृश्य दिखाई देना प्रशासनिक दावों की पोल खोलता है। जनता अब इस समस्या से परमानेंट निजात चाहती है। इस मामले में प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा कि समस्या का परमानेंट निजात की तैयारी की जा रही है।

काशी में बढ़ा गंगा का जलस्तर, गंगा आरती की निचली सीढ़ी तक पहुंचा पानी

वाराणसी , एजेंसी। गंगा के लगातार बढ़ते जलस्तर ने घाटों पर गतिविधियों को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। शुक्रवार को गंगा का जलस्तर करीब पांच सेंटीमीटर बढ़ने के बाद दशाश्वमेध घाट पर होने वाली गंगा आरती की निचली सीढ़ी तक पानी पहुंच गया। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार शुक्रवार को गंगा का जलस्तर 60.55 मीटर दर्ज किया गया, जबकि बृहस्पतिवार को यह 60.50 मीटर था। यदि जलस्तर इसी रफ्तार से बढ़ता रहा तो अगले तीन-चार दिनों में गंगा आरती के मूल मंच तक भी पानी पहुंच सकता है। ऐसे में आरती की व्यवस्था ऊपरी हिस्से में स्थानांतरित करनी पड़ सकती है।

पिछले कुछ दिनों से गंगा के जलस्तर में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। इसका मुख्य कारण गंगा के ऊपरी क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश और बैराजों से छोड़ा जा रहा अतिरिक्त पानी है। जलस्तर बढ़ने का असर सबसे पहले घाटों की निचली सीढ़ियों पर दिखाई देता है, जहां स्नान, नौका संचालन और धार्मिक अनुष्ठान होते हैं। दशाश्वमेध घाट पर प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु और पर्यटक गंगा आरती देखने पहुंचते हैं। निचली सीढ़ियों तक पानी पहुंचने से श्रद्धालुओं के बैठने और आवाजाही की जगह कम हो गई है। जलस्तर बढ़ने का असर नौका संचालन पर भी पड़ने लगा है।

नाविकों को नाव बांधने के स्थान बार-बार बदलने पड़ रहे हैं और तेज धारा के कारण अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ रही है। जल पुलिस और एनडीआरएफ की टीमों ने घाटों पर गश्त बढ़ा दी है। सभी संवेदनशील घाटों पर सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके।

प्रदेश में आने वाले पांच दिनों तक भारी बारिश की चेतावनी, जारी हुआ विशेष अलर्ट

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश वासियों को भीषण उमस और गर्मी से राहत मिलने वाली है। प्रदेश में मौसम ने एक बार फिर करवट ले ली है। मौसम विभाग ने प्रदेश में मानसूनी सक्रियता और बादलों की आवाजाही को देखते हुए अगले पांच दिनों तक झमाझम बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। इसी के तहत राज्य के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया गया है।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी पर बना एक सुस्पष्ट निम्न दबाव का क्षेत्र पिछले 48 घंटों में उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ा है। शुक्रवार को यह पश्चिम बंगाल, उससे सटे झारखंड और उत्तरी ओडिशा के पास केंद्रित है। अगले 24 घंटों के दौरान इस सिस्टम के धीरे-धीरे कमजोर होकर उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ने और मानसूनी ट्रफ के दक्षिण की ओर खिसकने की संभावना है। इसी मौसमी बदलाव के कारण प्रदेश में मानसून तेजी से सक्रिय हो रहा है।

18 से 23 जुलाई तक मानसूनी बारिश में बढ़ोतरी : प्रदेश में 18 से 23 जुलाई के बीच मानसूनी बारिश में व्यापक बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। भारी बारिश के चलते अगले तीन से चार दिनों में तापमान में चार से छह डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट होने की संभावना है।मौसम विभाग ने भारी बारिश और ऑरेंज अलर्ट को देखते लोगों को सावधान रहने की सलाह दी है। विशेषकर आकाशीय बिजली चमकने के दौरान और जलभराव वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने को कहा गया है।

गरज-चमक के साथ आज हो सकती है बारिश : राजधानी में शुक्रवार को मौसम ठंडा रहा। पूरे दिन बादलों की आवाजाही जारी रही। मौसम विभाग ने शनिवार को गरज के साथ बौछारें पड़ने उम्मीद जताई है। प्रादेशिक मौसम केंद्र की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार, अधिकतम तापमान 35.5 और न्यूनतम तापमान 25.7 डिग्री सेल्सियस रहा, कि सामान्य तापमान से 0.4 डिग्री कम था। पूर्वानुमान के अनुसार, शनिवार दोपहर या शाम के समय बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है।

छठवीं पास ने पढ़े-लिखे अमेरिकी नागरिकों को लगाया करोड़ों का चूना, लखनऊ में बैठकर विदेशियों को लूटते थे

लखनऊ , एजेंसी। क्राइम ब्रांच और साइबर सेल ने अमेरिकी नागरिकों से साइबर ठगी करने वाले एक और अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश किया है। सुशांत गोल्फ सिटी स्थित ओमेक्स आर-2 रेजिडेंशियल अपार्टमेंट में संचालित इस कॉल सेंटर से सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। हैरानी की बात यह है कि गिरोह के सरगना पुनीत कुमार वर्मा महज छठवीं और उसका साथी दीपेन चंद्रकांत पटेल आठवीं तक पढ़े हैं, लेकिन दोनों मिलकर विदेशी नागरिकों को झांसे में लेकर लाखों-करोड़ों रुपये की साइबर ठगी कर रहे थे।

कोई भी 12वीं से ज्यादा नहीं पढ़ा : पकड़े गए गिरोह में कोई भी 12वीं से ज्यादा नहीं पढ़ा है। पूछताछ में पुनीत ने बताया कि गिरोह में कम पढ़े-लिखे लोगों को ही शामिल किया जाता था। इन्हें रहने-खाने की व्यवस्था के साथ 35 हजार रुपये वेतन मिलता था। गिरोह में शामिल करने के लिए ऐसे लोगों का चयन होता था, जो बीपीओ के क्षेत्र में काम कर चुके हों और फर्राटेदार अंग्रेजी बोलते हों। किसी को भी नियुक्ति पत्र या कोई दस्तावेज नहीं दिया जाता था। पूरा पैटर्न समिट बिल्डिंग में पकड़े गए फर्जी कॉल सेंटर की तरह था।

आरोपी ठगी की रकम सीधे बैंक खातों में नहीं लेते थे। सारा लेनदेन गिफ्ट कार्ड, डिजिटल वाउचर और क्रिप्टोकरेंसी के जरिये होता था। ऐसा करने का उद्देश्य धन के वास्तविक स्रोत एवं अंतिम लाभार्थी के साथ जांच एजेंसियों के लिए वित्तीय ट्रेल को छिपाना था।

हवाला से 70 फीसदी रकम भेजते थे अमेरिकी ठग : आरोपियों ने बताया कि अमेरिका में बैठे गिरोह के साथी 30 फीसद रकम अपने पास रखते थे। 70 प्रतिशत रकम हवाला के जरिये भारत भेजी जाती थी। हवाले की रकम ठिकाने लगाने और कर्मचारियों को बांटने का काम गुजरात में रहने वाला पुनीत का बड़ा भाई यश करता था। वहीं, अमेरिकी ठगों से संपर्क में रहता था। पुलिस यश का पता लगा रही है। आरोपियों के पास से इंटरनेट आधारित कॉलिंग सॉफ्टवेयर, आईबीम डायलर, कॉलिंग स्क्रिप्ट, विदेशी नागरिकों का डाटा, ई-मेल टेम्पलेट, फर्जी सरकारी दस्तावेज, नकली कोर्ट ऑर्डर, आठ लैपटॉप, नौ मोबाइल फोन व अन्य डिजिटल सामग्री मिली है। बरामद सामग्री को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा। डीसीपी क्राइम ने गिरोह को पकड़ने वाली टीम को 25 हजार रुपये इनाम देने की घोषणा की है।

गन्ने का रस बेचने वाला दुकानदार बोला– लो कर लो सांसद के पीआरओ से बात

अलीगढ़ , एजेंसी। नगर निगम के प्रवर्तन दस्ते ने शुक्रवार को अस्थायी अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। इस दौरान अभियान चला रहे अधिकारी एएमयू सर्किल के पास गन्ने का रस बेच रहे दिव्यांग दुकानदार आदिल की बात सुनकर भौंचक रह गए।

आदिल ने कार्रवाई रोकने के लिए अधिकारियों को फोन देकर सांसद के पीआरओ से बात कर लेने दबाव बनाया। फोन कॉल पर उनके पीआरओ थे या कोई और इसका तो पता नहीं चला लेकिन न उसकी अपील सुनी गई और सिफारिश। निगम के दस्ते ने उसका सामान जब्त कर लिया।

दोपहर करीब ढाई बजे नगर निगम का अतिक्रमण विरोधी अभियान सारसौल से शुरू हुआ। अभियान के दौरान सारसौल, नौरंगाबाद, मीनाक्षी पुल, एएमयू सर्किल, हैबिटेट सेंटर के पास सड़क किनारे किए गए अस्थायी अतिक्रमण हटाए गए। इस दौरान कई दुकानदारों को पहले चेतावनी देकर स्वयं सामान हटाने का मौका दिया गया जबकि निर्देशों की अनदेखी करने वालों का सामान जब्त कर निगम की गाड़ियों में रखा गया। प्रवर्तन दल जैसे ही इन स्थानों पर पहुंचा तो फुटपाथ और सड़क पर सामान फैलाकर बैठे दुकानदारों में खलबली मच गई। कई दुकानदार जल्दबाजी में अपना सामान समेटने लगे। कोई फोन मिलाने लगा तो कोई पहचान का रौब दिखाने लगा तो कोई हाथ जोड़कर मोहलत मांगता नजर आया। हालांकि प्रवर्तन टीम का जवाब साफ था सिफारिश बाद में कर लीजिए, पहले सड़क खाली कराइए। कार्रवाई के दौरान सड़क पर रखा फर्नीचर, ठेले, टेबल, स्टैंड, बोर्ड और अन्य सामान जब्त कर निगम की गाड़ियों में लादा गया।

कई दुकानदारों को मौके पर ही अंतिम चेतावनी देते हुए कहा गया कि यदि दोबारा अतिक्रमण किया गया तो जुर्माने के साथ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सम्राट सरकार के 100 दिन पूरे, कई बड़ी घोषणाएं हुईं लेकिन अमल में लगेगा समय

पटना, एजेंसी। 15 अप्रैल को सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी और 100 दिनों के लक्ष्य के साथ काम शुरू किया था। अब सम्राट चौधरी सरकार के 100 दिन पूरे होने वाले हैं। संभव है कि सरकार अपनी उपलब्धियों का रिपोर्ट कार्ड भी जारी करे। लेकिन इन 100 दिनों में विशेषज्ञों का कहना है कि बड़ी घोषणाओं के अलावा सरकार की कोई बड़ी उपलब्धि नहीं रही है।

5 करोड़ नौकरी और रोजगार चुनौती : बिहार सरकार ने बड़े फैसले जरूर लिए गए हैं, लेकिन उन्हें जमीन पर उतरने में वर्षों लगेंगे। एनडीए सरकार ने चुनाव में 5 करोड़ नौकरी और रोजगार का वादा किया था, लेकिन नौकरी और रोजगार को लेकर सम्राट चौधरी सरकार ने कोई बड़ा फैसला नहीं लिया है।

वादा नहीं हुआ पूरा : महिलाओं को 20,000 की दूसरी किस्त छह महीने के भीतर देने की बात कही गई थी, लेकिन यह वादा भी पूरा नहीं हुआ। वहीं, विपक्ष का कहना है कि 100 दिनों में बिहार के लोगों पर कई तरह के टैक्स जरूर लगा दिए गए हैं, लेकिन वादों को पूरा नहीं किया गया है।

सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने के बाद कई बड़े फैसले लिए गए हैं। 11 सैटलाइट टाउनशिप बनाने का फैसला लिया गया है। पटना से चार कॉरिडोर में रैपिड मेट्रो चलाने का फैसला लिया गया है। इन सभी योजनाओं को जमीन पर उतरने में अभी कई वर्ष लगेंगे।

1 लाख करोड़ कर्ज का फैसला : सैटलाइट टाउनशिप बनाने के लिए सरकार ने एक लाख करोड़ रुपये का कर्ज लेने का भी बड़ा फैसला किया है। लेकिन विधानसभा चुनाव के समय सरकार ने जो वादे किए थे, पिछले 100 दिनों में उन पर कितना काम हुआ है, इसे भी देखा जा रहा है।

नौकरी और रोजगार एनडीए सरकार का सबसे बड़ा वादा था। इसलिए 100 दिनों में कोई बड़ी वैकेंसी नहीं निकाली गई। शिक्षकों की बहाली को लेकर भी कोई ठोस फैसला नहीं लिया गया। हालांकि, कैबिनेट में यह फैसला जरूर लिया गया है कि हर साल 20,000 शिक्षकों की बहाली होगी। पांच साल में 1,00,000 शिक्षकों की बहाली करने का फैसला लिया गया है। टीआरई-4 की बहाली भी अभी लंबित है।'' - रणधीर कुमार, राजनीतिक विशेषज्ञ

महिलाओं की दूसरी किस्त पर भी उठ रहे सवाल : इसी तरह महिलाओं को मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत दूसरी किस्त की राशि छह महीने के भीतर दे दी जानी थी, लेकिन अब आठ महीने से अधिक समय बीत चुका है। सरकार के पास खजाने में राशि नहीं होने की बात कही जा रही है, जिसके कारण महिलाओं को दूसरी किस्त देने में परेशानी हो रही है।

विपक्ष ने सरकार को कई मुद्दों पर घेरा : विपक्ष की ओर से भी सरकार पर कई तरह के आरोप लगाए जा रहे हैं। आरजेडी प्रवक्ता एजाज अहमद का कहना है कि- ''सरकार ने 100 दिनों में बिहार के लोगों पर कई तरह के टैक्स जरूर लगा दिए हैं। अब गांव के लोगों को भी टैक्स देना होगा। सम्राट सरकार द्वारा न नौकरी का वादा पूरा किया गया और न ही दूसरे वादे पूरे किए गए। बल्कि एनकाउंटर के नाम पर बिहार के लोगों में डर का माहौल बनाया जा रहा है।''

'सभी वादे पूरे होंगे' : बिहार सरकार के मंत्रियों का दावा है कि सरकार ने 100 दिनों में बिहार के विकास और लोगों के हित में कई बड़े काम किए हैं। योजना एवं विकास मंत्री भगवान सिंह कुशवाहा ने कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है। सभी वादे पूरे किए जा रहे हैं।

+विपक्ष की ओर से सबसे अधिक निशाना महिलाओं के रोजगार के लिए दूसरी किस्त नहीं दिए जाने पर लगाया जा रहा है। यहां तक कि प्रशांत किशोर ने भी सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि चुनाव के समय महिलाओं से वोट तो ले लिया गया, लेकिन दो लाख रुपये की राशि देने का वादा पूरा नहीं किया जा रहा है।

मप्र : केन-बेतवा लिंक परियोजना के विरोध में अनशन 15वें दिन भी जारी

छतरपुर, 18 जुलाई (भा)। मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में केन-बेतवा लिंक परियोजना और अन्य सिंचाई परियोजनाओं के विरोध में जारी अनिश्चितकालीन अनशन आज 15वें दिन में प्रवेश कर गया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि विस्थापित परिवारों के पुनर्वास से संबंधी सरकार और प्रशासन के वादे अब तक पूरे नहीं किये गये हैं। मुख्य रूप से आदिवासी महिलाओं की भागीदारी वाला यह आंदोलन छतरपुर जिले के कूपी गांव के पास बराना नदी के तट पर जारी है। प्रदर्शनकारी जल सत्याग्रह, चिता सत्याग्रह और आंदोलन के आठवें दिन से प्रतीकात्मक फांसी सत्याग्रह भी कर रहे हैं। आंदोलन का नेतृत्व अमित भटनागर कर रहे हैं, जो पिछले 11 दिनों से अनिश्चितकालीन अनशन पर हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि इस दौरान भटनागर का केवल एक बार औपचारिक चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया। राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना के तहत विकसित की जा रही देश की पहली नदी जोड़ो परियोजना के रूप में केन-बेतवा लिंक परियोजना का उद्देश्य केन नदी के अधिशेष जल को बेतवा नदी में स्थानांतरित कर मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के सूखाग्रस्त बुंदेलखंड क्षेत्र में सिंचाई और पेयजल उपलब्ध कराना है। हालांकि परियोजना से प्रभावित कुछ परिवारों और पर्यावरण से जुड़े संगठनों ने विस्थापन, पुनर्वास तथा पन्ना बाघ अभयारण्य के हिस्सों सहित जंगलों और वन्यजीवों पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर इसका विरोध किया है। वर्तमान आंदोलन में रुनझ और मझगांव सिंचाई परियोजनाओं से प्रभावित परिवार भी शामिल हैं। उनका कहना है कि पुनर्वास को लेकर प्रशासन की ओर से किये गये आश्वासनों को अब तक पूरी तरह लागू नहीं किया गया है। छतरपुर जिला प्रशासन ने बताया कि प्रदर्शन में शामिल 176 लोग पड़ोसी पन्ना जिले की रुनझ और मझगांव सिंचाई परियोजनाओं से प्रभावित हैं तथा उनका छतरपुर जिले में किसी विस्थापन या मुआवजा प्रक्रिया से संबंध नहीं है। प्रशासन ने एक बयान में प्रभावित परिवारों से पन्ना लौटकर वहां के जिला प्रशासन से पुनर्वास का लाभ लेने का आग्रह किया। बयान के अनुसार राज्य सरकार ने पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन के लिए अतिरिक्त 202.50 करोड़ रुपये मंजूर किये हैं। साथ ही प्रत्येक प्रभावित परिवार के लिए पुनर्वास सहायता राशि पांच लाख रुपये से बढ़ाकर 12.50 लाख रुपये कर दी गयी है। प्रशासन का कहना है कि इससे पात्र परिवारों का समयबद्ध पुनर्वास सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। प्रशासन के अनुसार जिलाधिकारी पार्थ जायसवाल के निर्देश पर मानवीय आधार पर धरनास्थल पर पेयजल, भोजन, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। निकटवर्ती स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्साकर्मियों और दवाओं की भी व्यवस्था की गयी है तथा स्थानीय अधिकारी लगातार स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। प्रशासन ने कहा कि जनप्रतिनिधि, राजस्व और पुलिस अधिकारी, सरपंच तथा अन्य स्थानीय प्रतिनिधि प्रभावित परिवारों को पन्ना लौटकर पुनर्वास प्रक्रिया पूरी करने के लिए समझा रहे हैं। बयान में आरोप लगाया गया कि कुछ लोग परियोजना के बारे में भ्रामक जानकारी फैला रहे हैं।

एक ही परिवार के पांच सदस्य घर में मिले मृत

रायपुर, 18 जुलाई (भा)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के एक घर में दंपति, उनकी दो नाबालिग बेटियां और एक बेटा मृत मिले। पुलिस ने आज यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना कल देर रात संजय नगर इलाके की है, जहां ये सभी किराए के मकान में रहते थे। उन्होंने कहा कि मृतकों की पहचान साजिद अली उर्फ सज्जू (50), उनकी पत्नी रबिया बानो (45), बेटे इरशाद अली (20) और बेटियों शाहिदा बेगम (15) तथा इरशबा परवीन (12) के रूप में हुई है। अधिकारी ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि साजिद ने अपने परिवार के सदस्यों को जहर दिया था और उसके बाद फांसी का फंदा लगाकर जान दे दी। हालांकि मौत के सही कारण की पुष्टि पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक विश्लेषण के बाद होगी। अधिकारी ने बताया कि परिवार को बार-बार फोन करने पर भी कोई जवाब न मिलने व बंद घर से दुर्गंध आने के बाद मकान मालिक और पड़ोसियों ने पुलिस को सूचित किया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने दरवाजा तोड़ा और साजिद का शव फंदे से लटका मिला, जबकि उसकी पत्नी, बेटे और बेटियों के शव फर्श पर पड़े थे। यह परिवार पिछले आठ माह से यहां किराये पर रह रहा था। अधिकारी ने बताया कि साजिद पुरानी बैटरियों को खरीदने और बेचने का व्यवसाय करता था। प्रारंभिक जांच के अनुसार परिवार को आखिरी बार बृहस्पतिवार शाम को देखा गया था और शुक्रवार को पूरे दिन कमरा बंद रहा, जिसके कारण घर के एक अन्य किरायेदार ने मकान मालिक से संपर्क किया। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों और एक फॉरेंसिक टीम ने कल देर रात मौका मुआयना किया, जिसके बाद जांच के लिए घर को सील कर दिया गया।

कांग्रेस नेताओं ने सरकारी वकील की नियुक्ति संबंधी विवाद को तवज्जो नहीं दी : सतीशन

तिरुवनंतपुरम, 18 जुलाई (भा)। कांग्रेस नेताओं ने आज सरकारी वकील की नियुक्ति को लेकर केरल के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन और पार्टी की छात्र इकाई केएसयू के बीच मतभेदों की खबरों को अधिक तवज्जो न देते हुए कहा कि इस मामले को पार्टी के भीतर ही सुलझा लिया जाएगा। यह विवाद उस समय शुरू हुआ जब बुधवार को सतीशन ने कहा कि सरकारी वकीलों की नियुक्ति योग्यता और सिफारिशों के आधार पर की गयी है तथा सरकार किसी राजनीतिक या छात्र संगठन के दबाव में काम नहीं करेगी। कांग्रेस की छात्र इकाई केरल स्टूडेंट्स यूनियन (केएसयू) ने माकपा के छात्र संगठन स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के एक पूर्व नेता को सरकारी वकील नियुक्त किये जाने पर आपत्ति जतायी है। राज्य के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने कांग्रेस के भीतर किसी गंभीर मतभेद की बात को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि यदि केएसयू कार्यकर्ताओं को कोई शिकायत है, तो उसकी निश्चित रूप से सुनवाई की जाएगी और उसका समाधान किया जाएगा। मेरा मानना है कि मुख्यमंत्री स्वयं इस मामले में पहल करेंगे। चेन्निथला ने इस दावे को भी खारिज किया कि सतीशन केएसयू के नाराज नेताओं से मिलने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हर दिन सैकड़ों लोग मुख्यमंत्री और मंत्रियों से मिलते हैं। उन्होंने कहा कि यदि वे मुख्यमंत्री से मिलकर अपनी चिंताएं उनके सामने रखते हैं, तो वह निश्चित रूप से उन पर विचार करेंगे। वह उनकी बात को नजरअंदाज नहीं करेंगे। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि उन्हें यह जानकारी नहीं है कि ऐसा कुछ हुआ, जिससे केएसयू नाराज है, लेकिन उनका मानना है कि ऐसे मुद्दों का समाधान पार्टी के भीतर ही होना चाहिए। वेणुगोपाल ने कहा कि यदि कोई मुद्दा है, तो उस पर संबंधित नेताओं से चर्चा कर उचित मंच पर उसका समाधान किया जाना चाहिए।

पत्नी से विवाद के बाद स्कूल से चार वर्षीय बेटे का अपहरण करने वाला पिता गिरफ्तार

मुरैना, 18 जुलाई (भा)। मध्यप्रदेश के मुरैना जिले में पत्नी से विवाद के चलते अपने चार वर्षीय बेटे का स्कूल से कथित तौर पर अपहरण करने वाले एक व्यक्ति को राजस्थान के पाली से गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने आज यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी निलेश राजपूत ने अपनी अलग रह रही पत्नी द्वारा बेटे से मिलने नहीं देने से नाराज होकर इस वारदात को अंजाम दिया था। मुरैना के पुलिस अधीक्षक धर्मराज मीणा ने बताया कि तीन दिन तक चले तलाशी अभियान के बाद बच्चे कार्तिकेय को राजस्थान के पाली से सकुशल बरामद कर उसकी मां को सौंप दिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी ने दो अन्य व्यक्तियों के साथ मिलकर बच्चे के अपहरण की साजिश रची थी। मीणा ने कहा कि बच्चे को पाली से सकुशल बरामद कर लिया गया है। पिछले 72 घंटे के दौरान तकनीकी साक्ष्यों और लगातार की गयी जांच के आधार पर आरोपी तक पहुंचा गया। उन्होंने बताया कि अपहरण की घटना में कथित रूप से शामिल दो अन्य आरोपी फरार हैं और उनकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने बताया कि आरोपी और उसकी पत्नी के बीच विवाद के बाद दोनों अलग-अलग रह रहे थे। महिला अपने बेटे के साथ मुरैना में अपनी मां के घर रह रही थी। पूछताछ के दौरान आरोपी ने पुलिस को बताया कि पत्नी द्वारा बेटे से मिलने नहीं देने के कारण उसने उसका अपहरण किया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने 14 जुलाई को स्कूल की छुट्टी के बाद बेटे का कथित तौर पर अपहरण किया और एक साथी के साथ स्कूटर से फरार हो गया। उन्होंने बताया कि बाद में दोनों ने चंबल नदी पुल के पास स्कूटर छोड़ दिया और दूसरे वाहन से राजस्थान चले गये। जांच में पता चला कि आरोपी और उसके दो साथी अपहरण से पहले 12 दिनों तक मुरैना के एक लॉज में ठहरे थे। इस दौरान उन्होंने कथित तौर पर अपहरण की योजना बनायी और स्कूल क्षेत्र की रेकी की। पुलिस ने बताया कि वारदात में इस्तेमाल किया गया स्कूटर लॉज संचालक का था।

वृक्षों की कटाई का मुद्दा संसद में उठाने का राहुल ने दिया आश्वासन

देहरादून, 18 जुलाई (भा)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उत्तराखंड में ऋषिकेश-भानियावाला के बीच सात मोड़ पर राष्ट्रीय राजमार्ग को चार लेन बनाये जाने के लिए वृक्षों की कटाई का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया कि वह इस मुददे को संसद में उठाएंगे। देहरादून में आयोजित छात्रों की गूंज कार्यक्रम में भाग लेने के बाद कल रात सात मोड़ क्षेत्र से गुजरते वक्त गांधी को रोककर प्रदर्शनकारियों ने उनसे उनकी आवाज उठाने का अनुरोध किया जिस पर कांग्रेस नेता ने उन्हें यह भरोसा दिया। प्रदर्शनकारियों की बातें ध्यान से सुनने के बाद गांधी ने कहा कि संसद सत्र शुरू हो रहा है और आप लोग इस पर एक नोट लिखकर मुझे दे दीजिए। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि वह प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल को निर्देश दे रहे हैं और वह उनके संपर्क में रहेंगे। इससे पहले प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि वे पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़ों को काटे जाने का विरोध कर रहे हैं, लेकिन सरकार द्वारा उनकी बात सुने जाने की बजाय उन्हें मौके से उठाकर पुलिस थानों में ले जाया जा रहा है।

सबरीमाला तीर्थयात्रा पर केरल हाईकोर्ट ने कहा

सुरक्षा व भीड़ प्रबंधन के उपायों को दें प्राथमिकता

कोच्चि, 18 जुलाई (भा)। केरल उच्च न्यायालय ने त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) को वार्षिक मंडलाकला-मकरविलक्कू तीर्थयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा, भीड़ प्रबंधन, स्वच्छता और समग्र कल्याण पर सीधा असर डालने वाले उपायों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति राजा विजयराघवन वी और न्यायमूर्ति केवी जयकुमार की पीठ ने तीर्थयात्रा के दौरान प्रभावी और सुचारू भीड़ प्रबंधन के लिए टीडीबी द्वारा किये गये उपायों की समीक्षा करने के बाद यह निर्देश जारी किया। बोर्ड ने कहा कि उसने केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आपदा के प्रभाव को कम से कम करने के लिए तैयार की गयी योजना और नियमावली को मंजूरी दे दी है और उत्सव के दौरान इसका पालन किया जा सकता है। इसने अदालत को यह भी बताया कि मौजूदा पुलिस बंदोबस्त योजना को संशोधित करने और भीड़ प्रबंधन प्रणाली को आधुनिक बनाने का निर्णय लिया गया है। बोर्ड ने अदालत को बताया कि इसके लिए कृत्रिम मेधा (एआइ) के विशेषज्ञों के साथ एक बैठक आयोजित की गयी थी और एक एकीकृत, व्यापक, समन्वित एआई-सक्षम तीर्थयात्री प्रबंधन प्रोटोकॉल लागू करने का निर्णय लिया गया है। टीडीबी द्वारा उठाये गये कदमों की सराहना करते हुए, पीठ ने उसे यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि प्रस्तावित उपाय 15 नवंबर को तीर्थयात्रा शुरू होने से पहले लागू किये जाएं।

पृष्ठ 1 का शेष

72वें राष्ट्रीय...

अभिनय में संजय मिश्रा (भक्षक) सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता चुने गये, जबकि सचाना नमीदास (महाराजा) और रूपाश्री वारकडी (मिथ्या) को संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का सम्मान मिला। संगीत श्रेणी में शाश्वत सचदेव (आर्टिकल 370) को सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन (गीत) और जीवी प्रकाश कुमार (अमरन) को सर्वश्रेष्ठ बैकग्राउंड स्कोर का पुरस्कार मिला। मनोज मुंतशिर को फिल्म मैदान के गीत जाने दो के लिए सर्वश्रेष्ठ गीतकार चुना गया। भाषा आधारित फिल्मों में हिंदी फिल्म श्रीकांत, असमिया फिल्म जुईफूल, तमिल फिल्म रायन, मलयालम फिल्म फेमिनिची फातिमा समेत कई क्षेत्रीय फिल्मों को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। गैर-फीचर फिल्म श्रेणी में भंगार को सर्वश्रेष्ठ गैर-फीचर फिल्म राम-नामी को सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री और अंगेन को सर्वश्रेष्ठ नवोदित निर्देशक का पुरस्कार मिला। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा नयी दिल्ली में फीचर फिल्म जूरी के अध्यक्ष जयराज, गैर-फीचर फिल्म जूरी के अध्यक्ष असीम सिन्हा और सिनेमा लेखन जूरी के अध्यक्ष ए. चंद्रशेखर ने की। समारोह में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। वहीं दूसरी ओर नयी दिल्ली के राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा घोषित फिल्म पुरस्कारों की सूची में असमिया सिनेमा ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। क्षेत्रीय फीचर फिल्म श्रेणी में यदुमणि दत्त द्वारा निर्देशित फिल्म जुईफुल को सर्वश्रेष्ठ असमिया फिल्म के सम्मान से नवाजा गया है, जिससे पूरे असम राज्य में गौरव का माहौल है। यह प्रतिष्ठित सम्मान मिलने के बाद निर्देशक दत्त ने मीडिया से बातचीत के दौरान अपनी खुशी और अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि जुईफुल को चार साल की कड़ी मेहनत और लगन के बाद तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि हर फिल्म निर्माता या निर्देशक इस तरह के राष्ट्रीय पुरस्कार की उम्मीद रखता है और उनकी फिल्म को यह सम्मान मिलने से उन्हें बेहद खुशी हुई है। निर्देशक ने यह भी साफ किया कि इस पुरस्कार का श्रेय सिर्फ उन्हें नहीं जाता, बल्कि यह फिल्म के सभी कलाकारों, तकनीशियनों और उन सभी लोगों की सामूहिक मेहनत का नतीजा है जो इस पूरे सफर में फिल्म के साथ जुड़े रहे।

देश के पहले...

में 450 किलोमीटर की ऊंचाई पर 60 डिग्री के झुकाव के साथ स्थापित किये जाने की उम्मीद है। भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक माने जाने वाले महान वैज्ञानिक डॉ. विक्रम साराभाई के नाम पर रखे गये विक्रम-1 का निर्माण पूर्णत: कार्बन कंपोजिट संरचना से किया गया है। इसमें कंपनी द्वारा विकसित प्रणोदन प्रणालियों का इस्तेमाल किया गया है, जिनमें थ्री-डी प्रिंटेड इंजन और उच्च-प्रणोद (हाई-थ्रस्ट) ठोस ईंधन रॉकेट बूस्टर शामिल हैं। रॉकेट में ग्रहा स्पेस, कॉसमोसर्व, डीक्यूब्ड और स्काईरूट के स्कोप के तकनीकी परीक्षण के लिए तैयार छोटे उपग्रहों और उपकरणों के अलावा कॉस्मिक ब्लूम शीर्षक वाली एक कलाकृति भी भेजी जा रही है।

संभावनाओं का...

प्रक्षेपण भारत के अंतरिक्ष उद्योग और उद्यमिता की संभावनाओं के लिए एक नया शिखर है। भारत के पहले निजी कक्षीय प्रक्षेपण यान के सफल प्रक्षेपण के लिए स्काईरूट एयरोस्पेस की पूरी टीम को मेरी हार्दिक बधाई।

मौजूदा वित्त वर्ष...

की कक्षा (ऑर्बिट) में ही रहे। नारायणन ने कहा कि इस वित्त वर्ष में हमने कम से कम सात प्रक्षेपण का लक्ष्य रखा है। हम दो महीने के अंदर प्रक्षेपण शुरू कर देंगे। अंतरिक्ष एजेंसी के आगामी प्रक्षेपण कार्यक्रमों में गगनयान मानव अंतरिक्षयान उड़ान कार्यक्रम के तहत पहला बिना चालक दल वाला मिशन और तय उपग्रह प्रक्षेपण शामिल हैं। निजी क्षेत्र द्वारा विकसित पहले ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 की सफल उड़ान की सराहना करते हुए इसरो प्रमुख ने युवा टीम (जिसके सदस्यों की औसत उम्र 28 साल है) की तारीफ की, क्योंकि उन्होंने अपनी पहली ही कोशिश में मिशन को सफलतापूर्वक पूरा किया। उन्होंने कहा कि इस बड़ी कामयाबी से देश के अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़े समुदाय को बहुत खुशी मिली है और यह भारत 2047 की ष्टि में भी अहम योगदान देती है। स्काईरूट एयरोस्पेस के दोनों सह-संस्थापक, पवन कुमार चांदना और नागा भरत डाका, पूर्व में इसरो के वैज्ञानिक रह चुके हैं। बाद में पीटीआई वीडियो से बात करते हुए नारायणन ने इसरो के गर्व की भावना की तुलना उन माता-पिता की खुशी से की, जो अपने बच्चों को कामयाब होते हुए देखते हैं। उन्होंने कहा कि हम बिल्कुल उन माता-पिता की तरह हैं, जो बच्चों को अच्छी तरह पढ़ते और पहली रैंक हासिल करते देखकर उत्साहित और गौरवान्वित महसूस करते हैं।

इलाज के लिए...

कि फिलहाल लालू प्रसाद की स्थिति स्थिर है। चिकित्सकों ने उन्हें दिल्ली रवाना होने से पहले घर पर निगरानी में रहने की सलाह दी है। मीसा भारती ने कहा कि लालू प्रसाद नियमित रूप से विशेष चिकित्सा के लिए दिल्ली-एम्स जाते रहे हैं। मीसा ने कहा कि पटना के कौटिल्य नगर क्षेत्र में साफ-सफाई की गंभीर समस्या है। लालू प्रसाद का परिवार हाल में कौटिल्य नगर में रहने पहुंचा है। उन्होंने कहा कि कौटिल्य नगर में सफाई एक बड़ी समस्या है, लेकिन यदि हम इस मुद्दे को उठाते हैं तो लोग इसका दूसरा अर्थ निकाल सकते हैं। करीब दो दशक बाद बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और उनके पति लालू प्रसाद हाल ही में पटना के 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास को खाली कर कौटिल्य नगर में अपने निजी मकान में आकर रहने लगे हैं। पटना में 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी बंगला बिहार के पशु एवं मत्स्य संसाधन तथा डेरी विकास मंत्री नंद किशोर राम को आवंटित किया गया है। राजद प्रमुख लालू प्रसाद पिछले कई वर्षों से स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न समस्याओं से जूझ रहे हैं। दिसंबर 2022 में सिंगापुर में उनका सफल गुर्दा प्रतिरोपण किया गया था।

शेकमान बने...

संकल्पबद्ध हैं। उन्होंने पूर्ण विश्वास जताया कि आने वाले दिनों में वे सभी मिलकर पार्टी को एक बार फिर से पुनर्जीवित करने में निश्चित रूप से सफल होंगे। राजनीति के उतार-चढ़ाव पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि राजनीति में अच्छा और बुरा दोनों समय आता है, लेकिन केवल विचलित होने से समस्याओं का समाधान नहीं होता। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पार्टी में कुछ ऐसे लोग भी हैं, जो इस वर्तमान परिस्थिति में भी पार्टी के आंतरिक माहौल को बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं, जिनके खिलाफ समय आने पर आवश्यक अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने दोहराया कि आगामी समय में वे सभी एक साथ मिलकर मां-माटी-मानुष के आदर्शों के साथ जनता के हक की लड़ाई लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

मेक्सिको, ग्वाटेमाला...

के मुताबिक मुख्य भूकंप के बाद 4.9 से 6.0 तीव्रता के बीच कम-से-कम 10 अनुवर्ती झटके महसूस किये गये। मेक्सिको-ग्वाटेमाला सीमा पर स्थित प्रमुख शहर तापाचूला में शुरुआत में भूकंप के हल्के झटके महसूस किये गये, लेकिन धीरे-धीरे उनकी तीव्रता बढ़ती गयी। शहर के एक सरकारी अस्पताल के कर्मचारी अलेजांद्रा मेंडोज़ा ने बताया कि हम दूसरी मंजिल पर थे। पहले लगा कि झटके रुक जाएंगे, लेकिन वे लगातार तेज होते गये। इसके बाद हम सभी शांतिपूर्वक नीचे उतरकर अस्पताल के खुले प्रांगण में चले गये। तापाचूला के नागरिक सुरक्षा विभाग के प्रमुख दिमेत्रियो मार्टिनेज ने बताया कि हैती की लगभग 30 वर्षीय प्रवासी महिला घबराहट में करीब चार मीटर ऊंचाई से अपार्टमेंट की इमारत से कूद गयी। उसके हाथ-पैर में फ्रैक्चर हुए हैं, लेकिन उसकी जान को कोई खतरा नहीं है। इसके अलावा एक अन्य व्यक्ति को खिड़की का शीशा टूटने से मामूली चोट आयी। ग्वाटेमाला सिटी में भी भूकंप के झटके काफी देर तक महसूस किये गये, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। बड़ी संख्या में लोग इमारतों से बाहर निकलकर सड़कों पर आ गये और कई भवनों को एहतियातन खाली करा लिया गया। ग्वाटेमाला की राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण समन्वय एजेंसी ने तत्काल किसी बड़े नुकसान की पुष्टि नहीं की। हालांकि सोशल मीडिया पर पश्चिमी इलाकों की सड़कों पर भूस्खलन के कुछ वीडियो सामने आये हैं। ग्वाटेमाला के शिक्षा मंत्रालय ने भूकंप के केंद्र के निकट स्थित सान मार्कोस, क्वेत्ज़ालतेनांगो, सुचितेपेक्वेज और रेतालेहुलेउ में एहतियात के तौर पर स्कूलों में ऑफलाइन कक्षाएं स्थगित कर दी हैं। मेक्सिको सिटी में भी कई इलाकों में इमारतें हिलती हुई महसूस हुईं। हालांकि वहां भूकंप चेतावनी प्रणाली सक्रिय नहीं हुई। सरकार के अनुसार भूकंप के शुरुआती कुछ सेकेंड में निकली ऊर्जा चेतावनी जारी करने की निर्धारित सीमा से कम थी। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाउम ने कहा कि शुरुआती रिपोर्टों में किसी बड़े नुकसान की जानकारी नहीं मिली है। वहीं, मेक्सिको की नौसेना ने सुनामी के संभावित खतरे को देखते हुए लोगों को अगले छह घंटे तक समुद्र तटों से दूर रहने की सलाह दी है। चियापास के मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए कहा कि मेक्सिको और ग्वाटेमाला के तटों पर सुनामी की एक मीटर तक ऊंची लहरें उठ सकती हैं।

शांति प्रयासों...

शांति नहीं चाहते और सरकार की पहलों में बाधा डालने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे दुर्भावनापूर्ण लोग आम नागरिकों का जीवन अनिश्चितकाल तक बाधित नहीं कर सकते। अंतत: ईमानदारी और सच्ची नीयत की जीत होगी। भगवान उन्हें माफ नहीं करेंगे। संवेदनशील और हिंसा प्रभावित क्षेत्रों के उनके दौरों को लेकर समर्थकों द्वारा जतायी गयी चिंताओं का उल्लेख करते हुए सिंह ने कहा कि जोखिमों के बावजूद वह राज्य में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने पूरे राज्य में लोगों तक पहुंच बनाने के अपने प्रयास जारी रखने का संकल्प दोहराते हुए कहा कि हर व्यक्ति जन्म लेता है और एक दिन उसे मरना ही है। सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री मोहम्मद अलीमुद्दीन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके साहस, दृढ़ संकल्प और जनता के प्रति समर्पण की सराहना की, जिन्होंने लिलोंग विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था। बाद में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में सिंह ने कहा कि भाजपा की ताकत उसके समर्पित जमीनी कार्यकर्ताओं में निहित है और उन्हें विश्वास है कि यह सम्मेलन संगठन को और मजबूत करेगा।

देश की सीमाओं...

गृह मंत्री राज्य के तीन दिवसीय दौरे पर शुक्रवार शाम बागडोगरा पहुंचे थे। इस महीने में उनका यह दूसरा दौरा था। उन्होंने बीएसएफ के प्रहरी सम्मेलन में हिस्सा लिया। चौकी पर उनके साथ बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी समेत कई वरिष्ठ नौकरशाह और पुलिस अधिकारी मौजूद थे। इसके अलावा शाह तीन दिवसीय दौरे के दौरान उत्तरकन्या (जो राज्य सचिवालय की नॉर्थ बंगाल शाखा है) में कई बैठकों की अध्यक्षता करेंगे। इन बैठकों में सीमा प्रबंधन और दूसरे प्रशासनिक मुद्दों के साथ-साथ राज्य में नये अपराध कानूनों को लागू करने और जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रेशन जैसे विषय शामिल होंगे। केंद्रीय गृह मंत्री ने नदी-नाले वाले दुर्गम इलाकों या सीमा पर लगी बाड़ के बीच के खुले हिस्सों पर लगाया गया इन्फ्रा-रेड अलार्म सिस्टम भी देखा। यह इन्फ्रा-रेड किरणों के बीच अवरोध आते ही जवानों को खतरे की अग्रिम चेतावनी देता है। अमित शाह ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर नागरिकों और किसानों की आवाजाही को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए तैयार गेट मैनेजमेंट सिस्टम को भी देखा। शाह का दौरा चिकन नेक (जिसे औपचारिक रूप से सिलीगुड़ी कॉरिडोर के नाम से जाना जाता है) पर सुरक्षा इंतजामों पर बढ़ते फोकस के कारण और भी महत्वपूर्ण हो गया है। यह 1722 किलोमीटर चौड़ी जमीन की एक अहम पट्टी है, जो मुख्य भारत और उसके आठ पूर्वोत्तर राज्यों के बीच एकमात्र जमीनी संपर्क का काम करती है और सीमा सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह कॉरिडोर तीन अंतरराष्ट्रीय सीमाओं उत्तर में नेपाल, दक्षिण में बांग्लादेश और पूर्वोत्तर में भूटान के बीच स्थित है।

ईरान ने तोड़ा...

प्रमुख मार्ग था। हमलों के दायरे के लगातार बढ़ने से नागरिकों और उन्हें उपलब्ध करायी जा रही आवश्यक सेवाओं पर खतरा मंडराने लगा है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि उसने लगातार सातवीं रात ईरान के खिलाफ अभियान में उसकी सैन्य ताकत को कमजोर करने के उद्देश्य से हमले किये। शनिवार तड़के जारी बयान में कहा गया कि इन हमलों में निगरानी केंद्रों, सैन्य साजोसामान, भूमिगत हथियार भंडार और समुद्री सैन्य क्षमताओं को निशाना बनाया गया। ईरान के उप विदेश मंत्री काजिम गरीबाबादी ने सरकारी टेलीविजन से कहा कि करीब एक महीने पहले हुए समझौते के तहत अमेरिका ने अपनी प्रतिबद्धताओं का उल्लंघन किया है, इसलिए ईरान भी अब उन प्रतिबद्धताओं का पालन नहीं कर रहा है। आज सबसे अधिक नुकसान कुवैत में हुआ, जहां ईरान ने समुद्री जल को मीठा बनाने के एक संयंत्र और एक तेल प्रतिष्ठान पर हमला किया। कुवैत के अधिकारियों और कुवैत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन ने इसकी पुष्टि की, हालांकि दोनों ने इन प्रतिष्ठानों के स्थान का खुलासा नहीं किया। इन हमलों में तेल प्रतिष्ठान पर कई लोग घायल हो गये, जबकि समुद्री जल को मीठा बनाने के एक संयंत्र में आग लग गयी, जिसके कारण बिजली उत्पादन की कई इकाइयों को बंद करना पड़ा। रेगिस्तानी देश कुवैत में दो दिनों के भीतर समुद्री जल को मीठा बनाने वाले किसी संयंत्र पर यह दूसरा हमला है। कुवैत अपनी पेयजल आवश्यकता का लगभग 90 प्रतिशत समुद्री जल को मीठा बनाने से पूरा करता है। कुवैत फायर फोर्स के अनुसार ईरान के हमलों से दो अन्य स्थानों पर लगी आग पर काबू पाने की कोशिश में कई दमकल कर्मी और एक कर्मचारी घायल हो गया। मिसाइल के खतरे के कारण कुवैत ने सुबह कुछ समय के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था और कुवैत एयरवेज ने कहा कि वह राजधानी आने-जाने वाली ज्यादातर उड़ानों का समय बदल रही है। ईरान के सरकारी टेलीविजन के अनुसार इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने अपनी चेतावनी और कड़ी करते हुए कहा कि जिन देशों में अमेरिकी सैन्य बल तैनात हैं, उन्हें उचित जवाब के लिए तैयार रहना चाहिए। इराक ने कहा कि उसने एरबिल शहर के ऊपर हमला करने वाले ड्रोन को मार गिराया है। जॉर्डन की सरकारी समाचार एजेंसी पेट्रा ने बताया कि देश की हवाई रक्षा प्रणाली ने ईरान की मिसाइलों को मार गिराया है। वहीं बहरीन और सऊदी अरब की सरकारों के अनुसार बहरीन और सऊदी अरब में कई बार हवाई सायरन बजे। ईरानी अधिकारियों के अनुसार हाल के अमेरिकी हमलों में दर्जनों लोगों की मौत हुई है और सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। दूसरी ओर अमेरिकी सेना ने भी अपने कई और सैनिकों के घायल होने की पुष्टि की है। ईरान ने युद्ध शुरू होने के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही प्रभावी रूप से बाधित कर दी, जिससे वैश्विक तेल बाजार प्रभावित हुआ। कल कच्चे तेल की कीमत 86 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गयी, जबकि इस मार्ग से गुजरने वाले जहाजों की संख्या तीन सप्ताह के न्यूनतम स्तर पर आ गयी।

वांगचुक अस्पताल में...

मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर अनशन कर रहे हैं। उनकी सेहत लगातार गिरती जा रही थी। वजन भी 9.5 किलो तक कम हो चुका है। वांगचुक को हॉस्पिटल भेजे जाने के बाद कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के फाउंडर अभिजीत दीपके ने भूख हड़ताल शुरू कर दी है। वे जब मंच से नीचे आकर बैठे तो एक महिला ने दीपके पर स्याही फेंक दी। दीपके का कहना है कि वे वांगचुक के दोबारा धरना स्थल पर लौटने तक भूख हड़ताल पर बैठे रहेंगे। सोमवार को होने वाले सीजेपी के संसद मार्च से पहले पुलिस ने 24 घंटे निगरानी और गाड़ियों की चेकिंग बढ़ा दी है और अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि पुलिस ने कानून-व्यवस्था बिगड़ने से रोकने के लिए नयी दिल्ली जिले में घुसने के मुख्य रास्तों को हाई-सिक्योरिटी जोन में बदल दिया है, जहां मजबूत बैरिकेडिंग, गाड़ियों की सघन चेकिंग और ज्यादा पुलिस पिकेट्स लगाये गये हैं। कल शाम को हमने 3 बजे ब्लड सैंपल लिया था, लैब से टेस्ट करने पर पोटेशियम लेवल 4.8 था। नॉर्मल वैल्यू 3.5 से ज्यादा होनी चाहिए। गवर्नमेंट डॉक्टर कोई रिपोर्ट हमें नहीं दिखा रहे हैं, लेकिन कह रहे हैं कि पोटेशिय लेवल 2.8 हो गया है। हॉस्पिटल लाने के बाद में ब्लड टेस्ट किया गया। वहां से लेकर आने से पहले उनके वाइटल्स में कोई मेजर चेंज नहीं था कि उन्हें हॉस्पिटलाइज करना पड़े। पूरे फ्लोर पर किसी को एंट्री नहीं दी जा रही है। पुलिस की छावनी बना दिया गया है। जंतर-मंतर पर डेढ़ हजार से ज्यादा जवान तैनात हैं।1984 में सोनम वांगचुक के पिता सोनम वांग्याल लद्दाख को जनजातीय दर्जा देने और क्षेत्र के विकास से जुड़ी मांगों को लेकर दो बार अनशन पर बैठे थे। पहली बार 1982 में लगातार 16 दिन भूख हड़ताल की। इसके बाद 1984 में 5 दिन तक भूख हड़ताल पर बैठे। तब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी लेह पहुंचीं, उनसे बातचीत की और जूस पिलाकर उनका अनशन खत्म कराया। वांगचुक के साथ ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन की नेहा, आमीन और मनीष भी पिछले 21 दिनों से जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल कर रहे हैं। है।

वांगचुक के...

नीतिगत मतभेदों को अगर एक तरफ रख दिया जाए, तो हर कोई इस बात को स्वीकार करेगा कि सोनम वांगचुक जिस मुद्दे को लेकर अनशन पर बैठे हैं, वह देश के करोड़ों छात्र-छात्राओं के भविष्य से जुड़ा है। छात्र संगठन ने तीखा रुख अपनाते हुए कहा कि नीट परीक्षा के पेपर लीक की घटना और देशभर में पेपर माफिया के बढ़ते दबदबे ने वर्तमान शासन व्यवस्था के प्रति युवा पीढ़ी के विश्वास को गंभीर रूप से ठेस पहुंचायी है।

रूस को ड्रोन...

में स्थित दो महत्वपूर्ण रसद प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि इन प्रतिष्ठानों का इस्तेमाल आक्रामक देश प्रतिबंधित कलपुर्जों की आपूर्ति के लिए कर रहा था, जिनका उपयोग ड्रोन और नौवहन उपकरणों के निर्माण में किया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि एक तेल प्रतिष्ठान पर भी हमला किया गया। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन के विशेष अभियान बलों ने आजोव सागर और रूस के कब्जे वाले क्षेत्रों में भी लक्ष्यों पर हमले किये। तांबोव क्षेत्र के गवर्नर येवगेनी पेरविशोव ने बताया कि कोतोव्स्क स्थित गोदाम में रात्रि पाली में काम कर रहे सात कर्मचारियों की मौत हो गयी और 25 अन्य घायल हो गये। मॉस्को क्षेत्र के गवर्नर आंद्रेई वोरोब्योव के अनुसार इलेक्ट्रोस्टाल में 24 लोग घायल हुए। वोरोब्योव ने बताया कि इलेक्ट्रोस्टाल के उत्तर में स्थित नोगिंस्क शहर में भी दो लोग घायल हुए, जहां यूक्रेनी ड्रोन हमले के बाद एक तेल डिपो में आग लग गयी। उन्होंने बताया कि एहतियात के तौर पर पास के एक प्रसूति अस्पताल और एक आवासीय इमारत को खाली करा लिया गया। मॉस्को से लगभग 180 किलोमीटर पूर्व स्थित ब्लादिमीर शहर में एक यूक्रेनी ड्रोन एक आवासीय इमारत से टकरा गया, जिससे आग लग गयी। ब्लादिमीर क्षेत्र के गवर्नर अलेक्जेंडर अवदेयेव ने बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने रातभर में रूस के 19 क्षेत्रों के ऊपर तथा क्रीमिया, आज़ोव सागर और काला सागर के ऊपर कुल 379 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराये।

ईरान ने फिर...

ने एहतियातन संयंत्र की कई इकाइयों को बंद कर दिया है। कुवैत में करीब 90 प्रतिशत पेयजल समुद्री पानी को शुद्ध करने वाले विलवणीकरण संयंत्रों से प्राप्त होता है। ऐसे में ये संयंत्र रेगिस्तानी देश के लिए बेहद महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे का हिस्सा माने जाते हैं।

ऑष्ट्रेलिया में...

फिलीपीन, कोरिया गणराज्य, सिंगापुर, स्पेन, स्वीडन, थाईलैंड, ब्रिटेन और अमेरिका के सैन्य कर्मियों से मिलने का भी अवसर मिलेगा। वायुसेना ने कल एक्स पर पोस्ट किया कि भारतीय वायु सेना का दल अभ्यास पिच ब्लैक 2026 के लिए ऑस्ट्रेलिया पहुंच गया है। वायुसेना ने अपने लड़ाकू विमानों और वायुसैनिकों की कुछ तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि दमदार राफेल उड़ाते हुए वायुसेना मित्र देशों की वायु सेनाओं के साथ मिलकर प्रशिक्षण करेगी। यह अभ्यास अभियानगत तालमेल को बेहतर बनाएगा और बेहतरीन तौर-तरीकों के आदान-प्रदान में मदद करेगा। तैयार। सक्षम। केंद्रित।

कल से संसद...

संशोधन विधेयक का कड़ा विरोध करने वाले द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने भी कहा है कि वह नये मसौदे की समीक्षा करने के बाद अपनी प्रतिक्रिया देगी। इस पार्टी ने कांग्रेस से अपना रास्ता अलग कर लिया है और बैठने की अलग व्यवस्था की मांग की है। राजनीतिक समीकरणों में हालांकि कुछ और बदलाव भी आये हैं, खासकर पिछले विधानसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन के क्षेत्रीय आधार वाले प्रमुख दलों की करारी हार के बाद। सूत्रों का कहना है कि सरकार 2026 के 131वें संविधान संशोधन विधेयक को पेश करने और पारित कराने का एक और प्रयास करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

आतंक को...

रहता है, तो उसकी रणनीतिक और सैन्य स्वायत्तता भी सीमित हो जाती है। हम इसे पूरी तरह से बदलने के पक्के इरादे के साथ काम कर रहे हैं। सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता भारत के उद्योगों में भरोसे का सबूत है। रक्षा मंत्री ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में भारत को मजबूत करने की दिशा में मोदी सरकार ने जो सबसे बड़ा कदम उठाया है, वह रक्षा औद्योगिक क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में भारत को मजबूत बनाने का हमारा नजरिया भारत की क्षमताओं पर भरोसा करने वाला है। लेकिन पिछली सरकारों का नजरिया भारत की क्षमता और काबिलियत को लेकर कुछ हद तक शक वाला था। शायद उन्हें भारत की क्षमताओं पर उतना भरोसा नहीं था, जितना हमारी सरकार को है। सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अपने आप में तकनीकी युद्ध का एक शानदार उदाहरण था। इस ऑपरेशन में आकाशतीर, आकाश मिसाइल प्रणाली और ब्रह्मोस जैसी उन्नत मिसाइल प्रणाली के साथ-साथ कई अत्याधुनिक उपकरणों का भी इस्तेमाल किया गया।

आदित्य धर बनाएंगे वीर लाचित पर बड़ी फिल्म

मनोज चांडक नायाब
मो.न.-9859913535

पूर्वोत्तर के राज्य भारत के महत्वपूर्ण अंग हैं, यहां क्या नहीं है, नदियां है, पहाड़ है, जंगल है, प्राकृतिक संपदा भरपूर है, चाय पत्ती, अदरख, कोयला, चावल, बांस इत्यादि, यहां की बड़ी पहचान है, भेदभाव और उपेक्षा की बानगी देखिए, दिल्ली में बूंदाबांदी भी हो जाए तो मीडिया वाले माइक हाथ में लिए लंबे-लंबे प्राइम टाइम कर डालते हैं और यहां बाढ़ भी आए तो बस नीचे एक पट्टी चला दी जाती है की असम में बाढ़ के हालात, इतने लाख लोग प्रभावित हुए, बस समाचार खत्म या ज्यादा हुआ तो फटाफट वाली 1 मिनिट में 100 खबरों में एक झलक दिखा दी जाती है, पूर्वोत्तर के राज्यों को हमेशा से ही दोयम दर्जे की श्रेणी में रखा गया है न तो यहां की भाषा का कोई प्रचार-प्रसार हुआ न ही यहां की संस्कृति का विस्तार हुआ न ही यहां के खानपान का न ही पहनावे का, बस असम व पूर्वोत्तर के अपने राज्यों तक ही सिमटा रह गया।

इसके कारणों पर यदि गहनता से विचार करें तो कई कारण हो सकते हैं, विकास कार्यों में सरकारों की उपेक्षा, भारत के एक किनारे बसा होने के कारण आवागमन कम होना, इतिहास लेखन में अनदेखा करना, व्यावसायिक गतिविधियों का कम होना तथा लोक सभा की दृष्टि से कम सीट का होना जिसके कारण राजनैतिक पार्टीयां इसको अनदेखा करती आई है।

हां, इतना जरूर है कि हाल के वर्षों में वर्तमान सरकार ने अपने नज़रिए को बदला है और असम व अन्य पूर्वोत्तर के राज्यों पर विशेष ध्यान दिया है और विकास कार्यों में तेजी आई है तथा यहां उद्योग व व्यापार को बढ़ावा दिया जा रहा है।

असम को राष्ट्रीय पटल पर चर्चा में लाने का श्रेय जहां प्रधानमंत्री को जाता है, वहीं वर्तमान मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को भी जाता है, हिमंत विश्व शर्मा अपने बेबाक बयानों और आक्रामक राजनैतिक शैली तथा विकास कार्यों में तेजी के कारण सदैव राष्ट्रीय मीडिया का ध्यान आकर्षित करते हैं।

हाल ही में खबर मिली है कि असम सरकार असम के सिरमौर वीर लाचित बरफुकन की बायोपिक फ़िल्म बनाने जा रहे हैं। यूं तो स्थानीय स्तर पर वीर लाचित बरफुकन पर कई फिल्में बन चुकी है मगर उनका प्रभाव असम से बाहर नहीं हो पाया, मगर अब यह फ़िल्म बड़े पैमाने पर बनेगी।

बताया जाता है कि इसकी लागत 100 से 150 करोड़ होगी और यह फ़िल्म दुनिया भर में प्रदर्शित की जाएगी। इतना ही नहीं सबसे बड़ी खबर तो ये है कि उस फिल्म के निर्देशक आदित्य धर हो सकते हैं, जिन्होंने *उरी* और *धुरंधर* जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में बनाई है।

स्वयं मुख्यमंत्री ने बताया कि अगले महीने उनकी आदित्य धर के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है। यह कदम एक फ़िल्म बनाने मात्र नहीं है बल्कि असम के गौरवशाली इतिहास के साथ जो सौतेला व्यवहार हुआ है, उसको ठीक करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

असम का गौरवशाली इतिहास सबके सामने आना ही चाहिए, इसके लिए फ़िल्म एक बढ़िया माध्यम हो सकती है।

इसके अलावा कुछ जरूरी कार्य है वह भी होने चाहिए, जिससे लोग असम में अधिकाधिक रुचि लें, जैसे पर्यटन को बढ़ावा देना, व्यापार के लिए अनुकूल माहौल और इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करना, भाषा और स्थानीयता के संघर्ष को रोकना तथा अराजकता फैलाने वालों के साथ सख्ती करना, हिंदी भाषियों के साथ होने वाले व्यवहार तथा मारवाड़ी-बिहारी आदि विवाद के चलते असम की छवि धूमिल हुई है, इन सब पर अपना नजरिया बदलना होगा, जिससे शेष भारत के लोगों की असम व अन्य पूर्वोत्तर के राज्यों में रुचि बने, तभी बनेगा हमारे सपनों का असम।

काव्य-धारा

पारिजात

1) तू शांत, तू मौन जो शब्दों में
पिरोया न गया,
तू सत्य की भाषा जिसे कभी
समझा न गया।
तू गूढ़ रहस्य लिए जिसे कभी
खोजा न गया,
तू सुवासित सुधा,तुझे महसूस किया
न गया।
2) रात्रि के सघन तम में,नभ के
एकान्त में जन्म तेरा,
उदित उजियारा मार्तण्ड का मिटता
अस्तित्व तेरा।
ओस की बूंदों संग धरा पर मिट्टी से
मिलन तेरा,
टूटे डाली से फिर भी खुशबू
बिखेरना काम तेरा।
3) धवल पंखुडीयां है मानो कहती
शान्तिप्रिय स्वभाव,
नारंगी डंडी पर है मानो केशरिया रंग
भोर का चाव।
निशिगंधा के आंचल में देवतरू तू
लिए समर्पण भाव,
अरुणोदय की बेला में अनछुआ तू
करे धरा का सम्मान।
4)औषधीय गुण समेटे निज में पर
नहीं तुझे भान,
सृष्टि का कण कण सुवासित तुझसे
तू धरती की शान।
अद्भुत वैभव तेरा,अनुपम शृंगार पर
नहीं तुझे अभिमान,
स्व गिरा फूल प्रभु अर्पित को
वर्जित पर है तू अपवाद।
प्रेम, सौन्दर्य, सौहार्द, त्याग,
समर्पण तू गुणों की खान,
नभ के मुक्ताकण से उतरा है तू कोई
पावन विधान।

शशि सुराना
गुवाहाटी (असम)

रेगिस्तान के बाजरे की तासीर

अजित पारीक

भारत की विविध खाद्य परंपराओं में यदि किसी अन्न ने कठिनतम परिस्थितियों में भी जीवन का साथ निभाया है, तो वह है बाजरा। यह केवल एक फसल नहीं, बल्कि राजस्थान के मरुस्थलीय जनजीवन की जीवनरेखा है। तपते सूर्य, अल्प वर्षा, रेतीले धोरे और विपरीत प्राकृतिक परिस्थितियों के बीच पला-बढ़ा यह अन्न संघर्ष, आत्मनिर्भरता और प्रकृति के साथ सामंजस्य का जीवंत प्रतीक है।

बाजरे की संस्कृति को समझना हो तो सबसे पहले उसकी लोकभाषा को समझना होगा। राजस्थान में बाजरे से जुड़े अनेक शब्द हैं, जो केवल शब्द नहीं, बल्कि लोकजीवन के जीवंत दस्तावेज हैं।

बाजरे की बाली को सिटी तथा अनेक बालियों को *सीटा* कहा जाता है। पौधे की डंडी *कड़ब* कहलाती है। दाने निकल जाने के बाद उसी कड़ब को बारीक काटकर तैयार किया गया पशुचारा *कुत्तर* कहलाता है। दाने अलग करते समय जो महीन फूस निकलती है, उसे *तुंतड़ा* कहते हैं। और फिर आता है सबसे आत्मीय शब्दमोरण।

चौमासे के दिनों में जब खेतों में नया बाजरा पकने लगता है, तब गांवों में सिगड़ी, बोरसी या अंगीठी पर बाजरे की सीटियों को भुट्टे की तरह भुना जाता है। फिर बड़ी सलीके से उनसे दाने निकाले जाते हैं। इन गर्म, सुगंधित और मीठे दानों को *मोरण* कहा जाता है, और इस पूरी प्रक्रिया को लोकभाषा में मोरण मोरना कहते हैं।

मोरण केवल भोजन नहीं है, यह वर्षा ऋतु का एक लोक-उत्सव है। परिवार के लोग एक साथ बैठते हैं, अंगारों की आंच में सिकी बाजरे की खुशबू पूरे आंगन में फैल जाती है और गर्म-गर्म मोरण के साथ आत्मीयता का स्वाद भी परोसा जाता है। यह परंपरा बताती है कि भोजन केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि संस्कृति को पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीवित रखने का माध्यम भी है।

देश के कुल बाजरा उत्पादन का अधिकांश भाग राजस्थान में होता है। विशेषकर थार मरुस्थल के बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर, पाली, जालोर, नागौर, बीकानेर, चूरू, सीकर और झुंझुनूं जैसे जिलों का बाजरा अपनी मिठास, पौष्टिकता और विशिष्ट स्वाद के लिए प्रसिद्ध है। कठोर जलवायु में पला यह अन्न जितना मजबूत है, उतना ही स्वादिष्ट भी।

आज आधुनिक जीवनशैली के बीच ऐसी अनेक लोक-परंपराएं धीरे-धीरे स्मृतियों में सिमटती जा रही हैं।

आवश्यकता इस बात की है कि हम केवल बाजरे की खेती ही नहीं, उससे जुड़ी लोकभाषा, लोक-ज्ञान और लोक-संस्कृति को भी सहेजकर रखें। क्योंकि जब कोई शब्द विलुप्त होता है, तब उसके साथ एक पूरी सांस्कृतिक विरासत भी मौन हो जाती है।

यदि कभी वर्षा ऋतु में राजस्थान की यात्रा का अवसर मिले, तो अंगारों पर सिकी बाजरे की सिटी से निकले गर्मागर्म मोरण का स्वाद अवश्य लीजिए। तब अनुभव होगा कि रेगिस्तान केवल रेत का विस्तार नहीं, बल्कि सादगी, आत्मीयता और जीवन-दर्शन की अनुपम पाठशाला है। *पधारो म्हारे देश।*

मोरण केवल भोजन नहीं है, यह वर्षा ऋतु का एक लोकउत्सव है। परिवार के लोग एक साथ बैठते हैं, अंगारों की आंच में सिकी बाजरे की खुशबू पूरे आंगन में फैल जाती है और गर्म-गर्म मोरण के साथ आत्मीयता का स्वाद भी परोसा जाता है।

कानून का पालन

नागपुर की घटना है। कृष्ण माधव घटाटे गुरु जी मा.स.गोलवरकर को कार में कहीं ले जा रहे थे। कार पटवर्धन मैदान के निकट चौराहे के पास पहुंची। यह चौराहा काफ़ी छोटा है।

उस समय चौराहे पर यातायात पुलिस नहीं थी। इसलिए कृष्ण माधव घटाटे ने चौराहे का चक्कर न लगाते हुए कार को दायीं ओर मोड़ना चाहा।

इस पर गुरु जी एकदम नाराज़ हो उठे ओर कृष्ण माधव घटाटे को पुन: चौराहे का चक्कर लगा कर ही कार दायीं ओर घुमाने को विवश किया।

उन्होंने कहा, कानून का पालन न करना भीरुता है। पुलिस की अनुपस्थिति में कानून तोड़ना कोई साहस की बात नहीं है।

हमें कोई देख रहा है अथवा नहीं इसकी चिंता न करते हुए, हमें व्यक्तिगत अथवा सामाजिक क़ानूनों का पालन करना ही चाहिए, फिर इसमें हमें कितना ही कष्ट क्यों न उठाना पड़े।

आयोजन

कहानी

डॉ. सरस्वती माथुर

लाजवंती गोखले एशिया के एक बहुचर्चित और विशाल साहित्यिक उत्सव में जब पहुंची तो फेस्टिवल की शुरुआत हो चुकी थी और रंगायन हॉल में वरिष्ठ रंगकर्मी व फिल्मकार विक्रांत सेठ का *की नोट* चल रहा था बाहर के फ्रंट लॉन में बहुत से लेखक एक गोल मेज के चारों ओर कॉफ़ी पीते हुए सहज बातचीत कर रहे थे। शहर के बीचों बीच बने *लेखक पैलेस* में गत पांच सालों से पांच दिवसीय फेस्टिवल हर वर्ष जनवरी में ही आयोजित किया जाता है। सभी से एक ही मंच पर मिलने जुलने का यह अवसर किसी दूसरी ही दुनिया में ले जाता है!

सुबह नौ बजे से रात नौ बजे तक अलग-अलग सत्र और सांस्कृतिक आयोजन चलते रहते हैं। देश-विदेश की प्रमुख प्रसिद्ध हस्तियां गुलाबी नगर का मुख्य आकर्षण होती हैं। जहां निगाह डालो लेखकों का जमघट नज़र आता है लेखक पैलेस के बीचों बीच एक लान है जहां सर्दियों की ऊनी-सी धूप में लेखकों के समूह संवाद में डूबे नज़र आते हैं।

हर बार की तरह इस बार भी उत्सव के अवसर पर मौसम में पतली सी धुंध थी और हवा निस्पंद धूप का शाल ओढ़े झिर-झिर चल रही थी। लेखक पैलेस में चहल पहल थी और लान में फूलों से घिरा एक गोल बाग था जिसके बीच से एक रंग-बिरंगा फव्वारा हवा को फुहार से भिगो रहा था! वहीं इर्द-गिर्द डंडों पर रंग बिरंगी फर्रियां भी लहरा रहीं थीं! धीरे-धीरे भीड़ का शोर गहरा होता जा रहा था! लान के एक किनारे पर राजस्थानी पगड़ी पहने एक बैरा पीतल के चमचामते घड़े में से कुल्हड़ों में चाय भरते हुए सभी से राजस्थानी भाषा में ही *राम राम सा...पधारो सा* कहते हुए अभिवादन कर आकर्षित कर रहा था! उसे घेरे हुए हाथों में कुल्हड़ पकड़े हुए बहुत से लेखक चाय का आनंद लेते हुए विमर्शों में डूबे हुए थे तो बहुत से लोग लान में जगह जगह रखी हुई कुर्सियों पर अधलेटे से बैठे थे। वे सोती-जागती गुड़ियों की तरह कभी आंखें खोलते तो कभी आंखें मूंद लेते।

सर्दी के इस निस्पंद धूप में फैले उनींदे मौसम में गर्माहट थी तो दूसरी तरफ जोश, तभी तो समारोह में युवाओं की भी अच्छी ख़ासी संख्या थी! पंक्तिबद्ध स्कूली छात्रों का एक हुजूम भी अपनी अध्यापिका के निर्देशानुसार पावन भक्त के सेशन में जाने की प्रतीक्षा कर रहा था। सच कहें तो बड़ा ही उल्लासित करने वाला नजारा था! लाजवंती भी इस साहित्यिक उत्सव में एक कवयित्री सत्र का संचालन करने के लिये आमंत्रित है, ज्ञान का यह उत्सव लाजवंती को बहुत अच्छा लगता है, यहां आकर पूरे वर्ष के लिये जैसे उसे प्रेरणा मिल जाती है। हर वर्ष इस प्रेरणा को समेटने वो आती है। लेखकों का यह मेला उसके लिये एक बहता अनलिखा सा महाकाव्य होता है जिसे अपनी स्मृतियों में सहेज कर वह ले जाती है। जनवरी की धुंध भरी सर्दी से बेखबर देश-विदेश के सुदूर कोणों से लेखक यहां आने शुरू हो जाते हैं।

हाई, हेल्लो, नाईस टू सी यू के संवादों से घिरे इस लेखक पैलेस में सुबह नौ बजे से ही चहल पहल शुरू हो जाती है, इस उत्सव को देखने आने वालों की अंतहीन कतारें भी सुबह से ही लग जाती हैं!

लॉन के दायीं ओर एक विशाल हिस्से में शामियाना लगा था जिसके बाहर लिखा था *संवाद हॉल* । लाजवंती ने उत्सुकतावश अंदर झांका, एक मंच बना था... उस पर गद्दे ओर मसनद लगे थे, वहां कुछ प्रवासी भारतीय कवि बैठ थे, जो अपनी जड़ों से उखड़ने की भयावहता पर गंभीर संवाद कर रहे थे,तभी पीछे से किसी ने कंधे पर हाथ रखा तो लाजवंती ख़ुशी से चहक उठी।

सामने सोनाली खड़ी थी, एक मशहूर लेखिका पर उसकी बचपन की सहेली, दोनों ने तपाक से एक दूसरे को गलबहियां डालीं तो क्षण भर के लिये संवाद कर रहे कविगण चौंक गए। फिर वापस बातचीत में मशगूल हो गये। सोनाली लाजवंती का हाथ पकड़ कर लगभग खींचते हुये बाहर आ गयी...चल कुल्हड़ वाली चाय पीते हैं। और गपशप करते हैं लॉन के कोने में जहां गर्म गर्म कुल्हड़ की चाय का स्टाल लगा था, वहां खड़े कुछ नई पीढ़ी के लेखक भी सिगरेट पीते हुए चाय की बारी आने का इंतजार कर रहे थे। वहीं कुछ दूरी पर पहुंच कर दोनों सहेलियों ने चाय का कुल्हड़ हाथ में लिया और एक कोने में बैठ कर भूली-बिसरी बातें करने लगीं, लेखक-पैलेस में बहुत से कक्ष स्थापित किये गए थे उनही में एक था *बुद्धिजीवी कक्ष*, उसके बाहर डेलीगेट्स की भीड़ थी और कतार लगी थी, वहां मौजूद लोग...बोर्ड पर लगी लिस्ट में वक्ताओं के नाम पढ़ रहे थे।

हॉल शायद पूरा भरा था। लोग झांक कर देखते, कुछ रुकते और बाहर आकर चर्चा में मशगूल किसी भी लेखक समूह के आसपास जगह तलाश लेते, बाहर गलियारे में पंक्तिबद्ध प्रकाशकों ने अपनी स्टॉल सजा रखी थी। किताबों पर धूप की म्लान रोशनी गिर रही थी। पंजीकरण काउंटर पर बैठी एक लड़की का सिर मेज पर झुका था, वो डेलीगेट्स को बैग, खाने के कूपन और रसीद क्रमवार पकड़ा रही थी, पैसे लेकर वह मेज की दराज में रख रही थी, फिर रसीद भर कर उसे अपनी ऐनक के बहुत पास ले आती, लेखक का नाम और टाईटल चेक करती और फिर अगली रसीद फाड़ने लगती।

जगह-जगह पर साहित्यिक उत्सव के रंग बिरंगे बैनर लगे थे जो बीच-बीच में हल्की हवा से सरसराते थे। लॉन के एक तरफ लेखकों की किताबों का काउंटर था, वहाँ सबसे ज्यादा भीड़ थी। किताबें पलटने और खरीदने का सिलसिला भी जारी था। किताब बिकती थी तो खटखट करते कंप्यूटर मशीन से बिल बाहर निकल आता था। लाजवंती ने सरसरी निगाह चारों तरफ दौड़ाई...सामने से नीलकेनी वाजपई जी चले आ रहे थे। उसने हवा में हाथ हिलाया, उनकी कविताएं पढ़-पढ़ कर ही तो लाजवंती इस स्तर तक पहुंची है। एक पत्रकार सोनाली को पहचान कर उनसे साक्षत्कार ले रहा था। सोनाली जी संजीदगी से उनका जवाब दे रही थी।

दिल्ली से आया युवा लेखिकाओं का समूह किसी गंभीर विषय पर बहस कर रहा था। पास बैठी कुछ युवा लड़कियां कुर्सी के सिरहाने पर पैर टिका कर सिगरेट के कश ले रही थीं। वह बहस में हिस्सा नहीं ले रही थी, बस अवाक सी सुन रही थी। कुछ गुजराती लेखक परिवार के साथ आये थे। एक मेज पर उन्होंने घर से लाये टिफिन को खोल रखा था, लाजवंती ने देखा...खाखरे, सैंडविच और ढोकले का नाशता कर रहे हैं। लाजवंती को लगा कि जीवन में दिनचर्या का जरा सा परिवर्तन हममे कितनी ऊर्जा भर देता है, इसी ऊर्जा का आदान-प्रदान करने हम यहां आते हैं शायद!

रंगायन हॉल से सुधीर जी के शब्द माईक द्वारा हवा के साथ बाहर लॉन में तैर रहे थे, लाजवंती ने ध्यान से सुना, संयोजकों का आभारी हूं, जिनकी ओर से आज मुझे लेखक की स्वतंत्रता जैसे महत्वपूर्ण विषय पर बोलने के लिये आमंत्रित किया गया है, मुझे ख़ुशी होती है कि हर साल यह साहित्यिक उत्सव आयोजित होता है, यहां साहित्य की हर समस्या पर विचार किया जाता है...तभी सोनाली ने लाजवंती को झकझोरा, अरे कहां खो गयी, चल उठ, लोगों से मिलते हैं।

तभी तेज-तेज कदमों से संजीव राव जो उत्सव के सह निर्माता थे आते दिखे, उन्होंने हाथ हिला कर सोनाली का अभिवादन किया और रोका-क्या हुआ संजीव जी, इतने परेशान क्यों हैं? अरे नहीं सोनाली जी, आप तो जानती ही हैं कि इतने बड़े आयोजन में निर्धारित समय-सारणी में कुछ न कुछ फेर बदल करना पड़ जाता है। संजीव जी ने थकी आवाज में कहा, हुआ क्या? सोनाली ने उनके कंधे पर हाथ रख कर पूछा!बस एक दायित्व आपको सौंपना चाहता हूं, बंगाल की प्रसिद्ध साहित्यकार श्रीश्वेताम्बरी जी भी आ रही हैं, उनका सत्र बजे से बजे तक का है, उसी समय में महानायक अरमान भूषण जी का सत्र भी रखना पड़ रहा है, आप प्लीज *बुद्धिजीवी हॉल* में श्रीश्वेताम्बरी जी का सत्र आरम्भ कर दीजियेगा,पैनल आपको पता ही है।

कुछ कागज पकड़ा कर संजीव जी ने सोनाली को रूपरेखा समझा दी! ठीक है, फ़िक्र मत करो। सोनाली ने संजीवजी को आश्वस्त किया और लाजवंती का हाथ पकड़ सोनाली जल्दी जल्दी सारी व्यवस्था करने हॉल की तरफ चल दी। लाजवंती जी ने देखा प्रसिद्ध फिल्मस्टार अरमान जी के आते ही सारा जनसमूह भागता हुआ फ्रंट लान की तरफ बढ़ गया। समारोह की प्रसिद्धि के लिये पिछले तीन सालों से फ़िल्मी कलाकारों को बुलाने का यह सिलसिला लाजवंती जी को कभी अच्छा नहीं लगा पर वो तो इस आयोजन के एक छोटे से सत्र के लिये आई हैं, वह कोई सुझाव देना भी नहीं चाहतीं।

फ्रंट लान में पुलिस की भारी भीड़ के साथ गहमागहमी थी। इधर सोनाली पैनल के साथ मंच पर बैठ कर बराबर माईक पर अनाउंस कर रही थी-सभी लेखक जनों, पाठकों, दर्शकों, दोस्तों और साथियों से मेरा अनुरोध है कि श्वेताम्बरी जी से हमारा संवाद आरम्भ होने जा रहा है कृपया हॉल में आकर उनके अनुभवों का लाभ उठाएं। कुछ वरिष्ठ लेखिकाएं धीरे-धीरे चलती हुई हॉल में आयीं भी, पर लाजवंती ने देखा पूरे हॉल में मुश्किल से दस लोग थे।

बाहर वातावरण में सदी के महानायक अरमान जी के भाषण के टुकड़े हवा के साथ लेखक पैलेस के हर कोने में तैर रहे थे, बीच-बीच में आयोजकों के भीड़ को संयत करने की कोशिश के अनुरोध भरे स्वर बिखर रहे थे। जबर्दस्त सुरक्षा के इंतजाम थे पर लोग फिर भी असंयत थे। सोनाली ने वक्त की नजाकत को देखते हुए यथासमय दस लोगों के साथ सत्र की शुरूआत कर दी थी पर तभी बाहर भगदड़ की आवाज़ें शुरू हुईं, लाजवंती जी के पास बैठी एक महिला लेखिका ने बताया कि अरमान जी को देखने के लिये उमड़ी भीड़ के कारण बहुत से लोग गिर गये हैं।

बहुतों को चोट भी लगी है...मैं तो घबरा कर यहां आ गयी! महिला लेखिका की बात सुन कर लाजवंती जी ने आंखें मूंद ली, न जाने क्यों उनकी आंखों में आंसू भर आये थे। वह अंदर से भीग गयी थी। बाहर श्रीश्वेताम्बरी जी के रचनाकर्म को शब्दों में बांधती सोनाली के स्वर बारिश की बूंदों से बरस रहे थे..हर रचनाकार अपनी रचना प्रक्रिया में कुछ छोड़ता है, कुछ चुनता है, अनुभवों के विशाल प्रदेश में इन बिम्बों और बिन्दुओं को रेखांकित करता है जो हमारे जीने, मरने, देखने के निर्णायक क्षणों को आलोकित करते हैं और अंतत वह कसौटी निर्मित करता है...जहां उसकी रचना स्वयं अपने मूल्यों के आधार पर अपने को आंक सके!

...अंदर सोनाली के शब्द थे, बाहर अरमान जी के एक-एक शब्द पर बजती तालियां थीं, जाने क्यूं लाजवंती को *नोवालिस* की वो पंक्तियां स्मरण हो आयीं जो कभी अपने कॉलेज के दिनों में उसने पढ़ी थीं, हम सत्य नहीं पा सकते, केवल अपने भ्रमों के आईने से उसकी उपस्थिति का आभास पा सकते हैं! सारा परिसर सिनेमा की चमक-दमक, अभिनेताओं की जगमगाहट, विदेशी लोगों, विदेशी साहित्य, विदेशी आयोजनों से आक्रांत था। जिन विदेशी संस्थाओं के चंदे से इसे आयोजित किया जा रहा था, उन्होंने इसे हर तरफ से घेर रखा था। उन्हीं की उपस्थिति थी, उन्हीं के प्रशंसक थे उन्हीं का बाजार था। सिनेमा, सिनेमा के साहित्यकार, विदेश और विदेशी साहित्यकार, उनके पाठक, उन्हीं की किताबें, उन्हीं की बिक्री उन्हीं की जयजयकार। जैसे आक्रांता की भांति वे सब पर छा गए थे। हावी हो गए थे। हिंदी और भारतीय भाषाएं, हिंदी और भारतीय भाषाओं के बोलने वालों की तरह सिमटी संकुचाई इस प्रकार सिर झुकाए थीं मानो वे यहां बिना बुलाए ही आ गई हों।

उनके लेखकों और साहित्यकारों के पाठक और दर्शक दिखाई नहीं देते थे। जैसे उनका कोई अस्तित्व ही नहीं था या अगर था भी तो इस चकाचौंध में दिखाई नहीं देता था। भारत में हिंदी के गढ़ माने जाने वाले एक सुविख्यात नगर में आयोजित होने वाले इस साहित्यिक पर्व में हिंदी और भारतीय भाषाओं की कोई रौनक नहीं थी।

सत्र की समाप्ति पर लाजवंती जब हॉल से बाहर आयीं तो न जाने क्यों उनका दिल बहुत उदास था! मन की ओट में उन्होंने जिस मोहक स्वप्न को अपने मन में पाला था...वो आज अचानक टूट-सा गया...उनके-मन-में-जड़वत-चुप्पी घिरने लगी..लगा मानों बसंत में अचानक ही पतझड़ आ गया हो!

व्यंग्य

घर का पुरातत्व विभाग

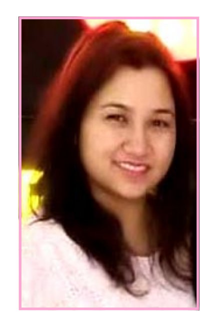

चंचला बोरा

हमारे घर में एक दराज है जिसे हर कोई खोलने से बचता है। वह पुराने चार्जर, आरसीए केबल, माउस,एचडीएमआई केबल, यूएसबी, और कई ऐसे अनजान तारों से भरी है। उसे खोलना तो आसान है, लेकिन दोबारा बंद करना ओलंपिक में हिस्सा लेने जैसा है। दराज खुलते ही, केबल ऐसे बाहर उछलते हैं मानो उन्होंने भागने की योजना बनाने में बरसों बिताए हों। वे इतने लंबे समय से बंद थे कि अब भौतिकी के नियमों को भी नहीं मानते। हवा में ऐसे उछलते हैं जैसे कोई कैदी आज़ादी का स्वाद चख रहा हो। मुझे पता है कि उनमें से किसी का भी इस्तेमाल कभी होना नहीं। फिर भी उन्हें संभालकर रखा है। क्यों?

ये घर-घर की कहानी है। एक दिन आप फ़ोन खरीदते हैं। पांच साल बाद आपके पास 37 केबल जमा हो जाते हैं, जिनमें से कोई भी मौजूद किसी भी चीज़ में नहीं लगता। बात एक दराज़ और कुछ केबल तक सीमित नहीं है। रेस्तरां से आए प्लास्टिक के डिब्बे, बिस्कुट के टिन के डिब्बे, रहस्यमयी चाबियां, ऐसे उपकरणों के इंस्ट्रक्शन मैनुअल जो 21वीं सदी शुरू होने से पहले बंद हो चुके थे, और इतनी सारी पुरानी बैटरियां कि अगर वे चालू हालत में हों तो एक छोटा गांव रोशन हो जाए। हम चीज़ें संभालकर रखते हैं इसलिए नहीं कि वे कीमती हैं बल्कि इसलिए कि क्या पता, कभी काम आ जाएं?

एक ऐसे दिन के कल्पना करे, जब कोई आपसे पूछ ले-*माफ कीजिए, क्या आपके पास 2001 में बनी फलांना कंपनी के डिजिटल कैमरे का चार्जिंग केबल है जो अब अस्तित्व में नहीं है?* बस यही वो पल है। *मुझे लगता है हमारे पास है।* तीन अलमारियां खोली जाती हैं। अटारी की जांच की जाती है। कोई कुर्सी पर चढ़ जाता है। आधे घंटे बाद, केबल गर्व से मिल जाता है। वो काम नहीं करता। लेकिन यह बात मायने नहीं रखती। महत्वपूर्ण बात यह है कि हमारे पास वह था।

आइसक्रीम के डिब्बों का उदाहरण लें। आइसक्रीम खत्म होने के काफी समय बाद भी, डिब्बा बचा रहता है। स्वादिष्ट डेज़र्ट की उम्मीद में अपना फ्रीजर खोलें और आपको जमी हुई दाल मिल सकती है। या मटर। या कल की बनी सब्ज़ी। डिब्बे पर भले ही चॉकलेट फ़ज़ डिलाइट लिखा हो, लेकिन अंदर डिलाइट करने वाला कुछ नहीं होता।

फिर कुछ रहस्यमयी चाबियां हैं। कोई नहीं जानता कि वे क्या खोलती हैं। फिर भी, कोई उन्हें फेंकने की हिम्मत नहीं करता। शायद बीस साल पहले फेंकी गई किसी अलमारी की हों। शायद किसी ऐसे सूटकेस की, जो चार दशक पहले खो गया था। हो सकता है कि वे किसी दूसरी दुनिया का दरवाज़ा खोलती हों।

मैनुअल का खास ज़िक्र होना चाहिए। हमारे घरों में कहीं न कहीं एक फ़ोल्डर होता है जिसमें वीसीडी-डीवीडी प्लेयर, मिक्सर-ग्राइंडर, और एक ऐसी वॉशिंग मशीन के मैनुअल होते हैं जो परिवार के कुछ सदस्यों के पैदा होने से पहले ही रिटायर हो चुकी थी। सालों से किसी ने इन मैनुअल को खोलकर नहीं देखा। वे वारंटी कार्ड भी, जिनकी मियाद 18 साल पहले ही खत्म हो चुकी है। फिर भी, इन्हें संभालकर रखा जाता है।

कभी-कभी ख़्याल आता है कि हज़ारों साल बाद जब पुरातत्वविद किसी घर की खुदाई करेंगे तो वे क्या नतीजा निकालेंगे। उन्हें बिना ढक्कन वाले 57 एक जैसे प्लास्टिक के डिब्बे मिलेंगे। टेक्नोलॉजी की 17 पीढ़ियों की चार्जिंग केबल का उलझा हुआ ढेर। पेन-पेंसिल से भरे बिस्किट के डिब्बे। एक दराज जिसमें पांच रिमोट कंट्रोल होंगे। वे इन चीज़ों के धार्मिक महत्व पर बहस करेंगे। पूरी-पूरी पीएचडी लिखी जाएगी। म्यूज़ियम में शीशे के पीछे सजाकर रखा जाएगा। विशेषज्ञ तर्क देंगे कि रहस्यमयी एचडीएमआई केबल समृद्धि का प्रतीक था और इसे परिवारों के साथ हमेशा रखा जाता था ताकि वे सुरक्षित रूप से परलोक जा सकें।

उन्हें इस असलियत का ज़रा भी अंदाज़ा नहीं होगा कि हम इतिहास सहेज नहीं रहे थे। हम तो बस यही सोचते थे-*क्या पता, कभी इसकी ज़रूरत पड़ जाए?*

विशेषज्ञ तर्क देंगे कि रहस्यमयी एचडीएमआई केबल समृद्धि का प्रतीक था और इसे परिवारों के साथ हमेशा रखा जाता था ताकि वे सुरक्षित रूप से परलोक जा सकें।

चैंपियन टीम को पहली बार मिलेगी इतनी मोटी रकम

8395 करोड़ की इनामी राशि

नई दिल्ली (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में कई ऐसे रिकॉर्ड बने जो पहली बार देखने को मिले। वहीं पहली बार टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 48 टीमे खेलीं, सबसे ज्यादा मैच हुए और सबसे लंबा फीफा वर्ल्ड कप भी यही रहा। इस टूर्नामेंट के लिए प्राइज मनी भी ऐतिहासिक है। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के इतिहास की सबसे बड़ी प्राइज मनी का इस बार ऐलान किया गया है।

इस बार टूर्नामेंट के लिए कुल 871 मिलियन डॉलर (करीब 8,395.65 करोड़ भारतीय रुपये) का रिकॉर्ड पुरस्कार पूल रखा गया है।

इस बार फीफा विश्व कप 2026 की प्राइज मनी कुल 871 मिलियन डॉलर की राशि में से 703 मिलियन डॉलर (करीब 6775.8 करोड़ भारतीय रुपये) प्रदर्शन के आधार पर बांटे जाएंगे। वहीं 168 मिलियन डॉलर (करीब 1619.2 करोड़ रुपये) सभी क्वालिफाई करने वाली टीमों को भागीदारी शुल्क और तैयारी करने के अनुदान के रूप में मिलेंगे। पिछले संस्करण की बात करें तो विजेता टीम को 348 करोड़ भारतीय रुपये (42 मिलियन डॉलर) मिले थे। रनर अप को 248 करोड़ की राशि दी गई थी। जबकि टूर्नामेंट में शामिल 32 टीमों में कुल 3600 करोड़ रुपए से ज्यादा की इनामी राशि बांटी गई थी।

इस बार फीफा वर्ल्ड कप में क्वालिफाई करने वाली हर टीम को करीब 12.5 मिलियन डॉलर (करीब 120.4 करोड़ रुपये) की राशि मिलेगी। वहीं फीफा द्वारा यह ऐलान भी किया गया है कि इस बार विजेता टीम के सभी खिलाड़ियों को एक खास गोल्डन रिंग भी दी जाएगी।

2026 की प्राइज मनी

- **चैंपियन टीम :** 51 मिलियन डॉलर (490 करोड़ भारतीय रुपये)
- **रनर अप :** 33 मिलियन डॉलर (317 करोड़ भारतीय रुपये)
- **तीसरे स्थान :** 29 मिलियन डॉलर (279 करोड़ भारतीय रुपये)
- **चौथे स्थान :** 27 मिलियन डॉलर (259 करोड़ भारतीय रुपये)
- **5वें-8वें स्थान :** 182 करोड़ रुपये प्रत्येक टीम
- **9वें-16वें स्थान :** 144 करोड़ रुपये प्रत्येक टीम
- **17वें-32वें स्थान :** 105 करोड़ रुपये प्रत्येक टीम
- **33वें-48वें स्थान :** 86 करोड़ रुपये प्रत्येक टीम

अर्जेंटीना और स्पेन के बीच होगा फाइनल

दूसरी ओर, मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 2-1 से हराकर लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बना ली। इंग्लैंड ने पहले हाफ में बढ़त बनाई थी, लेकिन दूसरे हाफ में एंजो फर्नांडीज ने बराबरी का गोल दागा। इसके बाद इंजरी टाइम में लाउतारो मार्टिनेज ने विजयी गोल कर अर्जेंटीना को फाइनल का टिकट दिला दिया। इस हार के साथ इंग्लैंड का 1966 के बाद पहली बार विश्व कप फाइनल खेलने का सपना टूट गया। वहीं स्पेन ने फ्रांस को 2-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। 2010 में विश्व कप जीतने के बाद यह पहला मौका है जब स्पेन की टीम विश्व कप के फाइनल में पहुंची है।

28314 रन, 1043 विकेट

नहीं रहे महान ऑलराउंडर गैरी सोबर्स

बर्थडे से 11 दिन पहले ली अंतिम सांस

नई दिल्ली (एजेंसी) वेस्टइंडीज ही नहीं क्रिकेट जगत के महान ऑलराउंडर गैरफील्ड सोबर्स का शुक्रवार 17 जुलाई को निधन हो गया। 89 साल की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली। इसी महीने 28 जुलाई को वह 90 साल के पूरे हो जाते। मगर अब क्रिकेट इतिहास का यह अनोखा सितारा दुनिया को अलविदा कह गया। सर गैरी सोबर्स के नाम रेड बॉल क्रिकेट में 28 हजार से ज्यादा रन और 1043 विकेट दर्ज हैं। उनके बेटे डैनियल सोबर्स ने इस खबर की पुष्टि की।

गैरी सोबर्स का नाम क्रिकेट जगत के महान

ऑलराउंडर्स में गिना जाता है। उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 28314 रन बनाए हैं जिसमें से 8032 रन 160 पारियों में उन्होंने वेस्टइंडीज के लिए बनाए। वहीं गेंदबाजी में उनके नाम रेड बॉल क्रिकेट में 1043 विकेट दर्ज हैं और वेस्टइंडीज के लिए भी उन्होंने 159 पारियों में 235 विकेट झटके थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड द्वारा भी गैरी सोबर्स के निधन पर दुख जताया गया है। बीसीसीआई ने एक्स पर पोस्ट करते हुए शोक व्यक्त किया और खास मैसेज भी लिखा। बीसीसीआई ने लिखा, 'बीसीसीआई सर गैरफील्ड सोबर्स के निधन पर शोक जताता है। वह खेल के एक रियल आइकन थे और क्रिकेट जगत के सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर थे। उनकी उपलब्धियां कैरेबियन क्रिकेट के लिए हमेशा यादों का हिस्सा रहेंगी। उनके परिवार, दोस्तों और सभी खेल प्रेमियों के लिए सांत्वना।'

मीराबाई, लवलीना राष्ट्रमंडल खेलों के उद्घाटन समारोह में होंगी भारतीय ध्वजवाहक

नयी दिल्ली, 18 जुलाई (भा)। ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू और लवलीना बरगोहाईं ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के उद्घाटन समारोह में भारत की ध्वज और बैटन वाहक होंगी। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने आज यह घोषणा की। कम खिलाड़ियों वाले इस बहु-खेल आयोजन का उद्घाटन समारोह 23 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने एक बयान में कहा कि यह गर्व का विषय है कि मीराबाई और लवलीना ओवीओ हाइड्रो में यह जिम्मेदारी निभाएंगी। मैं दोनों खिलाड़ियों और पूरे भारतीय दल को शुभकामनाएं देती हूं। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम के उद्घाटन समारोह में दो महिला खिलाड़ियों को यह सम्मान मिलना गर्व की बात है। इससे खेलों के माहौल और दिशा की शुरुआत होगी। दोनों खिलाड़ियों ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई बार भारत का मान बढ़ाया है। वे इस समय ब्रिटेन में खेलों की तैयारी में पूरी मेहनत कर रही हैं। बत्तीस साल की होने जा रहीं मीराबाई चानू पिछले करीब एक दशक से भारत की प्रमुख भारोत्तोलक रही हैं। उन्होंने 2021 तोक्यो ओलंपिक में महिलाओं की 49 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीता था। इसके बाद 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक हासिल किया। पेरिस ओलंपिक (2024) में वह अपने पिछले प्रदर्शन को दोहरा नहीं सकीं, लेकिन ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में वह अब भी भारत के लिए पदक की सबसे बड़ी दावेदारी में शामिल हैं। वह विश्व चैंपियनशिप में भी कई पदक जीत चुकी हैं। मुक्केबाज लवलीना ने तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने 2023 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया।

तीसरे वनडे से पहले भारत को झटका

- मैच विनर खिलाड़ी बाहर आज राहुल-इशान दोनों को मिल सकता मौका!

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच वनडे सीरीज का तीसरा मुकाबला 19 जुलाई को लॉर्ड्स में खेला जाएगा। दूसरे वनडे मैच में टीम इंडिया के ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर चोटिल हो गए थे। बल्लेबाजी के दौरान ही उनके पैर में दिक्कत थी और उपचार के तुरंत बाद अगली ही गेंद पर वह आउट भी हो गए थे। इसके बाद ना वह फील्डिंग करने उतरे और एक भी ओवर गेंदबाजी नहीं की। अब तीसरे वनडे से पहले उनके बाहर होने की जानकारी सामने आ रही है। वाशिंगटन सुंदर को लेकर क्रिकइंफो ने रिपोर्ट दी है कि भारतीय ऑलराउंडर तीसरे वनडे से बाहर हो सकता है। सुंदर के बाहर होने पर कुलदीप यादव को टीम में एंट्री मिल सकती है।

सुंदर ने पहले मैच में नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली थी और छक्का लगाते हुए भारत को जीत तक पहुंचाया था। ऐसे में उनका बाहर होना तीसरे व निर्णायक मैच से पहले टीम इंडिया के लिए एक झटका हो सकता है।

वाशिंगटन सुंदर के बाहर होने से क्यों बढ़ेगी परेशानी?

दरअसल वाशिंगटन सुंदर ने पहले वनडे में मैच विनिंग अर्धशतकीय पारी खेलते हुए इस बात की उम्मीद फैंस व टीम को दे दी थी कि वह निचले क्रम पर अहम मैच विनिंग पारी बल्ले से खेल सकते हैं। वहीं अक्षर, सुंदर और दुबे तीनों मिलकर 20 ओवर गेंदबाजी का भी कोटा पूरा कर सकते हैं। ऐसे में अब भारत के लिए समस्या यह है कि अगर सुंदर की जगह कुलदीप को मौका मिलता है तब भारत का एक बल्लेबाज कम हो जाएगा। ऐसे में उन्हें एक स्पेशलिस्ट बल्लेबाज अतिरिक्त खिलाना पड़ सकता है। ऐसा करने पर टीम में पांच स्पेशलिस्ट गेंदबाज ही रहे जाएंगे।

तीसरे ODI का बदलेगा समय

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का अंतिम और निर्णायक मुकाबला 19 जुलाई को लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेला जाएगा। इस मुकाबले में फैंस के मन में अब नई उत्सुकता होगी अपने पसंदीदा स्टार रोहित शर्मा को देखने की। आपको बता दें कि भारत और इंग्लैंड के बीच कार्डिफ में खेला गया दूसरा वनडे मैच भारतीय समयानुसार शाम 5.30 बजे शुरू हुआ था। इस मुकाबले का टॉस शाम 5 बजे हुआ था। जबकि पहला वनडे मैच बर्मिंघम में दोपहर 3.30 बजे से खेला गया था। अब तीसरे वनडे मुकाबले का समय भी बदल चुका है। तीसरा वनडे मैच भी पहले वनडे के समय पर ही खेला जाएगा। अटकलें ऐसी हैं कि रोहित का यह आखिरी मैच भी हो सकता है।

कितने बजे शुरू होगा लॉर्ड्स वनडे?

लॉर्ड्स में खेला जाने वाला तीसरा वनडे मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 3.30 बजे से शुरू होगा। इस मैच का टॉस दोपहर 3 बजे होगा। सीरीज का यह मुकाबला निर्णायक भी होने वाला है। पहला मैच भारत ने जीता था और दूसरा मुकाबला इंग्लैंड ने जीतते हुए सीरीज को 1-1 की बराबरी पर ला दिया था। अब लॉर्ड्स में होने वाला मुकाबला सीरीज का डिसाइडर मैच होगा।

लॉर्ड्स में कितने बजे शुरू होगा मुकाबला?

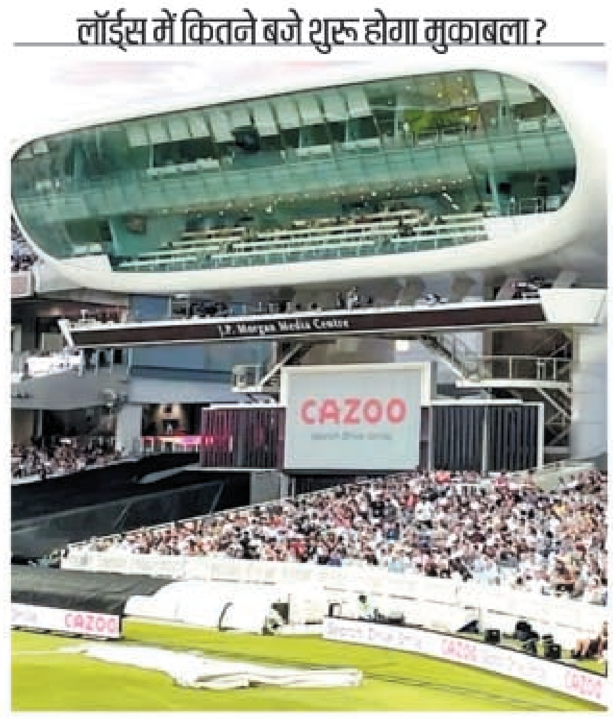

'सिर पर तलवार लटकी हो तो कोई अच्छा प्रदर्शन नहीं करेगा'

रोहित को सपोर्ट करते हुए भारतीय खिलाड़ी सदागोपन रमेश ने सेलेक्टर्स को लताड़ा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ओपनर सदागोपन रमेश ने रोहित शर्मा की रिटायरमेंट की खबरों के बीच भारतीय सेलेक्टर्स को जमकर लताड़ा है। रोहित शर्मा का बल्ला इंग्लैंड के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज के पहले दो मैचों में नहीं चला और कहा जा रहा है कि लॉर्ड्स वनडे उनके करियर का आखिरी मैच साबित हो सकता है। रोहित शर्मा को लेकर अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए पूर्व क्रिकेटर रमेश ने कहा कि अगर हर मैच के साथ आपके सिर पर तलवार लटकी हो तो कोई भी खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाएगा। क्या सेलेक्टर और कोच इस बात को मानेंगे कि उनकी भूमिका हर सीरीज जीतने पर ही टिकी हो, नहीं इसीलिए उन्हें सीधे दो या तीन साल का कॉन्ट्रैक्ट दिया जाता है। इसलिए जब दिग्गजों की बात हो तो सिर्फ एक या दो मैचों के आधार पर कोई फैसला लेना गलत है।

रोहित शर्मा पर है दवाब

रमेश ने आगे कहा कि मुझे समझ नहीं आता कि टीम मैनेजमेंट को सुपरस्टार्स से क्या दिक्कत है। कोई भी रातों-रात सुपरस्टार नही बनता। सुपरस्टार वही बनते हैं जो लगातार 15 सालों तक अच्छा प्रदर्शन करते हैं। इसलिए उन्हें उचित सम्मान और वैसा ही बर्ताव मिलना चाहिए।

साउथ अफ्रीका में रोहित की होगी जरूरत

सदागोपन रमेश ने आगे कहा कि अगला वनडे वर्ल्ड कप साउथ अफ्रीका में हो रहा है जहां पिच पर उछाल (बाउंस) होगा। ऐसे में रोहित का चयन फायदेमंद ही साबित होगा क्योंकि उछाल वाली गेंदों को खेलने में वे माहिर हैं। अगर भारत रोहित के बिना वर्ल्ड कप खेलता है तो यह न सिर्फ उनके लिए बल्कि टीम इंडिया के लिए भी नुकसानदेह होगा।

रोहित को रिटायर होने के बाद मिलेंगे इतने हजार रुपये प्रति माह!

जानिए क्या है BCCI की सालाना पेंशन स्लैब

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान व स्टार ओपनर रोहित शर्मा टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट और टेस्ट क्रिकेट से पहले ही रिटायर हो चुके हैं। वो भारत के लिए अब सिर्फ वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं और इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में होने वाला तीसरा वनडे उनके करियर का आखिरी मैच हो सकता है। हालांकि ये रोहित पर निर्भर करता है कि वो इस मैच के बाद रिटायर होंगे या नहीं, लेकिन अगर वो रिटायर हो जाते हैं तो उन्हें बीसीसीआई की तरफ से पेंशन के रूप में हर महीने कितने रूपये मिलेंगे ये जानते हैं।

रोहित को मिलेंगे 70 हजार रुपये प्रति माह- बीसीसीआई पूर्व भारतीय खिलाड़ियों को पेंशन देता है और उसके लिए जो स्लैब फिलहाल है उसके मुताबिक जिन पुरुष क्रिकेटर्स ने 25 से ज्यादा टेस्ट मैच खेले हैं उन्हें 70 हजार रुपये प्रति महीने दिए जाते हैं।

रोहित नंबर 1, गिल-मिचेल मार्श 5वें स्थान पर

- वनडे में साल 2023 से सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले टॉप-5 बल्लेबाज

नई दिल्ली। रोहित शर्मा ने साल 2023 ले लेकर अब तक कुल 51 पारियां वनडे क्रिकेट में खेले हैं जिसमें उन्होंने 2303 रन बनाए हैं और इसमें उनके बल्ले से 246 छक्के और 108 छक्के निकले हैं। 51 पारियों में 108 छक्के लगाकर वो साल 2023 से अब तक सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले दुनिया के टॉप-5 बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर हैं। इन 51 पारियों में रोहित ने 4 शतक और 16 अर्धशतक भी लगाए हैं।

साल 2023 से लेकर अब तक सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर मुहम्मद वसीम हैं जिन्होंने 46 पारियों में कुल 68 छक्के लगाए हैं जबकि तीसरे नंबर पर मौजूद डेरिल मिचेल ने भी 46 पारियों में कुल 65 सिक्स जड़े हैं।

चयनकर्ताओं पर भड़का दिग्गज कोहली को भी दे डाली चेतावनी

'रोहित-विराट को सम्मान मिलना चाहिए'

नई दिल्ली। रोहित शर्मा को वनडे वर्ल्ड कप 2027 के प्लान में नहीं शामिल करने वाली रिपोर्ट पर भारतीय दिग्गज रविचंद्रन अश्विन का गुस्सा फूटा है। उन्होंने साफतौर पर कहा है कि रोहित और विराट जैसे खिलाड़ियों को सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने साथ ही यह भी कहा कि अगर आप रोहित को वर्ल्ड कप के प्लान नें नहीं देख रहे थे तो फैसला पहले लेना चाहिए था। अब 12-15 महीने जब वर्ल्ड कप में बचे हैं तो यह फैसला सही नहीं है। साथ ही अश्विन ने विराट कोहली को भी चेतावनी दी है।

रोहित शर्मा के आखिरी इंटरनेशनल मैच की अटकलें लगने लगी हैं। इंडियन एक्सप्रेस की एक्सक्लूसिव रिपोर्ट के बाद खेल जगत में हलचल मच गई है। ज्यादातर लोग इस फैसले की रिपोर्ट से हैरान हैं। सभी ने रोहित शर्मा के समर्थन में कहा है कि वह फिट हैं और उनका फॉर्म भी खराब नहीं है। आंकड़े भी रोहित के पक्ष में ही हैं। वर्ल्ड कप 2023 के बाद से वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी भी हैं। इन्हीं सब बातों को देखते हुए यह खबर किसी को पच नहीं रही है।

विराट कोहली को क्यों अश्विन ने चेताया?

पूर्व स्पिनर ने आगे विराट कोहली पर भी बात की और कहा, 'रोहित और विराट जैसे खिलाड़ियों को सम्मान मिलना चाहिए। विराट कोहली बेहतरीन फॉर्म में हैं। रोहित भी ठीकठाक खेल रहे थे। फिर हमने ऐसा करने के लिए अगस्त 2026 तक आने का इंतजार क्यों किया, जब विश्व कप में सिर्फ 10-12-15 महीने बाकी हैं। आपने इस मामले को यहां तक क्यों खींचा, यह मेरा सवाल है? जिस तरह से यह चल रहा है विराट को भी अपने टॉप फॉर्म में रहना होगा। वरना पता नहीं क्या हो जाएगा। रोहित भी खराब फॉर्म में नहीं हैं।'

रविचंद्रन अश्विन ने क्या कहा?

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने भी इस पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सबसे पहले कहा, 'यशस्वी जायसवाल को आपको मौका देना है, ठीक है, मगर बतौर कोच, सेलेक्टर और कप्तान यह फैसला किसका होगा? अगर आपने पहले ही अपने दिमाग में बिठा लिया है कि यह खिलाड़ी आप 2027 वर्ल्ड कप में नहीं ले जाएंगे और आपको उनकी जरूरत नहीं है, तो इसको चैंपियंस ट्रॉफी के बाद ही उन्हें बताना चाहिए था। मुझे पता है कि यह दो धारी तलवार की तरह है।' अश्विन ने आगे कहा, 'वहीं अगर आप खिलाड़ियों से जाकर यह कहेंगे कि आप अब उनसे आगे बढ़कर देखना चाहते हैं तो यह किसी भी खिलाड़ी को अच्छा नहीं लगेगा। अगर मेरे साथ भी ऑस्ट्रेलिया में कोच या चयनकर्ताओं ने ऐसा किया होता तो मुझे भी बुरा लगता।

स्मार्टफोन बाजार में बड़ा उलटफेर, 3 साल की सबसे बड़ी मंदी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के स्मार्टफोन बाजार में जून तिमाही के दौरान सालाना आधार पर 10% की भारी गिरावट दर्ज की गई है। साल 2023 की जनवरी-मार्च तिमाही के बाद से यह पिछले तीन वर्षों में सबसे बड़ी तिमाही गिरावट है। इस मंदी का सबसे गंभीर असर बजट सेगमेंट

पर पड़ा है। 15,000 रुपये से कम कीमत वाले स्मार्टफोन की बिक्री पिछले साल की तुलना में 45% तक घट गई है। काउंटरपॉइंट रिसर्च के अनुसार, इस मंदी ने चीनी स्मार्टफोन ब्रांड्स को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। ऐसा इसलिए क्योंकि वे सस्ते और मिड-रेंज डिवाइसेज पर बहुत अधिक निर्भर हैं। इसके चलते अप्रैल-जून तिमाही में उनकी कुल बाजार हिस्सेदारी साल 2020 के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर आ गई है।

ओप्पो: 13.6% शेयर के साथ ओप्पो तीसरे स्थान पर रहा। इसने 20,000 रुपये से महंगे फोन की मजबूत मांग के दम पर मंदी के असर को संभाला।

शाओमी: बार-बार कीमतें बढ़ाने के कारण ग्राहकों की मांग कमजोर हुई और शाओमी (पोको सहित) 13.4% हिस्सेदारी के साथ चौथे स्थान पर खिसक गया।

रियलमी: यह ब्रांड भी गिरावट के साथ 10% मार्केट शेयर पर रहा।

एपल: आईफोन 17 सीरीज की मजबूत मांग के बावजूद, स्टॉक की कमी के कारण एपल की बिक्री में भी 3% की गिरावट आई और इसकी बाजार हिस्सेदारी 7% रही।

ब्रांड्स का प्रदर्शन और मार्केट शेयर

वीवो: बिक्री में दो अंकों की गिरावट के बावजूद वीवो 17.8% मार्केट शेयर के साथ शीर्ष स्थान पर बरकरार रहा।

सैमसंग: टॉप-5 ब्रांड्स में सैमसंग इकलौता ऐसा ब्रांड रहा जिसने 2% की बढ़त दर्ज की। इसने 17.6% मार्केट शेयर के साथ वीवो से अपना अंतर बेहद कम कर लिया है।

एक सप्ताह में 11% से ज्यादा महंगा हुआ डब्ल्यूटीआई क्रूड ब्रेंट क्रूड फिर 88 के पार, पेट्रोल-डीजल का भाव जानें

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच नए सिरे से युद्ध शुरू हो गया है। इस वजह से चालू सप्ताह के दौरान दाम में 11% से भी ज्यादा की तेजी दर्ज की गई। यह इस महीने का सबसे बड़ी साप्ताहिक बढ़ोतरी है। कल यानी शुक्रवार को भी कच्चे तेल का बाजार करीब 5 फीसदी चढ़ कर बंद हुआ। लेकिन, भारत में सरकारी तेल कंपनियों ने आज यानी शनिवार, 18 जुलाई 2026, को भी पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया। यहां 25 मई 2026 के बाद इनके दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

अपने यहां पश्चिम बंगाल समेत 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद ही पेट्रोलियम कंपनियां इस साल मई में चार बार दाम बढ़ा चुकी है। ऐसा महज 11 दिनों में हुआ था। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने सबसे पहले 15 मई 2026 को पेट्रोल 3 रुपये और डीजल 3.29 पैसे महंगा किया था। इसके बाद 19 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे, 23 मई 2026 को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे और 25 मई 2026 को पेट्रोल 2.61 रुपये और डीजल 2.71 रुपये महंगा किया था। उसके बाद आज 53वां दिन है, जबकि दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

चार महानगरों में पेट्रोल का दाम
गवर्मेंट आइल पीएसयू तरफ से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली में आज पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। कोलकाता में इसकी कीमत 113.51 रुपये, मुंबई में 111.21 रुपये और चेन्नई में 107.77 रुपये है। सरकारी ऑयल कंपनियों के मुताबिक बुधवार को दिल्ली में डीजल का प्रति लीटर दाम 95.20 रुपये है। कोलकाता में यह 99.02 रुपये, मुंबई में 97.83 रुपये और चेन्नई में 99.55 रुपये प्रति लीटर है। कच्चे तेल की कीमत में हाल में काफी बढ़ोतरी हुई है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद यह करीब 50 फीसदी महंगा हो गया है। अमेरिकी भी 4.28% या 3.54 डॉलर की तेजी के साथ बंद हुआ। अब यह चढ़ कर 82.49 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। भारत में पेट्रोल-डीजल के भाव जब भी बदलते हैं, तब सुबह 6 बजे अपडेट हो जाते हैं। पेट्रोल-डीजल का रोज का रेट आप के जरिए भी जान सकते हैं। इंडियन ऑयल के कस्टमर के बाद स्पेस देकर अपने शहर का कोड लिखकर 9224992249 नंबर पर और बीपीसीएल उपभोक्ता के बाद स्पेस देकर अपने शहर का कोड लिखकर 9223112222 नंबर पर भेज जानकारी हासिल कर सकते हैं।

क्रूड ऑयल फिर महंगा

अमेरिका और ईरान के बीच नए सिरे से युद्ध शुरू हो गया है। दोनों देश एक-दूसरे के ठिकानों को चुन-चुन कर निशाना बना रहे हैं। इस वजह से क्रूड ऑयल पर जियोपोलिटिकल रिस्क प्रीमियम काफी बढ़ गया। तभी तो इस सप्ताह के दाम में 11% से भी ज्यादा की तेजी दर्ज की गई। यह इस महीने का सबसे बड़ी साप्ताहिक बढ़ोतरी है। कल यानी शुक्रवार को भी कच्चे तेल का बाजार करीब 5 फीसदी चढ़ कर बंद हुआ। कल बाजार बंद होते समय स्टेंडर्ड माने जाने वाला 4.59% या 3.87 डॉलर बढ़ कर 88.10 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

अमेरिका भरोसे के लायक नहीं, चीन से बढ़ाएं कारोबार' पीएम नरेन्द्र मोदी के करीबी की सलाह ने चौंकाया

चीन को लेकर बदल रहा है भारत का मिजाज

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आर्थिक सलाहकार और रिजर्व बैंक के पूर्व डिप्टी गवर्नर राकेश मोहन का मानना है कि दुनिया के बदलते हालात में भारत को चीन के साथ अपने कारोबारी रिश्तों पर नए सिरे से सोचना चाहिए। उनका कहना है कि अमेरिका की व्यापार नीतियां लगातार बदल रही हैं, जिससे उस पर भरोसा करना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में भारत को अपनी आर्थिक मजबूती के लिए चीनी निवेश के दरवाजे खोलने चाहिए।

राकेश मोहन की यह चौंकाने वाली सलाह ऐसे समय आई है जब भारत अमेरिका के साथ ट्रेड डील को अंजाम देने के बेहद करीब है।

ब्लूमबर्ग को दिए एक इंटरव्यू में राकेश मोहन ने कहा कि अमेरिका की व्यापार नीतियों में लगातार बदलाव हो रहे हैं।

भारत-चीन व्यापार की ताजा स्थिति

जिससे वह पहले की तुलना में कम भरोसेमंद व्यापारिक साझेदार बन गया है। ऐसे में भारत को सिर्फ अमेरिका या पश्चिमी देशों पर निर्भर रहने के बजाय एशिया के देशों के साथ आर्थिक संबंध मजबूत करने चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत को अमेरिका और यूरोप के साथ मुक्त व्यापार समझौते जारी रखने चाहिए, लेकिन साथ ही पूर्वी और दक्षिण-पूर्व एशिया की सप्लाई चेन का भी महत्वपूर्ण हिस्सा बनना चाहिए। साल 2020 में गलवान घाटी में हुई सैन्य झड़प के बाद भारत ने चीनी कंपनियों पर काफी सख्ती कर दी थी। लेकिन अब सरकार एक व्यावहारिक (प्रैक्टिकल) रास्ता अपना रही है। सरकार अब सीधे चीनी कंपनियों को एंट्री देने के बजाय 'पार्टनरशिप मॉडल' को बढ़ावा दे रही है। यानी तकनीक चीन की होगी, लेकिन मालिकाना हक और कंट्रोल भारतीय कंपनियों के पास रहेगा। हाल ही में चीनी मोबाइल कंपनी वीवो को भारतीय कंपनी डिक्सन के साथ मिलकर काम करने की मंजूरी मिलना इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। दोनों देशों के बीच बिजनेस वीजा और सीधी फ्लाइट्स को भी धीरे-धीरे आसान बनाया जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार अब चीन से जुड़े निवेश को पूरी तरह रोकने के बजाय ऐसे निवेश को मंजूरी दे रही है, जिससे भारत में मैन्युफैक्चरिंग बढ़े, तकनीक आए और रणनीतिक नियंत्रण भारतीय कंपनियों के पास बना रहे। गलवान घाटी संघर्ष के बाद केंद्र सरकार ने प्रेस नोट-3 लागू किया था। करने वाले देशों, खासकर चीन, से आने वाले सभी निवेश के लिए सरकारी मंजूरी अनिवार्य कर दी गई थी।

मेजिया में श्याम स्टील का 15,000 करोड़ निवेश, 20 हजार रोजगार

कोलकाता/बांकुड़ा, 18 जुलाई। पश्चिम बंगाल के मेजिया (बांकुड़ा) में श्याम स्टील ग्रुप ने अपनी महत्वाकांक्षी 10,000 करोड़ की 2 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) क्षमता वाली एकीकृत इस्पात परियोजना का शिलान्यास किया। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। यह परियोजना श्याम स्टील ग्रुप के स्टील डिवीजन के विस्तार कार्यक्रम का हिस्सा है। इसके तहत अत्याधुनिक डीआरआई यूनिट, पेलेट एवं बेनिफिसिएशन प्लांट, स्टील मेल्टिंग शॉप, टीएमटी बार और स्ट्रक्चरल स्टील के लिए हाई-स्पीड रोलिंग मिल स्थापित किये जाएंगे। परियोजना के पूरा होने के बाद समूह की तैयार इस्पात उत्पादन क्षमता 1.5 एमटीपीए से बढ़कर 3.5 एमटीपीए हो जाएगी। समूह ने स्टील परियोजना के अलावा रक्षा विनिर्माण, एविएशन, रियल एस्टेट, इंफ्रास्ट्रक्चर, फैब्रिकेशन, पेंट्स, निर्माण रसायन और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में 5,000 करोड़ अतिरिक्त निवेश की भी घोषणा की है। इस प्रकार समूह का कुल निवेश 15,000 करोड़ तक पहुंच जाएगा। इस निवेश से 20,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है, जबकि 1.25 लाख से अधिक परिवारों की आजीविका को भी लाभ मिलेगा। कंपनी का कहना है कि यह परियोजना बांकुड़ा सहित पश्चिम बंगाल के औद्योगिक विकास को नयी गति देगी और राज्य को प्रमुख विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद करेगी। श्याम स्टील ग्रुप के निदेशक ललित बेरीवाला ने कहा कि यह निवेश केवल उद्योग विस्तार नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत और विकसित पश्चिम बंगाल के विजन को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि उत्पादन क्षमता बढ़ने के बाद कंपनी देशभर में अपने 5,000 से अधिक अधिकृत डीलरों के नेटवर्क के माध्यम से सरकारी और निजी क्षेत्र की बढ़ती मांग को बेहतर ढंग से पूरा कर सकेगी। वर्ष 1953 में स्थापित श्याम स्टील ग्रुप वर्तमान में देश के प्रमुख एकीकृत इस्पात निर्माताओं में शामिल है। कंपनी का वार्षिक कारोबार 10,000 करोड़ से अधिक है और यह 25,000 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करती है। कंपनी के इस विस्तार को राष्ट्रीय इस्पात नीति-2017 के तहत वर्ष 2029-30 तक 300 मिलियन टन इस्पात उत्पादन के लक्ष्य की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

स्कील डेवलपमेंट बन रही रोजगार और स्वरोजगार की कुंजी

इसने 20 लाख से अधिक लोगों का भविष्य संवारा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत आज की तारीख में दुनिया के सबसे युवा देशों में शामिल है। जाहिर है कि यहां काम करने वाले लोगों या कामगारों की कमी नहीं है। लेकिन, चिंताजन बात यह है कि यहां काम करने वाले लोगों में से केवल एक छोटे हिस्से को ही औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण मिला है। बांकी सब काम करते-करते, गलतियों से सीखते हैं। वहीं दुनिया के विकसित या विकासशील देशों में इससे उल्टा होता है। वहां पहले प्रशिक्षण प्राप्त किया जाता है। फिर काम में एंट्री होती है। जाहिर है कि इससे प्रोडक्शन पर अच्छा प्रभाव दिखता है।

अब शुरू हो रही है नई परंपरा

भारत में स्किल्ड या प्रशिक्षित वर्कफोर्स का आंकड़ा इस समय कई विकसित देशों की तुलना में काफी कम है। लेकिन, डिजिटल तकनीक ऑटोमेशन और आधुनिक विनिर्माण के तेजी से बढ़ते दौर में उद्योगों की जरूरत के अनुसार कौशल उपलब्ध कराना पहले से कहीं अधिक जरूरी हो गया है। तभी तो भारत की युवा आबादी की क्षमता का पूरा लाभ उठाया जा सकेगा। इस दिशा में सरकार के साथ-साथ उद्योग जगत भी आगे आया है। उदाहरण के लिए वेदांता ग्रुप ने सरकार, उद्योग जगत और

अपने सहयोगी संस्थानों के साथ मिलकर इस कमी को दूर करने का काम शुरू किया है। पिछले दिनों, विश्व कौशल दिवस पर एक आंकड़ा आया है कि इस ग्रुप ने अभी तक स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रमों के जरिये करीब 20 लाख लोगों को प्रशिक्षित किया।

सरकारी योजनाओं में भी भागीदारी

ग्रुप का कहना है कि वह युवाओं को रोजगार के लिए तैयार करने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर आजीविका और उद्यमिता के अवसरों को भी मजबूत बना रही है। इसके लिए वह कई प्रमुख सरकारी कार्यक्रमों भी लागू कर रहा है। इनमें प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक की योजना, स्किल इंडिया इम्पैक्ट बॉन्ड से जुड़ी योजना, मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना और ओडिशा स्किल डेवलपमेंट अथॉरिटी से जुड़ी योजनाएं शामिल हैं।

6 साल में 20 लाख

मेटल, ऑयल एंड गैस, मिनरल्स, एनर्जी और टेक्नोलॉजी सेक्टर में काम करने वाला वेदांता ग्रुप का करोबार विदेशों में भी फैला है। कंपनी के मुताबिक वह इस समय न सिर्फ भारत बल्कि दक्षिण अफ्रीमा, लाइबीरिया और नामीबीया में भी काम कर रही है। कंपनी कहना है कि इसने पिछले छह वर्षों के दौरान अपनी कौशल विकास पहलों के माध्यम से लगभग 20 लाख लोगों को स्किल्ड बनाया है।

बिजनेस में फेल होना आपके साथ होने वाली सबसे अच्छी चीजों में से एक है: अनिल अग्रवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। वेदांता ग्रुप के फाउंडर और चेयरमैन अनिल अग्रवाल भारत के दिग्गज अरबपति कारोबारी हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत कबाड़ के छोटे कारोबार से की थी। मेहनत, लगन और बड़े सपनों के दम पर उन्होंने इस छोटे बिजनेस को दुनिया की बड़ी माइनिंग और मेटल कंपनी में बदल दिया। इस सफर में उन्हें कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। अनिल अग्रवाल को भारत का 'मेटल किंग' भी कहा जाता है।

बिहार से शुरू हुआ उनका सफर आज लंदन तक पहुंच चुका है और वह बिहार के सबसे अमीर उद्योगपतियों में गिने जाते हैं। 2000 के दशक की शुरुआत में उन्होंने बाल्को और हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड जैसी सरकारी कंपनियों का अधिग्रहण करके अपने बिजनेस साम्राज्य को एक नई ऊंचाई दी। आज उनकी कुल संपत्ति 4 अरब डॉलर से अधिक आंकी जाती है। वह सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं। यहां अनिल अग्रवाल के 10 ऐसे विचार दिए गए हैं जो आज के दौर के उद्यमियों, लीडर्स और मैनेजर्स के लिए सफलता का बड़ा मंत्र हैं:

असफलता का डर हमारे अंदर बचपन से ही बैठा दिया जाता है। लेकिन बिजनेस में फेल होना आपके साथ होने वाली सबसे अच्छी चीजों में से एक है। वेदांता बनाने से पहले मेरे 9 बिजनेस फेल हुए थे, इस बारे में ज्यादातर लोग जानते हैं। लेकिन जो आप नहीं जानते वो यह है कि उस समय मुझे पूरा विश्वास था कि उनमें से हर एक बिजनेस कामयाब होगा। खेल हो या बिजनेस,

बड़ी जीत उन्हीं को मिलती है जो अनुशासन, निरंतरता और लगातार बेहतर बनने की सोच को अपनी आदत बना लेते हैं। अपने विचारों पर विश्वास करें, भले ही दूसरे उन पर संदेह करें। असफलताओं को सफलता की सीढ़ी के रूप में अपनाएं। कछुए की कहानी हमेशा याद रखना। धीरे और स्थिर चलने वाला ही दौड़ जीतता है। सफलता तुरंत नहीं मिलती, इसमें समय लगता है।

मुकेश अंबानी की रिलायंस का धमाकेदार रिजल्ट, रेवेन्यू 340000 करोड़ के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे जारी कर दिए हैं। कंपनी का कारोबार मजबूत रहा और रेवेन्यू में 25% की बढ़ोतरी हुई, लेकिन शुद्ध मुनाफा 22% घट गया। कंपनी ने साफ किया कि पिछले साल एशियन पेंट्स में हिस्सेदारी बेचने से मिले एकमुश्त लाभ के कारण इस बार तुलना में मुनाफा कम दिख रहा है। जून तिमाही में रिलायंस का कुल रेवेन्यू सालाना आधार पर 24.5% यानी करीब 25 फीसदी बढ़कर 3.40 लाख करोड़ रुपये (3,40,257 करोड़ रुपये) हो गया। वहीं, कंसोलिडेटेड शुद्ध मुनाफा 22% घटकर 20,946 करोड़ रुपये रह गया। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का मुनाफा 26,994 करोड़ रुपये था। कंपनी का 10% बढ़कर 54,067 करोड़ रुपये रहा, जो मुख्य कारोबार में मजबूती को दर्शाता है। कंपनी के ऑयल-टू-

केमिकल्स (ह2ष्ट), डिजिटल सर्विसेज और रिटेल कारोबार ने अच्छी ग्रोथ दर्ज की। इनमें दोहरे अंकों की ग्रोथ देखने को मिली। कंपनी का रिकरिंग कंसोलिडेटेड (मुख्य कारोबार से कमाई) 10.1% बढ़कर 54,067 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। रिपोर्टेड में 6.8% की गिरावट दर्ज हुई। इसकी वजह यह रही कि पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी को सूचीबद्ध निवेश बेचने से 8,924 करोड़ रुपये का एकमुश्त मुनाफा हुआ था।

टैक्स से पहले मुनाफा बढ़ा

कंपनी का टैक्स से पहले मुनाफा 8.5% बढ़कर 30,630 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, मुख्य कारोबार से होने वाला रिकरिंग (शुद्ध लाभ) 6.1% बढ़कर 23,196 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। हालांकि, रिपोर्टेड ध्क्क में 24.6% की गिरावट रही। इसकी मुख्य वजह पिछले साल मिला एकमुश्त निवेश बिक्री का मुनाफा और इस साल 5त्र नेटवर्क में निवेश के कारण बढ़ी ब्याज लागत और मूल्यह्रास रही। कमोडिटी बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद कंपनी के सभी कारोबारों ने मजबूत प्रदर्शन किया है।

अक्षय को ओएमजी-2 से दूर रखना चाहते थे परेश रावल

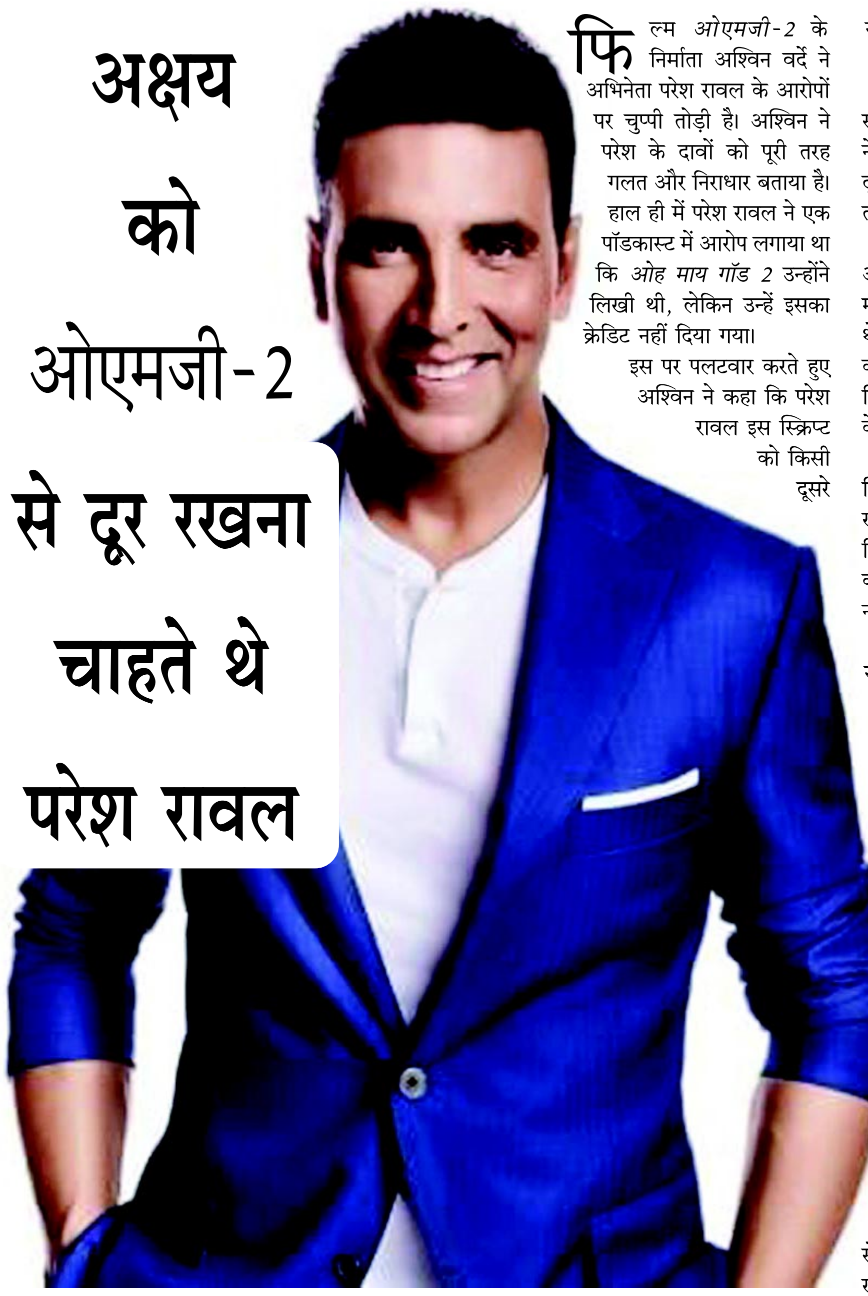

फिल्म *ओएमजी-2* के निर्माता अश्विन वर्दे ने अभिनेता परेश रावल के आरोपों पर चुप्पी तोड़ी है। अश्विन ने परेश के दावों को पूरी तरह गलत और निराधार बताया है। हाल ही में परेश रावल ने एक पॉडकास्ट में आरोप लगाया था कि *ओह माय गॉड 2* उन्होंने लिखी थी, लेकिन उन्हें इसका क्रेडिट नहीं दिया गया।

इस पर पलटवार करते हुए अश्विन ने कहा कि परेश रावल इस स्क्रिप्ट को किसी दूसरे नाम से बनाना चाहते थे और वे अक्षय कुमार को इस प्रोजेक्ट से दूर रखना चाहते थे। अश्विन ने पूरी कहानी को सबके सामने रखा है।

अश्विन वर्दे के मुताबिक, फिल्म *ओएमजी* के कॉपीराइट और बौद्धिक संपदा (आईपी) अधिकार केवल अक्षय कुमार के पास हैं। लेखक अमित राय ने *ओएमजी-2* की मूल स्क्रिप्ट लिखी थी। परेश रावल इस स्क्रिप्ट को किसी दूसरे नाम से बनाना चाहते थे ताकि अक्षय कुमार को इस प्रोजेक्ट से पूरी तरह दूर रखा जा सके।

अश्विन ने परेश की इस कोशिश को सीधे-सीधे स्क्रिप्ट चोरी और अनैतिक काम बताया है, क्योंकि वे बिना अक्षय कुमार की मंजूरी के उनकी फिल्म के फॉर्मेट का इस्तेमाल करना चाहते थे। फिल्म इंडस्ट्री के अन्य अभिनेताओं ने भी इसमें काम करने से इसीलिए मना कर दिया था क्योंकि वे जानते थे कि यह अक्षय कुमार की फिल्म है और उनकी अनुमति के बिना इसे बनाना गलत होगा।

इस चोरी को रोकने और स्क्रिप्ट को सुरक्षित करने के लिए अश्विन वर्दे की कंपनी ने अमित राय से इसके अधिकार खरीद लिए। इसके बाद जब अश्विन ने परेश रावल से कहा कि नैतिकता के नाते वे यह स्क्रिप्ट सबसे पहले अक्षय कुमार को दिखाएंगे, तो परेश अड़ गए कि फिल्म *ओएमजी* के नाम से नहीं बननी चाहिए।

अक्षय कुमार और अश्विन के काफी समझाने के बाद भी परेश रावल फिल्म में काम करने को तैयार नहीं हुए और वे फिल्म से अलग हो गए। इसके बावजूद, फिल्म रिलीज होने पर परेश रावल को बिना किसी योगदान के उनकी पत्नी और बिजनेस पार्टनर के नाम पर निर्माता का क्रेडिट दिया गया और उनकी पूरी फीस भी दी गई। अश्विन ने साफ किया कि उन्होंने परेश के साथ कोई धोखा नहीं किया, बल्कि उन्हें एक अनैतिक काम करने से रोका था।

अमित राय ने भी परेश रावल के दावों को पूरी तरह खारिज किया है। अमित ने साफ किया कि फिल्म की कहानी, स्क्रिप्ट, कॉन्सेप्ट और किरदारों के डिजाइन से लेकर हर एक चीज उनकी खुद की लिखी हुई है।

मेकर्स ने प्रियंका चोपड़ा के 44वें बर्थडे पर *वाराणसी* से उनका *मंदाकिनी* वाला लुक रिवील किया है।

देखो हंस न देना.....

एक शराबी झूमता हुआ घर की ओर जा रहा था कि अचानक रुक गया। उसने देखा, उसके पीछे दो लड़किया किसी बात पर, आपस में झगड़ रही थीं।

पहली लड़की : भगवान करे तेरी शादी किसी शराबी से हो जाए।

दूसरी लड़की : नहीं, भगवान करे तेरी शादी हो जाए।

शराबी : तो मैं रुकूं या जाऊं?

वाराणसी से प्रियंका का फर्स्ट लुक आउट

प्रियंका चोपड़ा आखिरकार एसएस राजामौली की फिल्म *वाराणसी* से प्रियंका चोपड़ा का फर्स्ट लुक आउट हो गया है। मेकर्स ने एक्ट्रेस के बर्थडे पर फैंस को तोहफा दिया है।

उन्होंने फिल्म से प्रियंका की *मंदाकिनी* के रोल में झलक जारी की है, जिसे देख फैंस खुशी से नाच उठे हैं। प्रियंका इस लुक में एकदम निडर और रहस्यमयी लग रही हैं। उनके किरदार में कई लेयर्स होंगी, जो *वाराणसी* की कहानी में ट्विस्ट लेकर आएंगी। *वाराणसी* की रिलीज का काफी समय से इंतजार किया जा रहा है। फिल्म साल 2027 में सिनेमाघरों में दस्तक देगी, पर तब तक एक-एक अपडेट पाने के लिए फैंस की बेचैनी बढ़ती ही जा रही है।

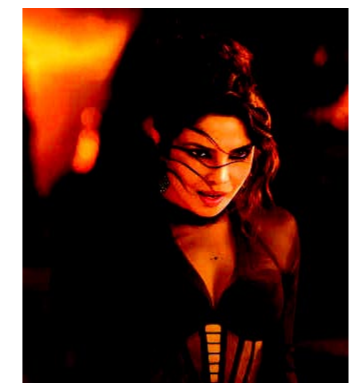

हाल ही फिल्म से महेश बाबू की राम के किरदार में एक तस्वीर लीक हुई थी, जिसने सोशल मीडिया पर खलबली मचा दी थी। और अब प्रियंका का *वाराणसी* से ऑफिशियल फर्स्ट लुक सामने है।

मेकर्स ने प्रियंका चोपड़ा के 44वें बर्थडे पर *वाराणसी* से उनका मंदाकिनी वाला लुक रिवील किया है। दो पोस्टर शेयर किए हैं और साथ में लिखा है, और ये है हमारी मंदाकिनी। हैप्पी बर्थडे प्रियंका चोपड़ा। *मंदाकिनी* के लुक में प्रियंका को देख एक फैन ने लिखा, रानी हमेशा रानी ही रहेगी। एक का कमेंट है, ग्लोबल सुपरस्टार। एक बोला, हम रुद्र और कुंभ का लुक भी रिलीज कर दो। *वाराणसी* की कहानी क्या होगी, यह तो फिलहाल अभी पता नहीं है, पर रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह यह टाइम ट्रैवल पर आधारित होगी। फिल्म में महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं।

महेश बाबू रुद्र के किरदार में हैं, जो ब्रह्मांड की एक ऐसी चीज की तलाश में निकलता है, जिसमें खूब सारी अलौकिक शक्तियां पर है, पर तभी रुद्र को इस मिशन के पीछे की गहरी साजिश का पता चलता है। *वाराणसी* का बजट 1200-1400 करोड़ रुपये बताया जा रहा है और यह भारतीय सिनेमा की अब तक की सबसे महंगी फिल्मों में से एक है।

बंटवारा का दूसरा टीजर रिलीज, एक्शन अंदाज में दिखे सनी देओल

सनी देओल, प्रीति जिंटा और शबाना आजमी स्टारर फिल्म *बंटवारा 1947* का दूसरा टीजर मेकर्स ने शनिवार को रिलीज कर दिया है। टीजर की शुरुआत कई इमोशनल सीन्स के साथ होती है, जहां आम लोगों के साथ मारपीट, आगजनी और अत्याचार देखने को मिलता है। शुरुआती सीन्स में प्रीति जिंटा, अली फजल और शबाना आजमी के किरदार नजर आते हैं, जो इन अत्याचारों से मायूस दिखाई देते हैं।

वहीं, अगले सीन में सनी देओल का दमदार डायलॉग सुनाई देता है, जो इस टीजर के इमोशन ही बदल देता है। सनी कहते हैं-डर रहा है इंसान, मर रहा है इंसान, और मैंजीते जी मरना नहीं चाहता। मैं जिंदा हूं और जिंदा होने का सबूत दूंगा। इस डायलॉग के साथ सनी देओल दमदार एक्शन सीन्स करते नजर आते हैं।

सनी देओल की यह फिल्म असगर वजाहत के मशहूर नाटक *जिस लाहौर नई वेख्या, ओ जम्या ए नई* पर बनी है, जो 1947 भारत-पाकिस्तान विभाजन के दर्द की कहानी दिखाती है। फिल्म का संगीत ए.आर. रहमान ने दिया है, जावेद अख्तर ने गाने लिखे हैं।

बंटवारा 1947 में सनी देओल ने *सिकंदर मिर्जा* का किरदार निभाया है। इस फिल्म में सनी के अलावा प्रीति जिंटा, शबाना आजमी, अली फजल, अभिमन्यु सिंह और करण देओल भी नजर आएंगे।

आर्थराइटिस में दवा जैसी असरदार हो सकती है ये डाइट

क्या आपको भी सुबह उठते ही जोड़ों में अकड़न महसूस होती है, सीढ़ियां चढ़ते समय घुटनों में दर्द होता है और घुटनों से कट-कट की आवाज आती है? अगर हां तो इन संकेतों को अनदेखा नहीं करना चाहिए। ये हड्डियों की समस्या की तरफ इशारा हो सकता है। कई बार इसके पीछे शरीर में लंबे समय तक बनी रहने वाली *क्रॉनिक इंफ्लेमेशन* भी जिम्मेदार हो सकती है। जोड़ों की सूजन और दर्द की दिक्कतों से बचे रहने के लिए डॉक्टर जीवनशैली और खानपान में सुधार की सलाह देते हैं। यही कारण है कि दुनियाभर में इन दिनों तेजी से *एंटी-इंफ्लेमेटरी डाइट* की चर्चा हो रही है।

अध्ययनों में पाया गया है कि *एंटी-इंफ्लेमेटरी डाइट* शरीर में सूजन को कम करने, दर्द और अकड़न में राहत देने जोड़ों की कार्यक्षमता बेहतर बनाने में मदद कर सकती है। तो क्या ये डाइट गठिया को भी ठीक कर सकती है? आइए इस बारे में जान लेते हैं। पहले जानिए एंटी-इंफ्लेमेटरी डाइट क्या है?

-आहार विशेषज्ञ कहते हैं, एंटी-इंफ्लेमेटरी डाइट में ऐसी चीजें शामिल की जाती हैं जो शरीर में सूजन को कम करने में मददगार होती हैं।

-इसमें ताजे फल, हरी सब्जियां, साबुत अनाज, दालें, नट्स और सीड्स को शामिल किया जाता है।

-ये खाद्य पदार्थ एंटीऑक्सीडेंट्स, फाइबर, विटामिन्स और मिनरल से भरपूर होते हैं जो कोशिकाओं को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाने में मदद करते हैं।

-वहीं इस डाइट प्लान में प्रोसेस्ड फूड्स, मीठे पेय और ट्रांस फैट वाली चीजों से परहेज किया जाता है, जिससे शरीर में सूजन को कम किया जा सके।

इंफ्लेमेशन होती क्यों है?

-इंफ्लेमेशन शरीर की प्राकृतिक रक्षा प्रणाली है। चोट, संक्रमण या किसी हानिकारक तत्व के प्रवेश पर प्रतिरक्षा तंत्र सूजन पैदा करता है ताकि शरीर खुद को ठीक कर सके।

-हालांकि जब यह प्रक्रिया लंबे समय तक बनी रहती है तो इसे क्रॉनिक इंफ्लेमेशन कहते हैं।

-मोटापा, धूम्रपान, तनाव, नींद की कमी, असंतुलित आहार और शारीरिक निष्क्रियता इसके प्रमुख कारण हो सकते हैं।

-लंबे समय तक बनी रहने वाली सूजन कई गंभीर बीमारियों के जोखिम को बढ़ाती है।

-ये आर्थराइटिस में जोड़ों की सूजन और दर्द को भी बढ़ा देती है।

संस्कृति अगर न हो तो एक जाति का विकास हो ही नहीं सकता : मीनाक्षी

इंटरव्यू

कुलदीप सैकीया

असमीया धारावाहिक, मंच, थियेटर आदि में दमदार अभिनय करनेवाली मशहूर अभिनेत्री मीनाक्षी दत्त के साथ साक्षात्कार का प्रमुख अंश पाठकों के लिए पेश हैं :

असम के अभिनय जगत में आपका प्रवेश कैसे हुआ था?

मीनाक्षी दत्त : हमारे निताईपुखुरी हेमचंद्र गोस्वामी कालेज में जब पढ़ती थी उस वक्त रूपाली जयंती वर्ष पर मैंने एक नाटक में अभिनय किया था। उस जगह पर *ज्योतिरूपा* नाम का एक थियेटर दल था। उस नाटक में अभिनय देखकर *ज्योतिरूपा* थियेटर के निर्माता ने मुझे अभिनय करने के लिए आमंत्रित किया था। *ज्योतिरूपा* के बाद मैंने दो साल *कोहिनूर* थियेटर में अभिनय किया था। शंकरदेव थियेटर में मैंने तीन साल अभिनय किया था और *बरदोईसिला थियेटर* में चार साल तक अभिनय किया था। इस तरह से असमीया थियेटर में 14 साल तक अभिनय किया।

आपके माता-पिता के बारे में कुछ बताइए?

मीनाक्षी दत्त : मेरे पिताजी का नाम हैं स्वर्गीय खिरोद दत्त और माताजी का नाम हैं स्वर्गीय निर्मालि दत्त। मेरा घर शिवसागर जिले के निताईपुखुरी नामक जगह पर हैं।

हालांकि नई पीढ़ी की कौन-सी बातें आपको परेशान करती हैं?

मीनाक्षी दत्त : नई पीढ़ी की सहनशीलता थोड़ी सी कम हैं और कोई भी चीज जल्दी चाहते हैं। चमकती हुई दुनिया को देखकर नई पीढ़ी किसी भी काम में ज्यादा देर तक ठहर नहीं सकते। नई पीढ़ी के जो अच्छे हैं वो सच में अच्छे हैं।

आपके असाधारण अभिनय प्रतिभा के अलावा साहित्य, संगीत या अन्य किसी विषय पर आपको रुचि हैं?

मीनाक्षी दत्त : नहीं (थोड़ा सा हंसकर)। मुझे कपड़े आदि बुनकर ज्यादा अच्छा लगता हैं।

सिर्फ शिक्षा और संस्कृति को ही क्या आप एक जाति के विकास का एकमात्र जरिया मानते हैं?

मीनाक्षी दत्त : बिल्कुल। संस्कृति अगर न हो तो एक जाति का विकास हो ही नहीं सकता। व्यवहार, संस्कृति, ये सभी एक जाति के विकास के लिए बहुत जरूरी हैं। अपने संस्कृति के बारे में अगर जानकारी न हो तो उसका विकास कैसे होगा?

एक दृश्य को बिलकुल सही तरह से निभाने के लिए आपको कितना वक्त लगता हैं?

मीनाक्षी दत्त : थियेटर की बात थोड़ी-सी अलग हैं। थियेटर में निर्देशक जैसा कहते हैं, वैसा ही करना पड़ता हैं। एक किरदार या दृश्य को सही तरह से निभाने के लिए उस दृश्य को अच्छी तरह से लिखना होगा और निर्देशक को उस दृश्य को हमें अच्छी तरह से समझाना होगा। निर्देशक जो चाहते हैं और साथ में मेरे अपने तरफ से जो योगदान होगा वो देने से एक दृश्य बिलकुल सही होगा।

ओटीटी प्लेटफॉर्म क्या वाकई में असमीया फिल्म को नुकसान पहुंचा रहा हैं?

मीनाक्षी दत्त : बिल्कुल नुकसान पहुंचा रहा हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म में लोग सिनेमाघरों में न जाकर आसानी से सबकुछ पा लेते हैं।

मंच और फिल्मों में सबसे ज्यादा आपको कौन-सा माध्यम ज्यादा पसन्द हैं?

मीनाक्षी दत्त : मुझे मंच सबसे ज्यादा पसन्द हैं। लेकिन धीरे-धीरे मुझे कैमरे का काम भी पसन्द आ रहा हैं। मंच और कैमरे का एंगल थोड़ा-सा अलग हैं। कैमरे में बार-बार अभिनय करना पड़ता हैं इसलिए धारावाहिकता भंग हो जाता हैं। नाटक में कहानी साथ-साथ चलता रहता हैं। कैमरे में हमें कहानी का पता नहीं चलता। इसलिए कैमरे पर अपना किरदार निभाना थोड़ा-सा मुश्किल होता हैं।

आपका पसंदीदा खाना क्या हैं?

मीनाक्षी दत्त : मेरा पसंदीदा खाना दाल, सब्जी और भात हैं(हंसकर)। मछली खाकर अच्छा लगता हैं।

आपका पसंदीदा रंग क्या हैं?

मीनाक्षी दत्त : सफेद और आसमानी रंग मेरा पसंदीदा रंग हैं।

आपके हिन्दी फिल्म के पसंदीदा अभिनेता-अभिनेत्री कौन हैं और असमीया फिल्म के पसंदीदा अभिनेता-अभिनेत्री कौन हैं?

मीनाक्षी दत्त : हिन्दी फिल्म जगत के पसंदीदा अभिनेता काजल, श्रीदेवी, अमिताभ बच्चन और रणबीर कपूर हैं। असमीया फिल्म के पसंदीदा अभिनेता जतिन बोरा और प्रस्तुति पराशर हैं।

आपको किस बात पर गुस्सा आता हैं?

मीनाक्षी दत्त : झूठ बोलने पर मुझे गुस्सा आता हैं।

आपका आदर्श व्यक्ति कौन हैं?

मीनाक्षी दत्त : आदर्श व्यक्ति मेरी मां हैं।

जीवन के प्रति आपका नजरिया क्या हैं?

मीनाक्षी दत्त : जीवन बड़ा ही सुन्दर हैं। जीवन भगवान का एक दान हैं। उसे सजाना-संवारना हम सभी की जिम्मेदारी हैं।

कैमरे में बार-बार अभिनय करना पड़ता हैं इसलिए धारावाहिकता भंग हो जाता हैं। नाटक में कहानी साथ-साथ चलता रहता हैं। कैमरे में हमें कहानी का पता नहीं चलता। इसलिए कैमरे पर अपना किरदार निभाना थोड़ा-सा मुश्किल होता हैं।

नमस्कार अपर असम

प्रातः खबर

रविवार, 19 जुलाई 2026

मौसम

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
जोरहाट	30°	19°
डिब्रूगढ़	29°	17°
तिनसुकिया	30°	18°
शिवसागर	30°	19°

लखीमपुर जिले के गोगामुख सुवनशिरी नदी में डूबे 2 छात्र, तलाश जारी

खबर संवाददाता

लखीमपुर, 18 जुलाई। जिले के गोगामुख स्थित सुवनशिरी नदी के चाउलधोरा घाट पर नहाने के दौरान 2 छात्र लापता हो गए।लापता छात्रों की पहचान निर्मल नाथ कक्षा-9 और सत्य नाथ कक्षा-11 के रूप में हुई है। घटना के बाद से ही की टीम मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य में जुटी है। इस दुखद घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है।स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर तरह तरह के कयास लगाये जा रहे है।

Ph. : 2548109 2730431
L. GOPAL JEWELLERS
9-11-14, Kuber A.C. Market Guwahati - 781001
शुद्ध चांदी के बर्तनों एवं शुद्ध चांदी की सिल्ली व चांदी के सिक्कों का एकमात्र विश्वसनीय प्रतिष्ठान
22/22 KDM Gold Jewellery, Hallmark Gold Jewellery Branded Diamond Jewellery, Platinum & Silver Utensils & Articles

0361-2601385 9678211156
D. M. Jeweller's
(As You Like We are)
7/8 (L) Akram's Business Fancy Bazar, Guwahati-1
शुद्ध सील चांदी के बर्तन एवं असली सिक्कों का प्रतिष्ठित स्थान
We also deal in 22/22 KDM hallmark Jewelleries

जोरहाट में पिस्तौल और कारतूस के साथ युवक पुलिस की गिरफ्त में

खबर संवाददाता

जोरहाट 18 जुलाई। जोरहाट पुलिस की तत्परता से आज अवैध हथियार के साथ एक युवक को किसी वारदात के अंजाम देने से पहले ही धर दबोचा गया। पुलिस ने शहर के जेल रोड स्थित नंदनपुर क्षेत्र से एक संदिग्ध युवक को गिरफ्तार कर उसके पास से एक 7.65 एमएम पिस्तौल, तीन कारतूस और एएस-03-एस-5153 नंबर की पल्सर बाइक बरामद की गई। पुलिस के शिकंजे में आए युवक की पहचान संजीव बरुआ के रूप में हुई है। ट्रैफिक इंस्पेक्टर उत्पल दत्त के नेतृत्व में पुलिस के अभियान के दौरान

आज यह बरामदगी की गई। संजीव की संदिग्ध गतिविधियों से पुलिस टीम को शक हुआ और उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके पास से अत्याधुनिक पिस्तौल और कारतूस मिले। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। वहीं हथियार और कारतूस जब्त कर लिया। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। पूछताछ के दौरान आरोपी संजीव सवालों को टालता नज़र आया। फिलहाल पुलिस उससे गहन पूछताछ कर हथियार तस्करी के नेटवर्क की जड़े खोदने में लगी है।

माजुली में घरेलू समारोह का भोजन बना मुसीबत, 11 लोग फूड पॉइजनिंग का शिकार

खबर संवाददाता

माजुली, 18 जुलाई। माजुली जिले में एक घरेलू समारोह के दौरान परोसा गया भोजन खाने के बाद 11 लोग फूड पॉइजनिंग का शिकार हो गए। घटना नतून बाजार क्षेत्र के बरबिल गांव की है, जहां एक पारिवारिक कार्यक्रम के बाद अचानक कई लोगों की तबीयत बिगड़ गई। परिजनों और स्थानीय लोगों ने सभी बीमार लोगों को तत्काल श्रीश्री पीतांबर देव गोस्वामी जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। अस्पताल के चिकित्सकों के अनुसार सभी मरीजों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घरेलू समारोह में परोसे गए भोजन के सेवन के बाद लोगों में उल्टी, दस्त और पेट दर्द जैसी शिकायतें शुरू हुईं, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभाग सक्रिय हो गए। खाद्य सुरक्षा विभाग मामले की जांच कर रहा है कि भोजन दूषित कैसे हुआ और फूड पॉइजनिंग का वास्तविक कारण क्या था। जांच रिपोर्ट आने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

ब्रह्मपुत्र के बीचों-बीच फेरी में तकनीकी खराबी, बाल-बाल बचे यात्री

खबर संवाददाता

जोरहाट, 18 जुलाई। जोरहाट और माजुली के बीच ब्रह्मपुत्र नदी में संचालित एसबी सेनिमाई फेरी में शनिवार को बीच नदी में अचानक तकनीकी खराबी आने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। घटना निमातीघाट अफलामुख (कमलाबाड़ी) नौका मार्ग पर हुई। जानकारी के अनुसार नौका के बीच नदी में पहुंचने के बाद उसके प्रोपेलर (पंखे) में तकनीकी खराबी आ गई, जिससे नौका आगे बढ़ने में असमर्थ हो गई। खराबी के कारण कुछ समय तक नौका नदी के बीच फंसी रही और यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही अंतर्देशीय जल परिवहन (आईडब्ल्यूटी) विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई। समय रहते सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया गया, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। गौरतलब है कि निमातीघाट और माजुली के बीच चलने वाली यह नौका सेवा प्रतिदिन हजारों यात्रियों के लिए जीवनरेखा मानी जाती है। इस घटना के बाद यात्रियों ने नौका सेवाओं के नियमित रखरखाव और सुरक्षा मानकों को और अधिक सुदृढ़ करने की मांग की है।

जोरहाट में गूंजा जय गौमाता का उद्घोष ग्वालसंत गोपालानंद महाराज के सान्निध्य में राष्ट्रमाता अभियान को मिला जनसमर्थन

खबर संवाददाता

जोरहाट, 18 जुलाई। धर्मनगरी जोरहाट में आज गौ-संरक्षण, गौ-सम्मान और भारतीय संस्कृति के संवर्धन को समर्पित एक भव्य धार्मिक एवं जनजागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वृंदावन से पधारे परम पूज्य ग्वाल संत श्री गोपालानंद महाराज एवं उनके साथ पधारे अन्य संतों के सान्निध्य में आयोजित इस कार्यक्रम में 200 से अधिक श्रद्धालुओं, गौ-भक्तों और धर्मप्रेमी नागरिकों ने भाग लेकर गौमाता के प्रति अपनी आस्था और समर्पण व्यक्त किया। श्री मारवाड़ी ठाकुरबाड़ी परिसर स्थित सत्संग भवन में सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित कार्यक्रम में संतों ने अपने ओजस्वी प्रवचनों के माध्यम से गौमाता की महिमा, भारतीय संस्कृति में उनके सर्वोच्च स्थान तथा गौ-संरक्षण की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। भक्ति और श्रद्धा से सराबोर वातावरण में पूरा परिसर 'जय गौमाता' और 'जय गोपाल' के उद्घोष से गूंज उठा। कार्यक्रम के दौरान देशभर में संचालित 'गौमाता सम्मान आह्वान हस्ताक्षर अभियान' के अंतर्गत गौमाता को 'राष्ट्रमाता' घोषित करने तथा देशभर में गौहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर व्यापक हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए भारत सरकार से इस संबंध में प्रभावी कानून बनाने की मांग का समर्थन किया। सभा में जोरहाट, नगांव, गोलाघाट, देरगांव, मरियानी सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं और सामाजिक संगठन के प्रतिनिधियों ने अभियान के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया तथा इसे जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए गौमाता सम्मान आह्वान हस्ताक्षर अभियान के जिला संचालक एवं प्रचारक रामकुमार तोषनीवाल ने बताया कि अभियान का उद्देश्य समाज में गौ-संरक्षण के प्रति व्यापक जनजागरण करना तथा अधिक से अधिक लोगों को इस राष्ट्रीय मुहिम से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि गौमाता के सम्मान और संरक्षण के लिए यह जन आंदोलन निरंतर आगे बढ़ाया जाएगा। कार्यक्रम में नगांव से विश्वमित्र भट्टो, गोलाघाट से अनिल खंडेलवाल एवं उनकी टीम, देरगांव से कमल काबरा एवं टीम, मरियानी से प्रह्लादराय मोदी (मास्टरजी) एवं एकता ग्रुप के प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया। वहीं जोरहाट से समाजसेवी गणपत लाल राठी, ओमप्रकाश धूत, सीताराम बाहेती, हनुमान प्रसाद बाहेती, गौरीशंकर झंवर, बासुदेव सर्राफ सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन संतों के आशीर्वचन, सामूहिक संकल्प और गौमाता के सम्मान एवं संरक्षण के लिए जन-जागरण को और अधिक व्यापक बनाने के आह्वान के साथ हुआ।

तिनसुकिया में 20 गायों की संदिग्ध मौत से सनसनी

खबर संवाददाता

तिनसुकिया, 18 जुलाई। तिनसुकिया शहर के ज्योतिनगर स्थित श्री तिनसुकिया गौशाला में 20 गायों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने से पूरे शहर में सनसनी फैल गई है।घटना के बाद गौशाला परिसर में चिंता का माहौल है।इस तरह एक साथ इतनी बड़ी संख्या में गायों की मौत ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।वही मृत गायों की संख्या बढ़ने की भी आशंका जताई जा रही है,जिससे स्थिति और अधिक चिंताजनक बन गई है। गौशाला में गायो की देखभाल करने वाले व्यक्ति के अनुसार गाय के खाने के लिए आये चिवड़ा और मुरी खिलाने के बाद से गायो की तबीयत बिगड़नी शुरू हो गई और एक-एक कर 20 गायों की मौत हो गई।वर्तमान में बीमार गायों की चिकित्सा जारी है।इस घटना ने न केवल गौशाला प्रबंधन बल्कि पूरे तिनसुकिया शहर को झकझोर कर रख दिया है।गौशाला प्रबंधन ने पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।घटना को लेकर स्थानीय स्तर पर भी चिंता का माहौल है।अब प्रशासनिक जांच के बाद ही इस दर्दनाक घटना के पीछे की वास्तविक वजह सामने आ सकेगी।

तिनसुकिया आंचलिक छात्र संस्था ने मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

खबर संवाददाता

तिनसुकिया, 18 जुलाई। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करने के उद्देश्य से तिनसुकिया आँचलिक छात्र संस्था द्वारा तिनसुकिया विकास प्राधिकरण के सांस्कृतिक केंद्र में एक विशेष अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। इस अभिनंदन समारोह में 10वी एवं 12वी की परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विशेष सफलता प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। असम साहित्य सभा के पूर्व उपाध्यक्ष गिरीश हंडिक की अध्यक्षता में आयोजित इस विशेष अभिनंदन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल असम छात्र संस्था के सचिव समीरण फुकान के उपस्थिति के अलावे सांगठनिक सचिव जितेंद्र चुतिया,जिला चुनाव अधिकारी मयूराक्षी दत्त,वरिष्ठ पत्रकार अमूल खाटनियार तिनसुकिया जिला पत्रकार संघ के सचिव विप्लब चेतिया सहित तिनसुकिया जिला छात्र संस्था के

अध्यक्ष प्रतिम नेउग,सचिव कनसेन गोगोई सहित जिला एवं आँचलिक छात्र संस्था के अन्य पदाधिकारी एव सदस्य सहित अभिभावक, शिक्षक, गणमान्य नागरिक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम की संचालना जिला छात्र संस्था के वित्तिय सचिव उदीप बरपात्र द्वारा किया गया।वही कार्यक्रम में स्वागत भाषण जिला उपाध्यक्ष सूरज छेत्री द्वारा दिया गया।कार्यक्रम के दौरान तिनसुकिया जिले के विभिन्न शिक्षण संस्थानो के कुल 408 मेधावी विद्यार्थियों को अभिनंदन-पत्र एवं फ़ाइल भेंट कर सम्मानित किया गया।वही 10वी की परीक्षा परिणाम में पूरे जिले के असमिया विषय में सर्वश्रेष्ठ अंक हासिल करने वाले चयनिका सोनोवाल को अखिल असम छात्र संस्था के सांगठनिक शहीद विश्वजीत बोरा स्मृति पुरस्कार के सम्मानित किया गया।समारोह में विद्यार्थियों की मेहनत,लगन और उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।वही विद्यार्थियों को जीवन में निरंतर मेहनत करने,उच्च लक्ष्य निर्धारित करने तथा समाज और राष्ट्र के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का संदेश दिया।

जोरहाट में गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज की समिति का गठन

खबर संवाददाता

जोरहाट, 18 जुलाई। जोरहाट में ब्राह्मण समाज के विभिन्न घटकों में से एक महत्वपूर्ण घटक गुर्जर गौड़ समाज की एक अहम सभा हाल ही में आयोजित हुई। समाज के वरिष्ठ विद्याधर उपाध्याय (बीजू कबाड़ी) के निवास पर आयोजित इस सभा में लंबी चर्चा के बाद समाज की सांगठनिक इकाई का गठन करने पर सैद्धांतिक सहमति बनी इस क्रम में सर्वसम्मति से राजेश उपाध्याय (राजेश लॉक) को श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज, जोरहाट का अध्यक्ष चुना गया। वहीं ऊर्जावान युवा रामजी पंचारिया को सचिव पद का दायित्व दिया गया। पदाधिकारियों के क्रम में ओमप्रकाश पंचारिया और सीताराम कठातला के रूप में दो उपाध्यक्ष तथा ओमप्रकाश उपाध्याय और सुमित जोशी के रूप में दो सह सचिव के साथ ही श्याम सुंदर सांखी को कोषाध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा श्रवण कुमार जोशी, गौरीशंकर जोशी, सुनील कठातला, गजेंद्र उपाध्याय, किशन लाल जाजड़ा, अनिल शर्मा, जितेंद्र उपाध्याय, संजय गिल और रोशन जाजड़ा कार्यकारिणी सदस्य के रूप में समिति में शामिल है। समाज के संगठन को सुचारू रूप से चलाने के लिए एक सलाहकार समिति भी बनाई गई, जिसमें विद्याधर उपाध्याय (बीजू कबाड़ी), भागीरथ बच्छ, नथमल उपाध्याय, बजरंग गिल और अमोलक चंद सांखी को शामिल किया गया। सभा में चर्चा के दौरान रतन शर्मा के नेतृत्व में अष्टलक्ष्मी परशुराम फाउंडेशन के कार्यकलापों की सराहना करते हुए संगठन को शुभकामना प्रेषित की गई। सलाहकार बीजू कबाड़ी ने बताया कि अष्टलक्ष्मी के रूप में संपूर्ण ब्राह्मण समाज को एकजुट करने के साथ ही युवा पीढ़ी को कैरियर निर्माण में मदद की रतन शर्मा की मुहिम स्वागत योग्य है और सभी को इस भागीरथ अभियान में शामिल होना चाहिए। दूसरी तरफ अष्टलक्ष्मी के राष्ट्रीय संयोजक चंद्रप्रकाश शर्मा ने जोरहाट में लंबे अर्से बाद गुर्जर गौड़ समाज की इकाई के गठन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि समाज का हर घटक अपने आप में संगठित हो, यह हमारी पहली प्राथमिकता है और समस्त ब्राह्मण समाज के लिए जब छतरी संगठन की बात हो तो अष्टलक्ष्मी मंच देने को प्रस्तुत है। जोरहाट में गुर्जर गौड़ समाज का संगठित स्वरूप सामने आने के बाद समाज में हर्ष का माहौल देखा जा रहा है।

जोरहाट में स्वतंत्रता दिवस समारोह की समीक्षा बैठक आयोजित

खबर संवादददाता

जोरहाट, 18 जुलाई। आगामी स्वतंत्रता दिवस को सुचारू और शांतिपूर्ण ढंग से मनाने के उद्देश्य से आज जिला आयुक्त कार्यालय सभागार में एक तैयारी बैठक आयोजित की गई। स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम, सुरक्षा व्यवस्था और रूपरेखा तय करने के लिए बुलाई गई इस बैठक में जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न विभागों के प्रमुख, स्वैच्छिक संगठन, सामाजिक संगठन, समाजसेवी, वरिष्ठ नागरिक और जिला मुक्ति संग्राम सेनानी संघ के प्रतिनिधि शामिल हुए। जिला विकास आयुक्त श्यामल क्षेत्र गोगोई की अध्यक्षता में आयोजित बैठक की शुरुआत में उपस्थित सभी लोगों का स्वागत और बैठक के मुख्य उद्देश्यों की जानकारी दी गई। इसके बाद पिछले वर्ष के कार्यक्रमों का लेखा-जोखा और विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा के साथ बैठक का काम शुरू हुआ। इसके बाद अतिरिक्त जिला आयुक्त पंकज बोरा ने आगामी स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर जिला आयुक्त द्वारा सभी विभागों को दिए गए निर्देशों को संक्षेप में प्रस्तुत किया। जिले की सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शुभ्रज्योति बोरा ने कहा कि इस अवसर पर पूरे जिले में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े दिशा-निर्देशों का पालन किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी विभागों और नागरिकों से सक्रिय सहयोग की अपील करते हुए पुलिस अधीक्षक ने नगरपालिका प्राधिकरण को एक विशेष निर्देश भी दिया। उन्होंने सार्वजनिक डस्टबिन की नियमित सफाई करने और कहीं भी कचरा लंबे समय तक जमा न होने देने की सलाह दी, ताकि सुरक्षा व्यवस्था और अधिक मजबूत की जा सके। बाद में बैठक को मुक्त चर्चा के लिए खोला गया, जिसमें उपस्थित सभी विभागीय प्रमुखों, जनप्रतिनिधियों और साथियों ने अपने महत्वपूर्ण सुझाव और राय रखी। अंत में जिला विकास आयुक्त ने स्वतंत्रता दिवस के सभी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए सभी हितधारकों से सहयोग देने का आह्वान किया। इस महत्वपूर्ण तैयारी बैठक में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज कुमार बरुआ, जिला परिषद के अध्यक्ष सुरजित सैकिया, जोरहाट विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष प्रशांत ज्योति गोस्वामी और जोरहाट नगरपालिका के उपाध्यक्ष दिलीप दत्त उपस्थित थे। इसके अलावा बैठक में टियोक, माजुली और तिताबर के सम जिला आयुक्त, जिले के सभी अतिरिक्त जिला आयुक्त, राजस्व चक्र अधिकारी, सहायक आयुक्त, चुनाव अधिकारी, सभी विभागीय प्रमुख और संबंधित अन्य अधिकारी-कर्मचारी भी सक्रिय रूप से शामिल हुए।

डिब्रूगढ़ में तेज रफ्तार टैंकर की टक्कर से बाइक सवार की मौत

कार्यालय संवाददाता

डिब्रूगढ़, 18 जुलाई। डिब्रूगढ़ जिले के लाहोवाल थाना क्षेत्र स्थित बोकुल बाइपास पर शनिवार को हुए एक भीषण सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे ने क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ा दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेज रफ्तार से आ रहे एक टैंकर ने पीछे से बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार सड़क पर गिर पड़ा और गंभीर चोटों के कारण उसकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुनानंद पाठक, निवासी चाबुआ, अपनी पल्सर मोटरसाइकिल डिब्रूगढ़ से चाबुआ की ओर जा रहे थे। इसी दौरान बोकुल बाइपास के समीप पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार टैंकर ने उनकी मोटरसाइकिल को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि उन्हें संभलने का कोई मौका नहीं मिला और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना

मिलते ही लाहोवाल पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त टैंकर को जब्त कर लिया। पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की तथा पोस्टमार्टम के लिए असम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एएमसीएच), डिब्रूगढ़ भेज दिया। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। टैंकर चालक की भूमिका की भी जांच की जा रही है तथा आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाना हादसे का संभावित कारण माना जा रहा है। इस हृदयविदारक दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखा गया। लोगों ने बोकुल बाइपास पर लगातार बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए प्रशासन से भारी वाहनों की गति पर सख्त नियंत्रण, नियमित पुलिस निगरानी तथा सड़क सुरक्षा उपायों को और प्रभावी बनाने की मांग की है। मृतक पुनानंद पाठक के असामयिक निधन से उनके परिवार और चाबुआ क्षेत्र में शोक का माहौल है।

रोटरी क्लब ऑफ तिनसुकिया द्वारा रायडांग चाय बागान में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन

खबर संवाददाता

तिनसुकिया, 18 जुलाई। रोटरी क्लब ऑफ तिनसुकिया द्वारा रायडांग चाय बागान में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर एक विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और बागान क्षेत्रों में महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। शिविर में रोटरी क्लब ऑफ तिनसुकिया के पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एवं सुप्रसिद्ध शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. एम.एस.कोंवर ने बच्चों की सही देखभाल,पोषण और उनके शारीरिक विकास के बारे में विस्तार से जानकारी दी।वहीं,स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रेरणा केशान ने मातृ स्वास्थ्य(गर्भावस्था के दौरान और बाद में महिलाओं की देखरेख)के महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत कराया। इसके साथ ही,डॉ.नैना दास डे ने बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए समय पर टीकाकरण के महत्व को समझाया । इस पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने में रोटेरियन विकास जालान और रोटेरियन राकेश अग्रवाल ने अपना भरपूर सहयोग दिया।जागरूकता शिविर में रोटेरियन बिनेश सिंह और रोटरी क्लब ऑफ तिनसुकिया के अध्यक्ष रोटेरियन प्रकाश जैन भी मुख्य रूप से शामिल रहे। यह संपूर्ण जानकारी रोटेरियन अंजनी गोयल द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई है।

सादा जीवन उच्च विचार का श्रेष्ठ उदाहरण थे श्रद्धेय ओंकारमल माहेश्वरी

■ **ओमप्रकाश गट्टाणी, जोरहाट**

ज्योतिप्रसाद अगरवाला ने भाबीकालोर संस्कृति में अत्यंत सारगर्भित विचार प्रस्तुत करते हुए लिखा है- 'हमारे प्रत्येक कार्य में सांस्कृतिक संस्कारों का समावेश होना अनिवार्य है। ऐसा नहीं होता है, तो हमारे कार्य केवल यांत्रिक क्रियाएं बनकर रह जाते हैं- न उनसे समाज का कल्याण होता है, न राष्ट्र का, और न ही व्यक्ति विशेष के स्वयं का उत्थान संभव हो पाता है। फिर चाहे किसी का कार्यक्षेत्र राजनीति हो, व्यापार हो, पेशा हो अथवा अध्ययन-अध्यापन। जीवन के किसी भी क्षेत्र में कार्य करते समय हमारी सोच और आचरण में संस्कृति के तत्वों का समावेश होना आवश्यक है। ज्योतिप्रसाद अगरवाला की इसी विचारधारा को अपने जीवन में साकार रूप देने वाले व्यक्तित्व थे ओंकारमलजी माहेश्वरी। उन्होंने न केवल ज्योति के इस दर्शन को आत्मसात किया, बल्कि अपने लंबे पेशेवर जीवन में उसे व्यावहारिक रूप में भी उतारा। वे एक विधिक पेशेवर थे और अपने कार्यों में सांस्कृतिक मूल्यों को कभी कमजोर नहीं पड़ने दिया। यही कारण है कि उनकी पहचान और स्वीकार्यता केवल मारवाड़ी समाज तक सीमित नहीं रही, बल्कि स्थानीय समाज में भी वे अत्यधिक मान-सम्मान के पात्र बने। ओंकारमलजी का विभिन्न विधिक, शैक्षणिक, सामाजिक संस्थाओं से गहरा और आत्मीय जुड़ाव उनके व्यापक दृष्टिकोण और समर्पण को दर्शाता है। विधिक सेवाओं में नैतिक मूल्यों, ज्ञान व न्याय व्यवस्था में उच्च कोटि के योगदान के लिए सन 2004 में गौहाटी उच्च न्यायालय से डेजिगनेटेड सीनियर एडवोकेट' का सम्मान प्राप्त ओंकारमलजी ने पांच बार जोरहाट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष के रूप में सेवाएं दी। इसके अलावा उन्होंने 'आल असम लॉयर्स एसोसिएसन के अध्यक्ष, बार काउंसिल आफ असम, नगालैंड, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, अरूणाचल प्रदेश, त्रिपुरा एंड सिक्किम के सदस्य के रूप में भी सेवाएं दी। जोरहाट लॉ कॉलेज, डी.सी.बी. गर्ल्स कॉलेज-जोरहाट, सीकेबी कॉमर्स कॉलेज-जोरहाट, एन.एन. फुकन ट्रस्ट, शिक्षागुरु जेहीरुद्दिन अहमद एजुकेशन ट्रस्ट आदि के साथ भी ये सक्रिय रूप से जुड़े रहे। उन्होंने दो बार जोरहाट नगरपालिका के पार्षद के रूप में भी सेवाएं दी। मारवाड़ी समाज की अनेक संस्थाओं के साथ भी ओंकारमलजी माहेश्वरी जुड़े हुए रहे। इनमें प्रमुख थी- माहेश्वरी सभा-जोरहाट (अध्यक्ष), पूर्वोत्तर प्रदेशीय माहेश्वरी सभा, मारवाड़ी सम्मेलन-जोरहाट, मारवाड़ी चैरीटेबल सोसायटी-जोरहाट, श्री मारवाड़ी ठाकुरबाड़ी आदि। विभिन्न संस्थाओं के संविधान, ट्रस्ट डीड आदि बनाने में उन्होंने प्रमुख भूमिका निभाई। विभिन्न संस्थाओं के साथ उनकी सक्रिय सहभागिता दर्शाती है कि वे केवल मारवाड़ी समुदाय तक सीमित व्यक्ति नहीं थे, बल्कि इतर समाज के हर वर्ग के साथ जुड़कर कार्य करने में विश्वास रखते थे। पिछले एक वर्ष से कुछ अस्वस्थ रहे ओंकारमलजी स्वयं गाड़ी चलाते और लगभग हर सामाजिक कार्यक्रम में उपस्थिति दर्ज कराने से नहीं चुकते थे। धीर-स्थिर व्यक्तित्व के व सादगी पसंद होने के कारण ही संभवतः वे 90 वर्ष की उम्र तक सक्रिय रहे। जीवन पर्यन्त सादा जीवन उच्च विचार के हामी रहे ओंकारमलजी ने सामाजिक व पेशागत व्यस्तताओं के बावजूद परिवार के प्रति भी अपने कर्तव्य का बखूबी निर्वहन किया। उनका एक पुत्र चार्टर्ड अकाउंटेंट है, तो दूसरा पुत्र डॉक्टर के रूप में सेवा दे रहा है। उनका जीवन-दर्शन वास्तव में अनुकरणीय है। सामान्यतः व्यक्ति धन अर्जित करता है, जो प्रायः अपने परिवार व निजी सुख-सुविधाओं तक ही सीमित रह जाता है। लेकिन जो व्यक्ति अपने कार्यों में संस्कृति का समावेश कर ख्याति और सम्मान अर्जित करता है, उसकी यह उपलब्धि केवल उसकी व्यक्तिगत सफलता नहीं होती, बल्कि पूरे समाज के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय बनती है। ओंकारमलजी ने अपने जीवन से सिद्ध किया कि सच्ची सफलता केवल आर्थिक उपलब्धियों में नहीं, बल्कि सांस्कृतिक मूल्यों के साथ जीवन जीने में ही निहित है। वे मारवाड़ी समाज और स्थानीय समाज के बीच एक सशक्त सेतु के रूप में कार्य करते रहे। उनके व्यक्तित्व ने दोनों समाजों को जोड़ने, एक दूसरे को समझने और साथ चलने की प्रेरणा दी। आज जब हम उनके जीवन के विभिन्न पहलुओं का स्मरण करते हैं, तो स्पष्ट होता है कि उनका योगदान केवल उनके समय तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आनेवाली पीढ़ियों का भी मार्गदर्शन करता रहेगा। ओंकारमलजी सदैव अपनी सादगी, संस्कार व समाज के प्रति समर्पण के लिए याद किए जाएंगे।

उग्रवादियों के संदेह में वाहन पर सुरक्षा बलों की फायरिंग, महिला घायल

कार्यालय संवाददाता

डिब्रूगढ़, 18 जुलाई। अरुणाचल प्रदेश के लोहित जिले के लाथाओ क्षेत्र में शुक्रवार देर रात सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए उग्रवाद विरोधी अभियान के दौरान एक संदिग्ध वाहन पर की गई फायरिंग में एक महिला घायल हो गई। घायल महिला के पैर में गोली लगी है। उसे पहले स्थानीय अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिया गया, जिसके बाद बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए असम के डिब्रूगढ़ स्थित सृष्टि अस्पताल रेफर किया गया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार महिला का इलाज जारी है और उसकी हालत फिलहाल स्थिर बनी हुई है। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा एजेंसियों को सूचना मिली थी कि उग्रवादी संगठन से जुड़े कुछ संदिग्ध सदस्य लाथाओ क्षेत्र से होकर गुजर सकते हैं। इसके बाद सेना, असम राइफल्स और अन्य सुरक्षा बलों ने संयुक्त रूप से इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया। अभियान के दौरान एक वाहन को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन कथित रूप से वाहन चालक ने रुकने के बजाय तेजी से वाहन आगे बढ़ा दिया। सुरक्षा बलों ने इसे संदिग्ध मानते हुए फायरिंग की, जिसमें वाहन में सवार महिला गोली लगने से घायल हो गई। बताया जा रहा है कि फायरिंग के बावजूद संदिग्ध वाहन मौके से भाग निकलने में सफल रहा। इसके बाद पूरे इलाके में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया। सुरक्षा बल जंगलों, पहाड़ी मार्गों और सीमावर्ती क्षेत्रों में लगातार सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं ताकि वाहन और उसमें सवार संदिग्ध व्यक्तियों का पता लगाया जा सके। अब तक किसी उग्रवादी की गिरफ्तारी या मुठभेड़ की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल है। नागरिकों का कहना है कि उग्रवाद विरोधी अभियानों के दौरान आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त सावधानी बरती जानी चाहिए। कई सामाजिक संगठनों ने भी निष्पक्ष जांच की मांग की है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि फायरिंग किन परिस्थितियों में की गई और क्या मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का पूरी तरह पालन किया गया। प्रशासन ने घटना की जांच शुरू कर दी है। जांच में यह पता लगाया जाएगा कि वाहन को रोकने के लिए क्या प्रयास किए गए, फायरिंग की आवश्यकता क्यों पड़ी तथा घायल महिला किन परिस्थितियों में वाहन में मौजूद थी। सुरक्षा एजेंसियों ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाह पर विश्वास न करें और संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तुरंत पुलिस या सुरक्षा बलों को दें। इस बीच डिब्रूगढ़ के सृष्टि अस्पताल में भर्ती महिला का उपचार विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में जारी है। चिकित्सकों के अनुसार उसकी स्थिति नियंत्रण में है और उसे आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि घटना की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रिया डालमिया की सफलता पर मारवाड़ी सम्मेलन ने दी हार्दिक बधाई

खबर संवाददाता

तिनसुकिया,18 जुलाई। मारवाड़ी सम्मेलन,तिनसुकिया शाखा की ओर से सुश्री रिया डालमिया को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए अनंत शुभकामनाएँ प्रेषित की जाती हैं। सुश्री रिया डालमिया ने एम.कॉम परीक्षा में जी.एस. कॉलेज, तिनसुकिया में प्रथम स्थान तथा डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त कर अपने माता-पिता,परिवार,समाज एवं तिनसुकिया का नाम गौरवान्वित किया है।उनकी यह उपलब्धि कठिन परिश्रम, लगन, अनुशासन

एवं उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रेरणादायक उदाहरण है। सुश्री रिया डालमिया, मारवाड़ी सम्मेलन,तिनसुकिया शाखा के उपाध्यक्ष श्री जितेंद्र डालमिया एवं श्रीमती बबिता डालमिया की सुपुत्री हैं।उनकी इस उल्लेखनीय सफलता पर सम्मेलन परिवार श्री जितेंद्र डालमिया एवं उनके समस्त परिवार को भी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गई। मारवाड़ी सम्मेलन,तिनसुकिया शाखा द्वारा ईश्वर से प्रार्थना करते हुये कहा गया की सुश्री रिया डालमिया जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में निरंतर नई-नई ऊँचाइयाँ प्राप्त करने तथा अपने परिवार,समाज और राष्ट्र का नाम सदैव गौरवान्वित करती रहें।

लखीमपुर भूमिक अमावस्या पर महेश्वरी महिला संगठन का उत्कृष्ट सेवा कार्य संपन्न

खबर संवाददाता

लखीमपुर, 18 जुलाई। माहेश्वरी महिला संगठन लखीमपुर शाखा द्वारा भूमिक अमावस्या के पावन अवसर पर एल.पी. स्कूल,चापरीगांव में सेवा कार्यक्रम के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजन किया गया। प्रथम इस अवसर पर विद्यालय के लगभग 100 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के बीच छाता और विद्यार्थियों को अल्पाहार का वितरण किया गया। दुतीय के बी रोड में राहगीरो के बीच लगभग 1500 ग्लास ताप्ती गर्मी में शरबत पिलाया गया। तृतीय कार्य संगठन के सदस्याएं सामूहिक जोहिंग स्थित त्रिवेणी संगम में स्नान ध्यान कर शिव मंदिर में समाज हितार्थ के लिए पूजा अर्चना किए। उपरोक्त कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वर्षा एवं धूप से सुरक्षा प्रदान करना तथा उनके प्रति स्नेह, सहयोग एवं सेवा-भाव प्रकट करना था। राह गिरो को शरबत पिलाकर ताप्ती गर्मी से राहत देना और सेवा भाव प्रगट करना था।वही त्रिवेणी संगम में स्नान ध्यान और पूजा अर्चना का उद्देश्य समाज कल्याण था। इस मौके पर पूर्वोत्तर महेश्वरी सभा के उपाध्यक्ष श्री माणिकलाल जी दमानी एवं श्री महेंद्र लाहोटी उपस्थित रहे। महेश्वरी महिला संगठन की सह-अध्यक्षा श्रीमती बबीता तोषनीवाल ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जो विद्यार्थी वार्षिक परीक्षा में 95% या उससे अधिक अंक लाएगा उसे संगठन की ओर से विशेष उपहार देकर सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती अंजू बजाज,कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने सेवा को सर्वोच्च धर्म मानते हुए समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया। संगठन ने कहा कि भविष्य में भी समाजहित और जनकल्याण के कार्य निरंतर किए जाएंगे।यह जानकारी माहेश्वरी महिला संगठन की सह-सचिव सरिता जाजू द्वारा प्रेस विज्ञप्ति में दिये गए।

सैकड़ों महिलाओं ने राष्ट्रीय राजमार्ग-129 किया जाम

लमडिंग, 18 जुलाई (ख.सं)। नुमलीगढ़ स्थित दैग्रोंग क्षेत्र में कल उस समय तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गयी, जब 100 से अधिक महिलाओं ने राष्ट्रीय राजमार्ग-129 पर चक्का जाम कर जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपी वर्षा बराक की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करते हुए प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि क्षेत्र में बिजली चोरी रोकने का प्रयास करने वाले एक व्यक्ति के साथ मारपीट की गई। उनका कहना है कि घटना के बावजूद दोषियों के विरुद्ध अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गयी, जिससे स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। आंदोलनकारी महिलाओं ने नुमलीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) निधि के कथित दुरुपयोग और बंदरबांट का भी आरोप लगाया। उनका कहना है कि जनकल्याण और विकास कार्यों के लिए निर्धारित सीएसआर राशि

का पारदर्शी ढंग से उपयोग नहीं किया गया तथा इसकी निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। विरोध-प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने राष्ट्रीय राजमार्ग-129 के दोनों ओर बैठकर मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध कर दिया। इसके चलते राजमार्ग पर सैकड़ों वाहन फंस गए। यात्री बसें, मालवाहक ट्रक, निजी वाहन तथा अन्य परिवहन साधनों की लंबी कतारें लग गयी, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बोकाखाट के उप-मंडलीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से वार्ता कर हालात को सामान्य करने का प्रयास किया। प्रशासन की ओर से आश्वासन दिया गया कि उनकी शिकायतों की विधिसम्मत जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। हालांकि प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक कथित आरोपी की गिरफ्तारी और सीएसआर निधि से जुड़े आरोपों की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित नहीं की जाती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। राजमार्ग जाम के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग-129 पर लंबे समय तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गयी।

करियर काउंसलिंग व व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का आयोजन

कोकराझाड़, 18 जुलाई (ख.सं)। बोडोलैंड स्टूडेंट्स यूनियन, फकीराग्राम ब्लॉक कमेटी के तत्वावधान में आज क्षेत्र के छात्र-छात्राओं के भविष्य को दिशा देने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम संगठन की ओर से आयोजित समर कोचिंग कैंप का हिस्सा है। इस कार्यशाला में फकीराग्राम कॉलेज के सहायक प्रोफेसर डॉ. हसमत अली ने बतौर संसाधन व्यक्ति भाग लिया। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को सही करियर चुनने, आत्मविश्वास बढ़ाने और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए प्रेरित करना है।

प्लेटिनम जुबली वर्ष के उपलक्ष्य में दिव्य सहस्त्र चंडी महायज्ञ के लिए यजमान पंजीकरण अभियान शुरू

तिनसुकिया, 18 जुलाई (ख.सं)। श्री मारवाड़ी दुर्गापूजा कमेटी (स्थापित 1951), तिनसुकिया अपने प्लेटिनम जुबली वर्ष के अवसर पर 'शक्ति विरासत 75 वर्षों की अमृत यात्रा' थीम के अंतर्गत आयोजित होने वाले दिव्य सहस्त्र चंडी महायज्ञ के लिए यजमान पंजीकरण अभियान चला रही है। समिति द्वारा श्रद्धालुओं से यजमान पंजीकरण प्रपत्र भरवाकर उनका संग्रह किया जा रहा है। कमेटी का कहना है कि यह दिव्य एवं ऐतिहासिक महायज्ञ केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि 75 वर्षों की गौरवशाली आध्यात्मिक परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का भव्य उत्सव भी है। समिति ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से इस पुण्य कार्य में सहभागी बनने की अपील करते हुए कहा है कि उनके सहयोग से न केवल महायज्ञ का सफल आयोजन संभव होगा, बल्कि धर्म, संस्कृति और सेवा की इस महान परंपरा को भी नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी। महायज्ञ के लिए यजमान बनने के इच्छुक श्रद्धालु पंजीकरण हेतु समिति के प्रतिनिधियों से संपर्क कर सकते हैं। इसके लिए अंजनी गोयल (9435035493), हेमंत जितानी (9435135065), अमित अग्रवाल (9954035042) तथा रमेश शास्त्री (9365480893) से संपर्क किया जा सकता है। श्री मारवाड़ी दुर्गापूजा कमेटी ने सभी धर्मप्रेमी नागरिकों से इस ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक आयोजन में बढ़-चढ़कर भाग लेने तथा इसे सफल बनाने में अपना अमूल्य योगदान देने का आह्वान किया है।

जागुन में हर्षोल्लास के साथ तामांग साहित्य सभा के अध्यक्ष का हीरक जयंती जन्मोत्सव पालन किया गया

जागुन, 18 जुलाई (सं)। जागुन के पार्वतीपुर लामा गांव रंग मंच पर तामांग साहित्य सभा असम के अध्यक्ष श्री के,बी, लामा की 75 वां जयन्ती हर्षोल्लास के साथ पालन किया गया।92 वर्षीय भारत चीन युद्ध लड़ने वाले योद्धा श्रीमान अमृत मोक्तान ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का सुरूवात की। सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन तथा उद्घोषणा किया पत्रकार खिलानाथ शर्मा ने। रेडियो कलाकार प्रभाकर नेउपाने ,असम राइफल्स एक्स सर्विसमेन्स एसोशिएशन विष्णुपुर के संगीत टोली ने संगीत प्रस्तुत किया।अंचल के गण्य मान्य व्यक्ति इस मौके पर उपस्थित थे। तामांग साहित्य सभा असम के अध्यक्ष के बी लामा ने सभी को आभार प्रकट करते हुए केक काटे ।उनके शुभचिंतक, हितैषीयों ने उन्हें उपहार प्रदान कर हीरक जयन्ती जन्मोत्सव पालन पर शुभकामना दी।

असम कृषि विश्वविद्यालय की पहल

किसानों के बीच रोपण सामग्री का वितरण

कोकराझाड़, 18 जुलाई (ख.सं)। असम कृषि विश्वविद्यालय के तत्वावधान में गोसाईगांव उपखंड के तेलीपाड़ा स्थित क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र में कल आयोजित एक कार्यक्रम में सौ से अधिक किसानों के बीच उन्नत बीज एवं विभिन्न रोपण सामग्रियों का वितरण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि पद्धतियों से जोड़ना तथा कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि विज्ञान केंद्र के फसल विज्ञान विषय विशेषज्ञ शांतनु कौशिक बोरा ने की। असम कृषि विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. मनोरंजन नेओग ने स्वागत भाषण में किसानों को वैज्ञानिक खेती अपनाने, आधुनिक तकनीकों का उपयोग करने तथा अधिक

उत्पादन के माध्यम से आय बढ़ाने के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिए। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कोकराझाड़ के जिला आयुक्त पंकज चक्रवर्ती ने कहा कि भारत का समग्र विकास कृषि क्षेत्र की प्रगति पर काफी हद तक निर्भर करता है। उन्होंने बताया कि सरकार कृषि क्षेत्र के विकास के लिए अनेक योजनाएं लागू कर रही है तथा आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग को बढ़ावा देकर उत्पादन क्षमता में वृद्धि के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने किसानों से सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने, उत्पादन बढ़ाने और सरकारी सुविधाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए अपने भूमि संबंधी दस्तावेजों को अद्यतन रखने का आग्रह किया। कार्यक्रम में बीटीसी कृषि विभाग के निदेशक बीबी नर्जारी, विधायक शोभाराम बसुमतारी तथा विधायक अशराफुल इस्लाम शेख ने भी किसानों को संबोधित करते हुए कृषि के आधुनिकीकरण और सरकारी योजनाओं का लाभ लेने पर जोर दिया। कृषि विज्ञान केंद्र के पशुपालन विषय विशेषज्ञ डॉ. मुजाहारुल इस्लाम ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. कामेश्वर दास, अनुसंधान केंद्र एवं कृषि विज्ञान केंद्र के कई अधिकारी तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में किसानों के बीच उन्नत बीज एवं विभिन्न रोपण सामग्रियों का वितरण किया गया।

लिडू में असम जातीयतावादी युवा छात्र परिषद का तीन घंटे का धरना प्रदर्शन

संवाददाता

मार्घेरिटा, 18 जुलाई। लिडू रेलवे रंगमंच में आज असम जातीयतावादी युवा छात्र परिषद की मार्घेरिटा आंचलिक समिति ने तीन घंटे का धरना-प्रदर्शन आयोजित किया।इस प्रदर्शन के माध्यम से परिषद ने लेडो कॉलेज में लंबे समय से बनी कृत्रिम जलभराव (बाढ़) की समस्या का स्थायी समाधान, मार्घेरिटा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में तिराप और बुढ़ीदिहिंग नदियों के कटाव की स्थायी रोकथाम तथा विधानसभा क्षेत्र की जर्जर सड़कों की शीघ्र मरम्मत की मांग उठाई। सुबह 11 बजे से शुरू हुए इस धरना-प्रदर्शन में बड़ी संख्या में युवा-छात्रों और स्थानीय लोगों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम परिषद की तिनसुकिया जिला समिति के उपाध्यक्ष कंचन बोरा तथा मार्घेरिटा आंचलिक समिति के अध्यक्ष बिमल सिंह के नेतृत्व में आयोजित किया गया।प्रदर्शनकारियों ने विभिन्न नारों के साथ अपना विरोध दर्ज कराया, जिससे प्रदर्शन स्थल का माहौल काफी गर्म हो गया। परिषद ने सरकार से इन समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो संगठन व्यापक और तीव्र लोकतांत्रिक आंदोलन शुरू करेगा।असम जातीयतावादी युवा-छात्र परिषद, मार्घेरिटा आंचलिक समिति ने धरना-स्थल से विधायक भास्कर शर्मा से मांग की कि जनता की इन समस्याओं का शीघ्र और स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाय।

सिलचर में नागरिक केंद्रित सेवा पर कार्यशाला आयोजित

सिलचर, 18 जुलाई (ख.सं)। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) प्रकोष्ठ द्वारा प्रेमेंद्र मोहन गोस्वामी सम्मेलन कक्ष में सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से नागरिक-केंद्रित सेवाएं विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें बराक घाटी के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति प्रोफेसर अशोक कुमार सेन ने किया। उन्होंने असम लोक सेवा अधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2024 के कार्यान्वयन में सूचना सुरक्षा और डिजिटल संरक्षण के महत्व पर जोर दिया। अपने स्वागत भाषण में, एनएसएस सेल समन्वयक प्रोफेसर एम. गंगाभूषण ने अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया और कहा कि बराक घाटी के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में एआरटीपी (संशोधित) के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए काम कर रहे हैं। डॉ. प्रदोश किरण नाथ ने असम सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत आने वाली एआईटीईसी और सीएसडी सोसाइटी को इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस संयुक्त पहल से बराक घाटी में नागरिक सेवाओं को अधिक प्रभावी और सुलभ बनाने में मदद मिलेगी। एआईटीईसी के मुख्य संसाधन व्यक्ति डॉ. हेमंत रावा ने एआरटीपीएस (संशोधन) अधिनियम, 2024 के महत्वपूर्ण प्रावधानों और नियमों की विस्तारपूर्वक व्याख्या की। कार्यक्रम के अंत में, एआईटीईसी और सीएसडी सोसाइटी के लक्ष्मीनंदन गोस्वामी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया और प्रतिभागियों से कार्यशाला में प्राप्त ज्ञान को अपने-अपने शिक्षण संस्थानों और व्यापक समाज में फैलाने का आग्रह किया। इस दिन, एमबीए विभाग की कंप्यूटर लैब में सेवा सेतु पोर्टल के उपयोग पर व्यावहारिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें नागरिक पहचान पत्र बनाना, सरकारी सेवाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन करना आदि शामिल हैं।

टिंगखांग में ड्रग्स के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

करोड़ों रुपये की हेरोइन बरामद

संवाददाता

मोरानहाट, 18 जुलाई। राज्यभर में ड्रग्स के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। इसी कड़ी में टिंगखांग पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर माहमरा अलीकिनार गांव में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपये मूल्य की संदिग्ध हेरोइन और 14 लाख 6 हजार 600 रुपये नकद बरामद किए हैं। हालांकि, पुलिस की कार्रवाई की भनक लगते ही मुख्य आरोपी मनोज गोगोई मौके से फरार हो गया। पुलिस के अनुसार, टिंगखांग थाना की टीम ने माहमरा अलीकिनार गांव निवासी मनोज गोगोई के घर पर अचानक छापेमारी की। तलाशी के दौरान पुलिस ने घर से 14 लाख 6 हजार 600 रुपये नकद बरामद किए। इसके अलावा घर के पीछे खड़ी एक बोलेरो पिकअप वाहन से 1,345.05 ग्राम हेरोइन भी बरामद की गई। बताया गया है कि तस्करों ने 107 साबुन के डिब्बों में हेरोइन को छिपाकर रखा था, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत कई करोड़ रुपये आंकी जा रही है।छापेमारी के दौरान मुख्य आरोपी मनोज गोगोई पुलिस के पहुंचने से पहले ही फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में लगातार अभियान चला रही है और मामले की जांच जारी है।

बोकाखात में 1,500 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों का किया गया सम्मान

लमडिंग, 18 जुलाई (ख.सं)। बोकाखाट में शैक्षणिक उत्कृष्टता का भव्य उत्सव देखने को मिला, जहां बोकाखाट उप-मंडलीय मुक्त मंच पर आयोजित एक विशाल सार्वजनिक समारोह में विधानसभा क्षेत्र के 1,500 से अधिक सफल विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। बोकाखाट के विधायक एवं कैबिनेट मंत्री अतुल बोरा की पहल पर आयोजित इस समारोह में वरिष्ठ मंत्रियों, प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षा विभाग के वरिष्ठ पदाधिकारियों, शिक्षाविदों तथा विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर वर्ष 2026 की हाईस्कूल लीविंग सर्टिफिकेट एवं उच्चतर माध्यमिक परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का अभिनंदन किया। यह समारोह क्षेत्र के सबसे बड़े छात्र सम्मान कार्यक्रमों में से एक बन गया, जहां असम सरकार के तीन कैबिनेट मंत्री एक ही मंच पर उपस्थित रहे। यह आयोजन राज्य सरकार की उस प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है, जिसके तहत मेधावी विद्यार्थियों की उपलब्धियों को सम्मानित कर नई पीढ़ी को उत्कृष्टता की ओर प्रेरित किया जा रहा है। कार्यक्रम का नेतृत्व असम के कृषि मंत्री एवं बोकाखाट के विधायक अतुल बोरा ने किया। उन्होंने सभी सफल विद्यार्थियों को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों पर बधाई देते हुए उन्हें शिक्षा के प्रति निरंतर समर्पित रहने तथा समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। सभा को संबोधित करते हुए अतुल बोरा ने कहा कि विद्यार्थी ही असम के भविष्य के निर्माता हैं। उन्होंने कहा कि मेधावी छात्रों का सम्मान केवल पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे राज्य के हजारों युवा छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनता है। उन्होंने शिक्षा को सामाजिक प्रगति, सशक्त समाज और सतत विकास की सबसे मजबूत नींव बताया। इस सम्मान समारोह में वर्ष 2026 की एवं उच्चतर माध्यमिक परीक्षाओं में सफल बोकाखाट विधानसभा क्षेत्र के लगभग 1,500 विद्यार्थियों को प्रशस्ति-पत्र एवं सम्मान-चिह्न प्रदान कर

सम्मानित किया गया। विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी गई। समारोह में काजीरंगा लोकसभा क्षेत्र के सांसद कामाख्या प्रसाद तासा भी उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में समर्पण और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने मंत्री अतुल बोरा की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं को बड़े लक्ष्य निर्धारित करने और अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करते हैं। उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त एवं सचिव नारायण कोंवर ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने शिक्षा क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए असम सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सरकार बेहतर शैक्षणिक अवसंरचना, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था, डिजिटल शिक्षा सुविधाओं तथा छात्र-केंद्रित कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। नवनियुक्त निपको के निदेशक अनिमेष सैकिया भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए अनुशासन, नवाचार और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा और प्रतिस्पर्धी करियर की चुनौतियों का सामना करने के लिए आत्मविश्वास और निरंतर परिश्रम अत्यंत आवश्यक है। गोलाघाट की आयुक्त पूवाली गोहाई तथा बोकाखाट की सह-जिला आयुक्त सुजाता गोगोई ने भी कार्यक्रम में भाग लेकर सफल विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें ईमानदारी, समर्पण, कड़ी मेहनत और अनुशासन के मूल्यों को अपनाते हुए निरंतर उत्कृष्टता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में बोकाखाट तथा आसपास के विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों के प्राचार्य भी उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के सामूहिक प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इन्हीं के सहयोग और समर्पण के कारण इतने उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम संभव हो सके हैं। बोकाखाट उप-मंडलीय मुक्त मंच पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों और स्थानीय नागरिकों से खचाखच भरा रहा। पूरे परिसर में उत्सव, गर्व और उल्लास का वातावरण देखने को मिला। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों तथा प्रेरणादायी संबोधनों ने समारोह की गरिमा को और बढ़ाया तथा इसे विद्यार्थियों के लिए एक अविस्मरणीय अवसर बना दिया। कार्यक्रम का समापन इस सामूहिक संदेश के साथ हुआ कि विद्यार्थी ज्ञानार्जन की अपनी यात्रा निरंतर जारी रखें, अनुशासन, धैर्य और परिश्रम के मूल्यों को जीवन में आत्मसात करें तथा असम और राष्ट्र के विकास में सार्थक योगदान दें। यह भव्य सम्मान समारोह बोकाखाट की शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने और युवा प्रतिभाओं का सम्मान करने की प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आया।